म्यूचुअल फंड उद्योग पर निवेश की बारिश - 10

ऑपरेशन सिंदूर अब भारत की नई नीति का आधार- 7

यूएन ने टीआरएफ और पाकिस्तान के आतंकी संबंधों का किया पर्दाफाश - 11

भारत के सामने शृंखला बराबर करने का लक्ष्य - 12

आज का मौसम

31.0⁰ अधिकतम तापमान

27.0⁰ न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 05.34

सूर्यास्त 07.03

अमृत विचार

बरेली

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

श्रावण शुक्ल पक्ष सप्तमी 04:58 तक उपरांत अष्टमी विक्रम संवत 2082

गुरुवार, 31 जुलाई 2025, वर्ष 6, अंक 251, पृष्ठ 12+4 मूल्य 6 रुपये

ब्रीफ न्यूज

2 अगस्त को जारी होगी किसान निधि

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी वाराणसी में 20,500 करोड़ रुपये की प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान) योजना की 20वीं किस्त दो अगस्त को जारी करेंगे। इससे देशभर के 9 .7 करोड़ किसान लाभान्वित होंगे। सरकार की प्रमुख प्रत्यक्ष लाभ अंतरण योजना 2019 में पेश की गई थी। अबतक इस कार्यक्रम के तहत 19 किस्तों के माध्यम से 3 .69 लाख करोड़ रुपये सीधे किसानों के खातों में डाले जा चुके हैं। कृषि मंत्रालय ने मंगलवार को कहा कि पीएम-किसान की अगली किस्त दो अगस्त को जारी की जाएगी। 20वीं किस्त में 9 .7 करोड़ किसानों को करीब 20,500 करोड़ रुपये की राशि का अंतरण किया जाएगा।

खराब मौसम के चलते रोकी अमरनाथ यात्रा

जम्मू। दक्षिण कश्मीर में पवित्र अमरनाथ गुफा में बाबा बर्फानी के दर्शन के लिए जारी अमरनाथ यात्रा को खराब मौसम के कारण रोक दिया गया है। जम्मू के संभागीय आयुक्त रमेश कुमार ने कहा कि यात्रा क्षेत्र में भारी बारिश के कारण आधार शिविरों से तीर्थयात्रियों की आवाजाही प्रभावित हुई है। इसलिए यह निर्णय लिया गया है कि 31 जुलाई को भगवती नगर, जम्मू से बालटाल और नुनवान आधार शिविरों की ओर किसी भी काफिले की अनुमति नहीं दी जाएगी। तीर्थयात्रियों को स्थिति से अवगत कराया जाएगा। बुधवार को 1397 तीर्थ यात्री आधार शिविर से पहलगाम और बालटाल मार्गों के लिए रवाना हुए। श्री बुड्ढा अमरनाथ यात्रा के लिए 435 तीर्थयात्री जम्मू से पुंछ के लिए रवाना हुए। अब तक 3 .935 लाख से अधिक यात्री गुफा में दर्शन कर चुके हैं।

अंदर देखें ... कैंपस

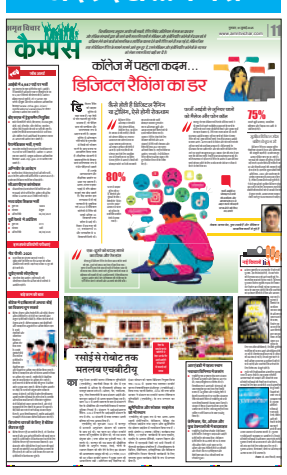

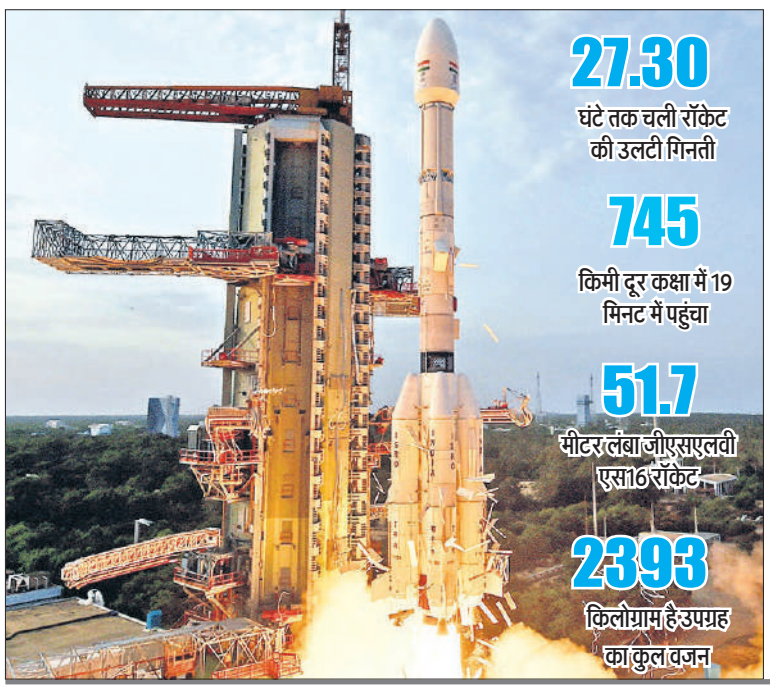

27.30 घंटे तक चली रॉकेट की उलटी गिनती

745 किमी दूर कक्षा में 19 मिनट में पहुंचा

51.7 मीटर लंबा जीएसएलवी एस16 रॉकेट

2393 किलोग्राम है उपग्रह का कुल वजन

कक्षा में पहुंचा निसार, धरती पर रखेगा नजर

श्रीहरिकोटा, एजेंसी

- लांचिंग के साथ भारत-अमेरिका अंतरिक्ष सहयोग की उड़ान शुरू
- इसरो और नासा ने मिलकर किया उपग्रह का विकास

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) और अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के बीच साझेदारी के तहत बुधवार को जीएसएलवी रॉकेट से 'निसार' उपग्रह को कक्षा में स्थापित कर दिया गया।

'निसार' पृथ्वी अवलोकन उपग्रह को दोनों अंतरिक्ष एजेंसियों द्वारा संयुक्त रूप से विकसित किया गया है। इसरो के जीएसएलवी एफ-16 ने लगभग 19 मिनट की उड़ान के बाद और लगभग 745 किलोमीटर की दूरी पर निसार (नासा-इसरो सिंथेटिक एपर्चर रडार) उपग्रह को सूर्य तुल्यकालिक ध्रुवीय कक्षा में स्थापित कर दिया। इसरो के मुताबिक निसार को अंतरिक्ष में ले जाने वाले जीएसएलवी-एस16 रॉकेट की लंबाई 51.7 मीटर है। जीएसएलवी एफ-16 रॉकेट ने 27.30 घंटे की उलटी गिनती के बाद 2,393 किलोग्राम वजनी उपग्रह को लेकर चेन्नई से लगभग 135 किलोमीटर पूर्व में स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से उड़ान भरी। रॉकेट से अलग होने के बाद, वैज्ञानिक उपग्रह को संचालित करने का काम शुरू करेंगे, उसे स्थापित करने और मिशन के उद्देश्यों को पूरा करने में कई दिन लगेंगे। इसरो के अनुसार, एस-बैंड रडार प्रणाली, डेटा हैंडलिंग और हाई-स्पीड डाउनलिंक प्रणाली, अंतरिक्ष यान और प्रक्षेपण प्रणाली भारतीय अंतरिक्ष एजेंसी द्वारा विकसित की गई हैं। इसरो उपग्रह की कमान और संचालन के लिए जिम्मेदार है।

पांच साल तक देगा पृथ्वी पर बदलाव की जानकारी

निसार मिशन को प्राप्त तस्वीरों को डाउनलोड करने के लिए इसरो और नासा दोनों के जमीनी केंद्र से सहायता मिलेगी, जिन्हें आवश्यक प्रसंस्करण के बाद उपयोगकर्ता तक प्रसारित किया जाएगा। इस दौरान एक ही प्लेटफॉर्म से एस-बैंड और एल-बैंडआर के माध्यम से प्राप्त डेटा से वैज्ञानिकों को पृथ्वी पर हो रहे परिवर्तनों को समझने में मदद मिलेगी। मिशन का उद्देश्य अमेरिका और भारत के वैज्ञानिक समुदायों के साझा हित के क्षेत्रों में भूमि और हिमनद की गतिविधियों, भूमि पारिस्थितिकी तंत्र और महासागरीय क्षेत्रों का अध्ययन करना है। 'निसार' का मिशन जीवनकाल पांच वर्ष है। नासा ने कहा कि 'निसार' मिशन से प्राप्त डेटा सरकारों और निर्णयकर्ताओं को प्राकृतिक और मानव-जनित खतरों के लिए योजना बनाने में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान करेगा। 'निसार' खतरों की निगरानी के प्रयासों में मदद कर सकता है और संभावित रूप से निर्णयकर्ताओं को संभावित आपदा के लिए तैयारी करने के लिए अधिक समय दे सकता है।

अमेरिका ने भारत पर लगाया 25 फीसदी टैरिफ, रूस से तेल खरीदने पर जुर्माना भी

कल से होगा प्रभावी, ट्रंप ने कहा- भारत हमारा मित्र लेकिन व्यापार में घाटा बर्दाश्त नहीं

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) पर दोनों देशों के बीच जारी बातचीत में कुछ गतिरोध के संकेतों के बीच बुधवार को भारत पर एक अगस्त से 25 प्रतिशत शुल्क लगाने की घोषणा की है। इसके अलावा, ट्रंप ने रूस से सैन्य उपकरण और कच्चा तेल खरीदने के लिए अतिरिक्त जुर्माना लगाने का भी फैसला किया। यह आश्चर्यजनक घोषणा ऐसे समय में की गई है जब एक दिन पहले ही भारतीय अधिकारियों ने कहा था कि एक अमेरिकी व्यापार दल व्यापार समझौते पर बातचीत करने के लिए 25 अगस्त से भारत का दौरा करेगा। इस घोषणा को भारत पर अमेरिका की मांगों को मानने के लिए दबाव बनाने की रणनीति के रूप में देखा जा रहा है, जिसने हाल ही में जापान, ब्रिटेन और यूरोपीय संघ (ईयू) जैसे प्रमुख साझेदारों के साथ अनुकूल व्यापार समझौते किए हैं।

ट्रंप ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में भारत की व्यापार नीतियों को 'सबसे कठिन और अप्रिय' बताया। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि सब कुछ ठीक नहीं है! इसलिए भारत को एक अगस्त से 25 प्रतिशत शुल्क और रूस से खरीद को लेकर 'जुर्माना' भी देना होगा। यह जुर्माना इसलिए लगाया गया क्योंकि भारत ने रूस से तेल और सैन्य उपकरणों की बड़ी खरीद की है।

रूस से भारत का कच्चा तेल आयात रूस-यूक्रेन युद्ध से पहले कुल खरीद का 0.2 प्रतिशत था, जो अब बढ़कर 35-40 प्रतिशत हो गया है। चीन के बाद, रूसी तेल का सबसे बड़ा खरीदार भारत है। हालांकि, अमेरिकी राष्ट्रपति ने सोशल मीडिया पोस्ट में भारत को अपना 'मित्र' बताया। उन्होंने कहा कि भारत हमारा मित्र है, लेकिन हमने पिछले कई वर्षों में उनके साथ अपेक्षाकृत कम व्यापार किया है, क्योंकि उनके शुल्क बहुत अधिक हैं, जो दुनिया में 'सबसे अधिक' हैं। उनके पास 'सबसे कठोर और अप्रिय' गैर-मौद्रिक व्यापार बाधाएं हैं। उन्होंने कहा कि इसके अलावा, भारत ने रूस से अपने सैन्य उपकरण और ऊर्जा उत्पाद तब खरीदे है जब हर कोई चाहता है कि रूस, यूक्रेन में हत्याएं बंद करे। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि 25 प्रतिशत का शुल्क मौजूदा 10 प्रतिशत के मूल शुल्क के अतिरिक्त होगा या नहीं। वर्तमान में 10 प्रतिशत शुल्क अधिकांश भारतीय वस्तुओं पर लागू है।

ट्रंप ने की घोषणा

ट्रंप ने शुल्क के पीछे ब्रिक्स और घाटे का दिया हवाला

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर 25 प्रतिशत शुल्क लगाने को लेकर बुधवार को ब्रिक्स समूह व नई दिल्ली के साथ 'भारी' व्यापार घाटे का हवाला दिया और कहा कि अमेरिका इस समय भारत के साथ बातचीत कर रहा है। ट्रंप ने व्हाइट हाउस में कहा कि हम अभी बातचीत कर रहे हैं और इसमें ब्रिक्स का मसला भी शामिल है। कहा कि आप जानते हैं, ब्रिक्स मूलत: अमेरिका विरोधी देशों का एक समूह है और भारत इसका सदस्य है। यह अमेरिकी मुद्रा पर हमला है और हम किसी को भी ऐसा नहीं करने देंगे। ट्रंप ने कहा कि यह निर्णय आंशिक रूप से 'ब्रिक्स' की वजह से लिया गया है और इसमें कुछ हद तक घाटे की भूमिका है। हमें बहुत बड़ा घाटा हुआ है। अब घाटा बर्दाश्त नहीं।

शुल्क के प्रभाव का आकलन कर रही है सरकार

नई दिल्ली। सरकार ने बुधवार को कहा कि वह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारतीय उत्पादों पर एक अगस्त से 25 प्रतिशत शुल्क और जुर्माना लगाने की घोषणा के प्रभाव का अध्ययन कर रही है। सरकार का कहना है कि वह अब भी एक निष्पक्ष, संतुलित और पारस्परिक रूप से लाभकारी द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) के प्रति आशावान है। एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि सरकार देश के राष्ट्रीय हितों को सुरक्षित रखने के लिए सभी जरूरी कदम उठाएगी, जैसा कि ब्रिटेन के साथ हुए हालिया समझौते सहित अन्य व्यापार समझौतों के मामले में किया गया है। कहा गया कि सरकार ने द्विपक्षीय व्यापार को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति के बयान पर ध्यान दिया है। सरकार इसके प्रभाव का अध्ययन कर रही है। भारत और अमेरिका पिछले कुछ महीनों से एक निष्पक्ष, संतुलित और पारस्परिक रूप से लाभकारी द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) पर बातचीत कर रहे हैं।

पुंछ में घुसपैठ की कोशिश, दो आतंकवादी ढेर

जम्मू, एजेंसी

- सेना ने कहा-शिवशक्ति नाम से चलाया गया अभियान
- लश्कर-ए-तैयबा के थे मारे गए दोनों आतंकवादी

जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर बुधवार को घुसपैठ की कोशिश को नाकाम करते हुए सेना के जवानों ने भारी हथियारों से लैस दो आतंकवादियों को मार गिराया। अधिकारियों ने बताया कि मुठभेड़ में मारे गए दोनों आतंकवादी पाकिस्तान के आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के सदस्य थे। इस मुठभेड़ से दो दिन पहले सुरक्षाबलों ने पहलगाम आतंकवादी हमले में शामिल तीन आतंकवादियों को श्रीनगर के एक जंगल में मार गिराया था। पहलगाम में 22 अप्रैल को आतंकवादियों ने हमला कर पर्यटकों को निशाना बनाया था।

सेना ने बताया कि बुधवार को शिवशक्ति नाम से चलाया गया अभियान पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवादी संगठनों के मंसूबों के लिए एक बड़ा झटका है। ये संगठन जम्मू-कश्मीर में लगातार आतंकवादी गतिविधियों को बढ़ावा दे रहे हैं। रक्षा विभाग के एक प्रवक्ता ने बताया, एक समन्वित आतंकवाद-रोधी अभियान में भारतीय सेना के जवानों ने 30 जुलाई को तड़के पुंछ सेक्टर में ऑपरेशन शिवशक्ति शुरू किया। यह अभियान जम्मू-कश्मीर पुलिस के साथ मिलकर सैन्य और नागरिक खुफिया इकाइयों द्वारा क्षेत्र में आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में प्राप्त विश्वसनीय खुफिया सूचनाओं पर आधारित था। सूचनाओं पर त्वरित कार्रवाई करते हुए सुरक्षा बलों ने संभावित घुसपैठ मार्गों पर घात लगाई। नियंत्रण रेखा पर सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच हुई भीषण मुठभेड़ में दो आतंकवादी मारे गए और बड़ी मात्रा में युद्ध-सामग्री बरामद की गई। उन्होंने बताया कि बरामद की गयी युद्ध-संबंधी सामग्री में गोला-बारूद के साथ-साथ दो असॉल्ट राइफल, एक पिस्तौल, हथगोले, दो आईआईडी, दवाइयां, संचार उपकरण और अन्य रसद भंडार शामिल हैं।

रूस में 8.8 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप

रूस के पेट्रोपावलोव्स्क-कामचत्स्की में भूकंप से क्षतिग्रस्त एक स्कूल की इमारत।

तोक्यो, एजेंसी

- जापान और अमेरिका में भी उठीं सुनामी की लहरें

रूस के सुदूर पूर्व में बुधवार तड़के आए 8.8 तीव्रता के शक्तिशाली भूकंप से जापान, अमेरिका के हवाई व प्रशांत महासागर में सुनामी की लहरें उठीं। यह मार्च 2011 के बाद दुनिया में आया सबसे शक्तिशाली भूकंप प्रतीत होता है।

सुनामी के कारण अभी तक कोई बड़ा नुकसान होने की खबर नहीं है, लेकिन प्राधिकारियों ने लोगों को तटरेखाओं से दूर रहने की चेतावनी दी। रूस में कामचटका प्रायद्वीप पर 8.8 तीव्रता वाले भूकंप के केंद्र के पास स्थित बंदरगाहों में पानी भर गया जिससे निवासियों को सुरक्षित स्थानों की ओर जाना पड़ा। हवाई प्रांत की राजधानी में सड़कों और राजमार्गों पर जाम लग गया। जापान के प्रभावित इलाकों में लोगों को बचाव केंद्रों में स्थानांतरित किया गया। इस भूकंप ने 2011 में आए भूकंप और सुनामी की यादें ताजा कर दी। जापान में लगभग 20 लाख लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाए जाने की सलाह दी गई है। मार्च 2011 में उत्तर-पूर्वी जापान में आए भूकंप की तीव्रता 9.0 मापी गई थी और इसके कारण भीषण सुनामी आई थी। रूसी प्राधिकारियों ने बताया कि कामचटका प्रायद्वीप पर आए भूकंप के कारण कई लोग घायल हुए हैं। यह भूकंप रूसी शहर पेत्रोपावलोव्स्क-कामचत्स्की से लगभग 119 किमी दूर आया। इसके बाद 6.9 तीव्रता के भूकंप बाद के कई शक्तिशाली झटके महसूस किए गए। पेत्रोपावलोव्स्क-कामचत्स्की में कुछ इमारतें क्षतिग्रस्त भी हुईं।

सैन्य वाहन पर गिरा पत्थर, लेफ्टिनेंट कर्नल सहित दो शहीद और तीन अधिकारी घायल

लेह, एजेंसी

- पूर्वी लद्दाख में हादसा, घायल तीनों अधिकारी अस्पताल में भर्ती

पूर्वी लद्दाख के एक सुदूर इलाके में बुधवार को सेना के एक वाहन पर एक बड़ा पत्थर गिरने से एक लेफ्टिनेंट कर्नल समेत दो सैन्यकर्मी शहीद हो गए और तीन अधिकारी घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि यह वाहन एक काफिले का हिस्सा था। अधिकारियों ने बताया कि यह दुर्घटना यहां से करीब 200 किलोमीटर दूर गलवान में दुरबुक के पास चारबाग में सुबह करीब 11:30 बजे हुई। सेना ने मृतकों की पहचान लेफ्टिनेंट कर्नल भानु प्रताप सिंह मनकोटिया और लांस दफादार दलजीत सिंह (14 सिंध हॉर्स) के रूप में की है। इसमें कहा गया है कि मेजर मयंक शुभम (14 सिंध हॉर्स), मेजर अमित दीक्षित और कैप्टन गौरव (60 आर्मड) को चोटें आई हैं। काफिला दुरबुक से चोंगताश प्रशिक्षण के लिए जा रहा था। पत्थर के प्रभाव से वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। घायल हुए तीनों अधिकारियों का इलाज किया जा रहा है।

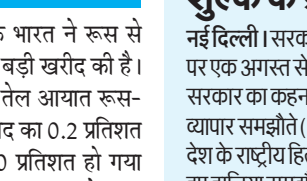

ईंधन अधिभार बढ़ा 0.24 प्रतिशत महंगी होगी बिजली

लखनऊ। प्रदेश में अगले माह बिजली के दाम में 0.24 प्रतिशत की बढ़ोतरी होगी। उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन ने ईंधन अधिभार शुल्क में बढ़ोतरी कर दी है। इसे लागू करने का आदेश भी जारी कर दिया है।

इस वृद्धि से अगस्त माह में कॉरपोरेशन कुल लगभग 22.63 करोड़ का राजस्व वसूल होगा। कॉरपोरेशन ने पिछले माह भी बिजली के दाम में ईंधन भार अधिभार शुल्क के तौर पर 1.97 प्रतिशत की बढ़ोतरी की थी। पिछले कई महीनों से कॉरपोरेशन की ओर से ईंधर अधिभार शुल्क के तौर पर बढ़ोतरी की जा रही है। उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद ने इस वृद्धि का सख्त विरोध किया है।

हटाए गए आईएएस रिंकू सिंह राही

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- भारी पड़ी शाहजहांपुर की पुवायां तहसील में उठक-बैठक

अमृत विचार : कान पकड़ कर उठक-बैठक लगाना आईएएस अधिकारी रिंकू सिंह राही को भारी पड़ा है। शाहजहांपुर में एसडीएम पुवायां पद पर ज्वाइन करने के 36 घंटे बाद ही उनका स्थानांतरण कर दिया गया। शासन ने बुधवार को उनको राजस्व परिषद (लखनऊ) से संबद्ध कर दिया।

दरअसल, आईएएस अधिकारी रिंकू सिंह राही ने 28 जुलाई की रात 11 बजे पुवायां में एसडीएम का पदभार ग्रहण किया था। 29 जुलाई को वह ड्यूटी पर आए तो एक वकील के मुंशी को दीवार के पास लघुशंका करते देख उससे उठक-बैठक लगवा दी।

बाद में जब वह तहसील परिसर का निरीक्षण करते हुए वकीलों के पास पहुंचे तो उन्हें समस्या बताई गई कि तहसील परिसर में बने शौचालय बेहद गंदे हैं, ऐसे में वकील और मुंशी मजबूरन खुले में लघुशंका करते हैं। इस पर एसडीएम ने कहा था कि तहसील के बड़े अधिकारी होने के नाते वह सफाई ठीक से न होने की जिम्मेदारी लेते हैं। इसके बाद एसडीएम ने वकीलों के सामने कान पकड़कर उठक-बैठक की, जिसका वीडियो वायरल हो गया। बच्चों के साथ तहसील पहुंचे कुछ अभिभावकों से भी उठक बैठक कराई थी।

आश्वासन | मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने की सीएम युवा कॉन्क्लेव एवं एक्सपो-2025 की शुरुआत

हर युवा को मौका देंगे जिसके पास सपना है पर साधन नहीं

- बोले, युवाओं को जॉब सीकर से जॉब क्रिएटर बना रही सीएम युवा स्कीम
- 68 हजार उद्यमियों को मिली 2751 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि हम उत्तर प्रदेश के हर उस युवा को अवसर देंगे जिसके पास सपना है पर साधन नहीं है। राजधानी में बुधवार को सीएम युवा कॉन्क्लेव एवं एक्सपो-2025 की शुरुआत करते हुए मुख्यमंत्री बोले कि सीएम युवा स्कीम युवाओं को जॉब सीकर से जॉब क्रिएटर बना रही है। उन्होंने 68 हजार उद्यमियों को 2751 करोड़ की वित्तीय सहायता देने की बात भी साझा की। योगी ने सीएम युवा योजना को प्रदेश के युवाओं के लिए स्वरोजगार से स्वावलंबन तक की यात्रा का माध्यम बताया। कहा कि अब तक इस योजना के अंतर्गत 68,000 से अधिक युवाओं को 2751 करोड़ रुपये का ब्याजमुक्त एवं गारंटी मुक्त लोन दिया गया है। योजना में 10 प्रतिशत मार्जिन मनी की सुविधा भी राज्य सरकार दे रही है। उन्होंने कहा कि युवाओं में अनलिमिटेड पोटेंशियल है।

लखनऊ। इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में कार्यक्रम को संबोधित करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

यूपी मार्ट की लांचिंग प्रदर्शनी का लोकार्पण

मुख्यमंत्री ने फ्रेंचाइजी व्यवसाय, बिजनेस ऑन व्हील्स व अन्य इनोवेटिव व्यवसायों के ब्रांड्स, मशीनरी की प्रदर्शनी का उद्घाटन एवं मशीनरी सप्लायर्स पोर्टल यूपी मार्ट की लॉन्चिंग भी की। इस दौरान 17 एमओयू भी किए गए। यहां एमएसएमई मंत्री राकेश सचान, मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह, अपर मुख्य सचिव आलोक कुमार, कई विश्वविद्यालयों के कुलपति मौजूद रहे।

अमृत विचार

बरेली, गुरुवार, 31 जुलाई 2025

न्यूज ब्रीफ

नियामक आयोग भेजे निजीकरण निरस्त करने का प्रस्ताव

अमृत विचार, लखनऊ : उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद ने कहा कि राज्य विद्युत नियामक आयोग ऊर्जा निगमों की निजीकरण प्रक्रिया निरस्त करने के लिए राज्य सरकार को प्रस्ताव भेजे। उपभोक्ता परिषद की ओर से बुधवार को इस सिलसिले में याचिका दाखिल की गई। याचिका में कहा गया है कि पिछले दिनों ऊर्जा मंत्री ने निजीकरण से यह कहते हुए अपना पल्ला झाड़ लिया कि निजीकरण का पूरा प्रस्ताव एनर्जी टास्क फोर्स तैयार कर रही है। नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक ने भी निजीकरण प्रक्रिया पर सवाल उठाये हैं, ऐसे में आम जनमानस की भावना के मद्देनजर इस प्रस्ताव को खारिज करने की सलाह सरकार को भेजना चाहिए।

नारंग के कार्यकाल के फैसलों की हो जांच

अमृत विचार, लखनऊ : विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति उत्तर प्रदेश ने उत्तर प्रदेश कॉरपोरेशन में निदेशक वित्त रहे निधि कुमार नारंग के कार्यकाल में निजीकरण प्रक्रिया समेत अन्य फैसलों की उच्च स्तरीय जांच कराने की मांग की है। संघर्ष समिति के संयोजक शैलेंद्र दुबे ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रति आभार प्रकट करते हुए कहा है कि नारंग के कार्यकाल के निजीकरण संबंधी लिए गए सभी निर्णयों को तत्काल निरस्त किया जाय। संघर्ष समिति ने यह भी मांग की है कि टेंडर संबंधी सभी वित्तीय फैसलों की उच्च स्तरीय जांच कराई जाय क्योंकि उनके कार्यकाल में निजीकरण को लेकर भारी घोटाला होने की आशंका है।

चार दिन चलेगी उप्र. विधानमंडल के मानसून सत्र की कार्यवाही

अमृत विचार, लखनऊ : राज्य विधानमंडल का मानसून सत्र 11 अगस्त से शुरू होने जा रहा है। बुधवार को विधानसभा सचिवालय से जारी अधिसूचना के अनुसार 16 अगस्त तक निर्धारित छह दिवसीय सत्र में केवल चार दिन ही विधायी कार्य होंगे, जबकि शेष दो दिन स्वतंत्रता दिवस (15 अगस्त) और जन्माष्टमी (16 अगस्त) की छुट्टी के चलते कार्यवाही नहीं चलेगी। ऐसे में सत्र के दौरान 11 अगस्त से 14 अगस्त तक ही विधान सभा और विधान परिषद की कार्यवाही चलेगी।

फसल बीमा योजना 15 दिन और बढ़ाए केंद्र

लखनऊ : राज्य सरकार ने केंद्र सरकार से प्रदेश के किसानों के लिए पीएम फसल बीमा योजना 15 दिन और बढ़ाए जाने की मांग की है। कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने बुधवार को नई दिल्ली में शिवराज सिंह चौहान से मुलाकात की और मांग को लेकर अनुरोध पत्र सौंपा।

जरूरतमंद को आवास दिलाएंगे इलाज भी कराएंगे

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर प्रवास के दौरान बुधवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में लगभग 200 लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। इस दौरान जनता दर्शन में एक महिला ने आवास की समस्या बताई। मुख्यमंत्री ने उन्हें आश्वस्त किया कि उन्हें सरकार की योजना के तहत आवास दिलाया जाएगा। जनता दर्शन में हर बार की तरह इस बार भी कुछ लोग इलाज के लिए आर्थिक मदद की गुहार लेकर आए थे। मुख्यमंत्री ने उन्हें भरोसा दिया कि धन के अभाव में किसी का इलाज नहीं रुकेगा।

गोरखपुर : गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में लोगों की समस्याओं को सुनतें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ। अमृत विचार

एमबीबीएस में दाखिले के लिए अभ्यर्थियों को आज से देनी होगी कॉलेज की प्राथमिकताएं

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : प्रदेश के मेडिकल कॉलेजों में एमबीबीएस व डेंटल कॉलेजों में बीडीएस प्रथम वर्ष में दाखिला लेने के लिए बुधवार शाम चिकित्सा शिक्षा महानिदेशक कार्यालय द्वारा काउंसिलिंग में पंजीक्रत अभ्यर्थियों की मेरिट सूची जारी कर दी है। सूची में शामिल अभ्यर्थियों को क्रमानुसार 31 जुलाई गुरुवार से 4 अगस्त तक मनपसंद कॉलेजों की प्राथमिकताएं ऑनलाइन देनी होंगी।

चिकित्सा शिक्षा महानिदेशक किंजल सिंह ने बताया कि नीट यूजी 2025 की काउंसिलिंग

- **5 अगस्त को सीट आंवटन के बाद कॉलेजों में शुरू होगी दाखिले की प्रक्रिया**

शुरू हो चुकी हैं, प्रथम चरण में पंजीकरण कराकर धरोहर राशि जमा करने वाले अभ्यर्थियों के प्रपत्रों की जांच उपरांत मेरिट सूची तैयार की गयी है। मेरिट के आधार पर अभ्यर्थियों को काउंसिलिंग में प्रतिभाग करने का मौका मिलेगा, प्राथमिकताएं देने के बाद 5 अगस्त को सीट आवंटन के परिणाम घोषित किए जाएंगे, इसके बाद अगले दिन 6 अगस्त से आवंटन पत्र डाउनलोड कर संबन्धित कॉलेजों मे प्रवेश की प्रक्रिया पूर्ण की जाएगी, प्रवेश प्रक्रिया 14 अगस्त तक पूर्ण करनी होगी।

मालूम हो कि चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा गठित शुल्क निर्धारण समिति ने निजी मेडिकल कॉलेज व डेंटल कॉलेजों की प्रथम वर्ष में निर्धारित शुल्क की घोषणा की कर दी है, जिसे विभाग की बेवसाइट पर लोड कर दिया गया है, ताकि किसी कॉलेज में अतिरिक्त शुल्क न लिया जा सके।

कैंसर पीड़ित सास को प्लाट में छोड़ गई बहू, हुई मौत

गोंडा में रहती थी, पुलिस ने आरोपी बहू को हिरासत में लिया

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार : पूराबाजार विकासखंड के किशुनदासपुर के प्लॉट में वृद्धा को उसकी बहू लावारिस हालत में छोड़ गयी। बहू और उसकी नौकरानी वृद्धा को ई रिक्शा में लादकर यहां पहुंचे थे और आधी रात के बाद प्लाट में छोड़ने के बाद दोनों फरार हो गये।

लगभग एक सप्ताह पूर्व बुधवार को हुई इस शर्मनाक मामले के बाद स्थानीय लोगों की सूचना पर गुरुवार सुबह पुलिस ने उसे दर्शननगर स्थित राजर्षि दशरथ मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया। जहां शाम को उसकी मौत हो गई थी। घटना का सीसीटीवी फुटेज सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुआ। पुलिस ने मृतका की फोटो भी सोशल मीडिया के साथ जिले व आसपास के जिलों के पुलिस थानों में भिजवाई थी। एक सप्ताह बाद बुधवार को महिला की पहचान हो गई। उसके बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर कुछ परिजनों को हिरासत में लिया है।

अयोध्या कोतवाल ने दी थी शव को मुखाग्नि

वृद्धा की पहचान भगवती पत्नी बृजलाल निवासी नगवां थाना नवाबगंज गोंडा के रूप में हुई। भगवती कैंसर से पीड़ित थीं। वृद्धा भगवती की मेडिकल कॉलेज में इलाज के दौरान मौत हो गई थी। बताया जाता है कि उनके गले में कीड़े पड़ने लगे थे। मौत के बाद शिनाख्त के लिए 72 घंटे तक शव को मॉर्च्यूरी में रखाया गया था। समय बीतने के बाद अयोध्या कोतवाल मनोज शर्मा ने भगवती का अंतिम संस्कार कराया था। मुखाग्नि उन्होंने ही दी थी।

मृतक वृद्धा की पहचान के लिए उसकी फोटो सोशल मीडिया पर वायरल की थी। साथ ही पुलिस की चार टीमें गठित की गई थी। घटना के पांच दिन बाद सीसीटीवी फुटेज के आधार पर महिला की पहचान करने में सफलता मिली। समाजसेवी पंकज अग्रवाल की तहरीर पर केस दर्ज किया गया है। कुछ संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

–डॉ. गौरव ग्रोवर, एसएसपी

11 जिलों में बढ़ाई जाएंगी फाइलेरिया उन्मूलन जागरूकता

लखनऊ, अमृत विचार : फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम में प्रदेश के 11 जिलों के सामुदायिक रेडियो स्टेशन जन जागरुकता बढ़ाएंगे। यह प्रतिबद्धता बुधवार को संपन्न हुई संवेदीकरण कार्यशाला में सामुदायिक रेडियो अधिकारियों और रेडियो जॉकी के अधिकारियों ने दोहराई है।

आगामी 10 अगस्त से फाइलेरिया उन्मूलन के लिए अभियान प्रदेश के 27 जिलों में शुरू होगा। राज्य फाइलेरिया अधिकारी डॉ. एके चौधरी ने बताया कि 14 सामुदायिक रेडियो स्टेशन गोरखपुर, बस्ती, देवरिया, कुशीनगर, संतकबीर नगर, गोंडा, बहराइच, कानपुर नगर, कानपुर देहात, रायबरेली और सुल्तानपुर सहित विभिन्न जिलों में विशेष रूप से सूचना प्रसारित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। ये स्टेशन समुदायों को इस बीमारी, इसकी रोकथाम और एमडीए अभियान में भागीदारी के महत्व के बारे में शिक्षित करेंगे।

तीसरी बार नहीं बढ़ा पावर कॉरपोरेशन के निदेशक वित्त निधि नारंग का कार्यकाल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : राज्य सरकार ने उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन के निदेशक वित्त निधि कुमार नारंग का कार्यकाल तीसरी बार बढ़ाने से साफ इनकार कर दिया है। इससे कॉरपोरेशन प्रबंधन को बड़ा झटका लगा है।

ऊर्जा निगमों की निजीकरण प्रक्रिया में निधि कुमार नारंग की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। इसको देखते हुए कॉरपोरेशन ने नारंग का कार्यकाल तीसरी बार बढ़ाने का प्रस्ताव शासन को भेजा था। प्रस्ताव में कार्यकाल को छह माह तक बढ़ाने या नये निदेशक वित्त के कार्यभार ग्रहण तक कार्यकाल बढ़ाने का अनुरोध किया गया था, पर शासन इससे इनकार कर दिया है। बुधवार को ऊर्जा विभाग के विशेष सचिव

- **कॉरपोरेशन ने दिया था निजीकरण प्रक्रिया में लगे नारंग का कार्यकाल बढ़ाने का प्रस्ताव**

राजकुमार की ओर से कॉरपोरेशन के अध्यक्ष को पत्र लिखा गया। नारंग का कार्य विस्तार अब संभव नहीं है। निजीकरण का विरोध कर रहे बिजली कर्मियों ने नारंग का कार्यकाल बढ़ाने की प्रक्रिया का सख्त विरोध किया था। इस बीच, विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति ने अपर मुख्य सचिव ऊर्जा को पत्र लिखकर आरोप लगाया कि कार्यकाल न बढ़ाये जाने का पत्र आने के बाद निदेशक वित्त नारंग ने तमाम गोपनीय दस्तावेज की फोटो कराई।

ओबीसी की केंद्रीय सूची में शामिल होंगी यूपी की वंचित जातियां

लखनऊ, अमृत विचार : राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष हंसराज गंगाराम अहीर ने ओबीसी की केंद्रीय सूची में प्रदेश की उन वंचित जातियों को शामिल किये जाने का आश्वासन दिया, जिन्हें प्रदेश की ओबीसी सूची के तहत आरक्षण मिल रहा है। आयोग के अध्यक्ष ने बुधवार को वीवीआईपी गेस्ट हाउस में पिछड़ा वर्ग विभाग व राज्य आयोग के अधिकारियों के साथ उच्च स्तरीय बैठक कर रहे थे। बैठक में पिछड़ा वर्ग कल्याण योजनाओं की समीक्षा और भविष्य की दिशा पर चर्चा हुई।

बैठक में अवगत कराया गया कि राज्य की पिछड़े वर्गों की सूची में शामिल कुछ जातियों, उपजातियों व उपनाम को अभी तक केंद्र सरकार की केंद्रीय सूची में शामिल नहीं किया गया है। इस पर राष्ट्रीय आयोग के अध्यक्ष ने कहा कि सभी बिंदुओं को दस्तावेज रूप में संकलित कर केंद्र सरकार को प्रस्तुत किया जाएगा।

निवेशकों की सुविधा के लिए हिंदी में भी होंगे सरकारी फॉर्म

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- **मुख्य सचिव की अध्यक्षता में ईओडीबी की समीक्षा में सेवाओं के सरलीकरण पर जोर**

अमृत विचार : उत्तर प्रदेश में निवेशकों की सुविधा के लिए अब विभागीय फॉर्म अंग्रेजी भाषा के अलावा हिंदी भाषा में भी उपलब्ध होंगे। मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह ने निवेश संबधी कागजी सरकारी औपचारिकताओं को अधिक सरल और द्विभाषी (हिंदी एवं अंग्रेज़ी) स्वरूप में उपलब्ध कराने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा है कि इससे निवेशकों को प्रक्रिया समझने में आसानी होगी और राज्य में निवेश के अनुभव को बेहतर किया जा सकेगा।

मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह की अध्यक्षता में लोकभवन में बुधवार को उत्तर प्रदेश में व्यापार में सुगमता (ईज ऑफ डूइंग बिजनेस) को और अधिक सरल एवं निवेशकों के लिए सुविधाजनक बनाने के उद्देश्य से एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक हुई। इस बैठक में भारत सरकार के कैबिनेट सचिवालय द्वारा गठित टास्क फोर्स की भागीदारी रही, जिसका नेतृत्व सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के तहत राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग की सचिव सुश्री मीता राजीवलोचन ने किया। उनके साथ कैबिनेट सचिवालय के अपर सचिव राहुल शर्मा, डीपीआईआईटी और नीति आयोग के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे।

बैठक के दौरान राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग की सचिव मीता राजीव लोचन ने खास सुझाव साझा किए, जिनमें डीआईवाई (डू-इट-योरसेल्फ) वीडियो गाइड्स तैयार करना, विभिन्न क्षेत्रों में आउटरीच कार्यक्रम आयोजित करना, एक प्रतिक्रियाशील कॉल सेंटर की स्थापना और समस्याओं की ट्रैकिंग के माध्यम से सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार लाना शामिल था।

दुष्कर्म मामलों में गर्भवती की प्रजनन स्वायत्तता सर्वोपरि

विधि संवाददाता, प्रयागराज

अमृत विचार : इलाहाबाद हाईकोर्ट ने दुष्कर्म के एक मामले में साढ़े 17 वर्षीय दुष्कर्म पीड़िता को 31 सप्ताह की गर्भावस्था समाप्त करने की अनुमति देते हुए स्पष्ट किया कि गर्भवती महिला की इच्छा, गरिमा और प्रजनन स्वायत्तता संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत संरक्षित मौलिक अधिकार है और ये किसी भी चिकित्सा जोखिम से ऊपर है। उक्त आदेश न्यायमूर्ति मनोज कुमार गुप्ता और न्यायमूर्ति राम मनोहर नारायण मिश्रा की खंडपीठ ने मामले पर सुनवाई करते हुए कहा कि परामर्श और जागरूकता के बावजूद जब पीड़िता और उसके माता-पिता गर्भावस्था को आगे बढ़ाने के लिए सहमत नहीं हुए, तो उनके निर्णय का सम्मान किया जाना चाहिए।

सरकार की ओर से दाखिल हलफनामे में कहा गया कि इस चरण में गर्भपात माँ और गर्भस्थ शिशु दोनों के लिए जानलेवा हो सकता है। मामले पर विचार करते हुए कोर्ट ने माना कि पीड़िता के मानसिक और शारीरिक हालातों के

साथ-साथ दुष्कर्म और सामाजिक कलंक के प्रभाव को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। ऐसा प्रतीत होता है कि यह निर्णय सामाजिक अपयश और अत्यधिक गरीबी के डर के कारण, साथ ही उस अपराध की गंभीरता के कारण लिया गया है, जिसने याची को भीतर तक तोड़ दिया है। कोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले का हवाला देते हुए कहा कि एक महिला को यह तय करने का अधिकार है कि वह गर्भावस्था जारी रखना चाहती है या नहीं। यह अधिकार उसकी निजता, गरिमा और शारीरिक स्वायत्तता से जुड़ा है। कोर्ट ने गर्भवती को वैकल्पिक रूप से बच्चे को जन्म देने और गोद देने की प्रक्रिया से भी अवगत कराने को कहा। हालांकि कोर्ट को संवैधानिक मूल्यों के अनुपालन में भारी मन से गर्भपात की अनुमति देनी पड़ी और चिकित्सकीय प्रक्रिया को सुरक्षित ढंग से संपन्न कराने का निर्देश दिया।

अनावश्यक याचिका दाखिल करने पर हाईकोर्ट ने लगाया 25 रुपए का जुर्माना

विधि संवाददाता, प्रयागराज : इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अनुकंपा नियुक्ति के लिए वर्षों पुराने दावे को बार-बार याचिका के माध्यम से प्रस्तुत कर न्यायिक प्रक्रिया का दुरुपयोग करने वाले वादी पर 25 हजार रुपए का जुर्माना लगाते हुए माना कि वादी वास्तविक याची नहीं है और उसने न्यायालय को बार-बार गुमराह करने की कोशिश की है। उक्त आदेश न्यायमूर्ति सौरभ श्याम शमशेरी की एकलपीठ ने हरिशंकर की याचिका खारिज करते हुए पारित किया। याची ने अपने पिता की 2007 में सेवाकाल के दौरान मृत्यु के बाद अनुकंपा नियुक्ति का आवेदन किया था, जिसे वर्ष 2011 में खारिज कर दिया गया। इसके बावजूद उन्होंने उस आदेश को कभी चुनौती नहीं दी और 2016 से लेकर 2023 तक अलग-अलग आदेशों को आधार बनाकर याचिकाएं दाखिल करते रहे। कोर्ट ने कहा कि याची ने दो बार जानबूझकर आवश्यक तथ्यों को छिपाया और कोर्ट को गुमराह किया। अंत में कोर्ट ने याचिका को खारिज करते हुए स्पष्ट किया कि अब इस मामले को दोबारा खोलने का कोई औचित्य नहीं है। न्यायिक प्रक्रिया का दुरुपयोग करने पर याची पर 25 हजार रुपए का जुर्माना लगाया गया जो कोर्ट की अवमानना और समय की बर्बादी के खिलाफ कठोर संदेश है।

पुलिस भर्ती में मेडिकल अस्वीकृति के बाद दोबारा जांच की अनुमति नहीं

विधि संवाददाता, प्रयागराज : इलाहाबाद हाईकोर्ट ने उत्तर प्रदेश पुलिस कांस्टेबल एवं हेड कांस्टेबल सेवा नियमावली, 2015 के तहत डिवीजनल मेडिकल बोर्ड द्वारा अपील खारिज होने के बाद दोबारा चिकित्सा परीक्षण करवाने के मामले में सुनवाई करते हुए स्पष्ट किया कि नियमावली, 2015 के तहत डिवीजनल मेडिकल बोर्ड द्वारा अपील खारिज होने के बाद दोबारा चिकित्सा परीक्षण का कोई प्रावधान नहीं है। उक्त आदेश न्यायमूर्ति मनोज कुमार गुप्ता और न्यायमूर्ति राम मनोहर नारायण मिश्रा की खंडपीठ ने मयंक चौधरी की याचिका खारिज करते हुए पारित किया।

जनप्रतिनिधियों के सुझावों को महत्व देती है सरकार: मुख्यमंत्री

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में बुधवार को सरकारी आवास पर लखनऊ मंडल के जनप्रतिनिधियों के साथ संवाद बैठक हुई। बैठक में मंडल के जिलों- लखनऊ, हरदोई, रायबरेली, उन्नाव, सीतापुर और लखीमपुर खीरी के विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व कर रहे 42 विधायकों एवं 5 विधान परिषद सदस्यों ने अपने-अपने क्षेत्रों से संबंधित प्रमुख नव प्रस्तावित परियोजनाओं जन अपेक्षाओं से मुख्यमंत्री को अवगत कराया।

इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार जनप्रतिनिधियों के सुझावों को खास महत्व देती है। जनप्रतिनिधियों का क्षेत्रीय अनुभव एवं स्थानीय धरातल की गहन समझ शासन को योजनाओं के निर्धारण और प्रभावी क्रियान्वयन में नई दृष्टि

सरकारी आवास में लखनऊ मण्डल के जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक करते मुख्यमंत्री।

प्रदान करती है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्राप्त 3,397 विकास प्रस्तावों, जिनकी अनुमानित लागत 42,891 करोड़ रु. है, पर जनप्रतिनिधियों के सुझावों को गंभीरता से लिया जाए और इन परियोजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर चरणबद्ध ढंग से पूरा कराया जाए। अधिकारियों को निर्देशित किया कि योजनाओं का भूमिपूजन एवं शिलान्यास 15 सितंबर के बाद जनप्रतिनिधियों से कराएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रत्येक जिले की अपनी एक अलग पहचान है, जिसे सशक्त करते हुए विकास की योजनाओं का समायोजन किया जाना आवश्यक है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्नाव में विकासपरक परियोजनाओं को स्वतंत्रता संग्राम की ऐतिहासिक चेतना के साथ जोड़ते हुए समेकित रूप से प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। योगी ने कहा कि नैमिषारण्य को केंद्र मानकर सीतापुर जिले की धार्मिक और आध्यात्मिक गरिमा अद्वितीय है।

सरदार बल्लभ भाई पटेल डिग्री कॉलेज
भोजीपुरा रेलवे स्टेशन से पूर्व की ओर
Contact No. 9412287776, 9412288876, 9412288878, 9457507777
निःशुल्क प्रवेश सत्र 2025-26 स्नातक प्रथम वर्ष
B.A. B.Sc. B.Com. B.Sc. (Home Science) B.B.A. B.C.A.
अन्य संचालित कोर्स
M.A. M.Sc. M.Sc. (Home Science) M.A. (Home Science) M.A. (Drawing & Painting)
D.PHARMA BTE CODE 2143 B.Ed. BTC D.El.Ed. B.EL.ED
डी.एस.आर. कॉलेज ऑफ फॉर्मेसी
BTE CODE - 2079
रिछा-जहानाबाद रोड पिपरानानकार बहेड़ी, बरेली
DSR PUBLIC SCHOOL
Approved By - CBSE BOARD (NEW DELHI)
Affiliation No : 2132019 (NC to XIIth)
Contact No. 9719807777, 9719817777, 9719827777, 9719837777, 9719847777
चेयरमैन डा. हरीशंकर गंगवार, Mob No : 9412287777

AIMA Group of Institutions
Bring Out the Best in you
ADMISSION OPEN 2025-26
COURSE OFFERED
BAMS B.Sc. Nur. B.Tech.
B.Pharma GNM M.Tech.
D. Pharma Polytechnic M.B.A.
B.B.A. B.C.A.
CALL US:
8937002800/8937002805
Campus : 13.5 Km. Bareilly-Delhi Highway,
Near Rubber Factory, Agras Road, Bareilly U.P. (243501)

SSVGI SHRI SIDDHI VINAYAK GROUP OF INSTITUTIONS
16 Years Educational Exellence
ADMISSION OPEN SESSION 2025-26
• SSVIT I B.Tech (CS • IT • ME • CE • EE • EC) | M.Tech (CS • ME)
• SSVIM I MBA • Int. MBA • BBA • BCA • B.COM • B.COM (H)
B.SC (PCM) • B.SC (ZBC) • B.SC (Home Sci. • Biotech)
• SSVP I Polytechnic (ME(A) • ME(P) • IT • EC • EE • CE)
• SSVSN I GNM • ANM
• SSVIP I D.Pharma • B.Pharma
• SSVIPS I Diploma in Optometry • Emergency & Trauma care
X-Ray Tech. • Dialysis • Physiotherapy • O.T. Tech.
Why Enroll @ SSVGI
• Career-Focused Education
• Best Placement in the Region
• High-Tech Academic Infrastracture
• Highly Experienced Faculty
20 LPA Highest CTC
4.5 LPA Average CTC
92% Placement in Past 5 Year
1200+ SSVGIians Placed in Top MNC's
2000+ Placement Offers
550+ Recruitment Partners
7599471145, 7599471144 | www.ssvgi.org
Campus: 10th Km Stone, Nainital Rd, Bareilly, U.P.
City Office: Avas Vikas Complex, Sheel Chauraha, Bareilly

न्यूज ब्रीफ

उत्तराखंड में मतगणना आज, जुलूसों पर रोक

देहरादून। राज्य में पंचायत चुनावों की मतगणना आज होगी। राज्य निर्वाचन आयोग के सचिव राहुल कुमार गोयल ने बताया कि 10,915 पदों के लिए मतगणना का कार्य सुबह आठ बजे से शुरू होगा। मतगणना कार्य में 15,024 कार्मिक जुटेंगे, जबकि सुरक्षा व्यवस्था में 8,926 जवानों की तैनाती की गई है। आयोग ने सभी जिलों को भेजे निर्देश में उम्मीदवारों के समर्थन में निकलने वाले जुलूसों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने के साथ ही कहा कि, मतगणना स्थल पर वरिष्ठ व अनुभवी अधिकारी को जोनल मजिस्ट्रेट के रूप में तैनात किया जाएगा।

नर्सिंग शिक्षकों को मिलेगी पदोन्नति

लखनऊ, अमृत विचार : प्रदेश के नर्सिंग कॉलेजों में लंबे समय से कार्यरत शिक्षकों को अनुमन्य पदोन्नति मिलेगी, इसके लिए यूपी स्टेट मेडिकल फैकल्टी ने इंडियन नर्सिंग काउंसिल के निर्देशों का हवाला देते हुए कॉलेज प्रधानाचार्य एवं प्रबन्धकों को निर्देश जारी किए हैं। स्टेट मेडिकल काउंसिल के रजिस्ट्रार डॉ. अनुराग श्रीवास्तव ने बताया कि अमूमन सभी कॉलेजों में अनुपालन हो रहा है, बावजूद तकनीकी कारणों से किसी शिक्षक को प्रमोशन नहीं मिला है, उसके लिए निर्देश जारी किए गए हैं।

दुर्घटना में दो कांवड़ियों की मौत

मंदिर से लौटते समय ट्रॉली पर चढ़ते गिरा युवक, दूसरी घटना में बाइक से टकराकर गई जान

संवाददाता, पुवायां(शाहजहांपुर)

अमृत विचार: गोला मंदिर से जलाभिषेक कर लौट रहे कांवड़िया की अपनी ही ट्रॉली की चपेट में आने से दर्दनाक मौत हो गई। वहीं मोहम्मदी रोड पर भावल खेड़ा गांव के सामने बाइक ने कांवड़िया को टक्कर मारकर घायल कर दिया। घायल की मेडिकल कॉलेज में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना रोजा थाना क्षेत्र की है।

मृतक विजय।

खुदागंज थाना क्षेत्र के गांव खेड़ा नवादा निवासी विजय कुमार(30) पुत्र यशपाल बरेली में रोहिलखंड अस्पताल में काम करता था। सोमवार की सुबह कांवड़ लेकर जाना था, जिसके लिए वह सोमवार को ही फरीदपुर से खुदागंज पहुंचा था। मंगलवार को वह फरुर्खाबाद से जल लेकर निकला और बुधवार सुबह गोला गोकर्णनाथ में जलाभिषेक किया। जिसके बाद वह अन्य कांवड़ियों के साथ ट्रॉली पर सवार हो गया। ट्रैक्टर में दो ट्रॉलियां जुड़ी थी और वह आगे वाली ट्रॉली पर बैठा था। बुधवार दोपहर पुवायां में निगोही रोड पर एसडीएम मोड़ के पास खाने पीने के लिए ट्रैक्टर रुका। कुछ देर बाद वह पानी पीकर ट्रॉली पर चढ़ने की कोशिश करने लगा तब तक ट्रैक्टर चल चुका था। अचानक उसका हाथ छूट गया और वह नीचे आ गिरा। इसी बीच पीछे जुड़ी दूसरी ट्रॉली की चपेट में आ गया और उसकी दर्दनाक मौत हो गई। पुलिस उसे अपनी गाड़ी से अस्पताल ले गई जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक के साथ उसका रिश्ते का भतीजा बंटू व साथी सूरज पाल भी मौके पर था। मृतक अपने पीछे पत्नी शिवानी समेत पुत्री दिव्यांशी व एक बेटे को रोता छोड़ गया।

पोस्टमार्टम हाउस पर मृतक के परिजन। ● अमृत विचार

चालक की लापरवाही से हुआ हादसा

कांवरियों के अनुसार एसडीएम मोड़ पर खाने पीने के लिए चालक ने ट्रैक्टर रोका था। सभी के खाने पीने दौरान ट्रैक्टर चालक ने कांवरियों के बैठने का इंतजार किए बिना ही ट्रैक्टर स्टार्ट कर दिया और लेकर चल दिया। कुछ कांवरिया नीचे रह गए थे, जो जल्दी जल्दी भागकर ट्रॉली में चढ़ने लगे और हादसा हो गया। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई।

दो ट्रॉलियों में सवार होकर निकला था 70 लोगों का जत्था : गांव के ही मनोज कुमार ने फरुखाबाद से गोला ले जाकर कांवर चढ़ाने के लिए जत्थे को तैयार किया। सोमवार की रात जत्था दो ट्रालियों में भरकर रवाना हुए। दोनों ट्रालियां एक ही ट्रैक्टर में लगी थीं। जो बुधवार को वापस लौट रही थीं। रास्ते मे हादसा हो गया।

गोवंश से टकराकर बरेली के बाइक सवार की मौत

पीलीभीत, अमृत विचार : टनकपुर हाईवे पर न्यूरिया थाना क्षेत्र में गोवंश से टकराकर बाइक सवार युवक की मौत हो गई, जबकि उसका साला गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा उस समय हुआ जब दोनों खटीमा से लौटकर पीलीभीत होते हुए बरेली जा रहे थे। पुलिस ने घायल को जिला अस्पताल में भर्ती कराया है।

टनकपुर हाईवे पर बरेली जिले के मालियों की पुलिया निवासी संजय सैनी (28) पुत्र नन्हें सैनी अपने साले अभिषेक के साथ बाइक से खटीमा से लौट रहे थे। सैदपुर गांव के पास अचानक सड़क पर छुट्टा गोवंश आ गया। बाइक गोवंश से टकरा गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि संजय की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि अभिषेक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद हाईवे पर राहगीरों की भीड़ लग गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने एंबुलेंस की मदद से घायल को जिला अस्पताल पहुंचाया। कुछ देर बाद गोवंश की भी मौत हो गई। जानकारी मिलने पर परिवार वाले भी आ गए।

देश को मिले भारतीय वन सेवा के 109 अधिकारी

मुख्य संवाददाता, देहरादून

● भारतीय वन सेवा 2023-25 पाठ्यक्रम के परिवीक्षार्थियों का हुआ दीक्षांत समारोह

अमृत विचार: इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय वन अकादमी, देहरादून में प्रशिक्षणरत 2023 बैच के भारतीय वन सेवा परिवीक्षार्थियों का दीक्षांत समारोह बुधवार को वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून में संपन्न हुआ। समारोह के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग के अध्यक्ष न्यायमूर्ति वी. रामासुब्रमण्यन ने परिवीक्षार्थियों को प्रमाणपत्र तथा पदक प्रदान किए। यह 21वीं सदी में पासआउट होने वाला सबसे बड़ा बैच है।

न्यायमूर्ति वी. रामासुब्रमण्यन ने दीक्षांत भाषण में प्रशिक्षु अधिकारियों को उनकी सफलता पर बधाई देते कहा कि, भारतीय वन सेवा में प्रशासनिक दायित्वों के साथ-साथ नैतिक एवं सांविधिक प्रतिबद्धताएं निहित हैं। उन्होंने चेताया कि आपको अपने दायित्वों और भूमिकाओं के प्रति सजग रहना चाहिए। उन्होंने इन नए अधिकारियों को सफलता के मंत्र देते हुए कहा कि वे सदैव नियमों की अनुपालना करें और कभी भी इनके प्रति उदासीन न हों। किसी भी कारण से नियमों को तोड़कर केवल कुछ समय का लाभ प्राप्त हो सकता है किंतु लंबे समय में यह पेनल्टी के रूप में सामने आता है। उन्होंने कहा कि अपने अधीनस्थ कार्मिकों और सह योगियों के प्रति गलत व्यवहार न करें। समय बदलने के साथ एक छोटा का गलत कार्य आपके करियर को प्रभावित कर सकता है। और सदैव सकारात्मक रहें और एक जैसे रहें। आपका व्यवहार आपके प्रति लोगों के नजरिये को प्रभावित करता है।

अकादमी के निदेशक डॉ. जगमोहन शर्मा ने बताया कि संस्थान पूर्व में इंडियन फॉरेस्ट कॉलेज और अब राष्ट्रीय वन अकादमी के रूप में देश की सेवा कर रहा है। स्वतंत्र भारत के समस्त भारतीय वन सेवा अधिकारियों और 14 मित्र राष्ट्रों के 367 वन अधिकारियों ने अब तक इस संस्थान से प्रशिक्षण प्राप्त किया है। वर्तमान 2023-25 प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में 109 भारतीय वन सेवा परिवीक्षार्थियों तथा भूटान के 2 विदेशी प्रशिक्षुओं सहित कुल 111 प्रशिक्षु अधिकारियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

भाजपा मंडल उपाध्यक्ष की धारदार हथियार से सिर पर वार कर हत्या

संवाददाता, विजय नगला/बिनावर (बदायूं)

अमृत विचार : भाजपा के बिनावर मंडल उपाध्यक्ष सुरेश चंद्र गुप्ता (55) की मंगलवार रात हत्या कर दी गई। पुलिस ने बताया कि मृतक जल जीवन मिशन के तहत बनी पानी की टंकी पर अपने बेटे की जगह चौकीदारी कर रहे थे। इसी दौरान किसी ने उनके सिर पर धारदार हथियार से हमला कर दिया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। बुधवार सुबह उनकी पत्नी पहुंची तो रक्तरंजित शव देखकर शोर मचाया। सूचना पर चार थानों की पुलिस मौके पर पहुंची। एसएसपी डॉ. बृजेश कुमार सिंह ने मौका मुआयना किया। खुलासे के लिए टीमों का गठन किया गया है।

सुरेश चंद्र गुप्ता।

- बेटे के बाहर होने की वजह से उसकी जगह कर रहे थे चौकीदारी
- मंगलवार आधी रात बिनावर क्षेत्र के गांव विजय नगला में हुई वारदात

बिनावर थाना क्षेत्र के गांव विजय नगला निवासी सुरेश चंद्र गुप्ता भाजपा के मंडल उपाध्यक्ष थे। बेटा राहुल जल जीवन मिशन के अंतर्गत गांव में बनी पानी की टंकी का चौकीदार है। मंगलवार को राहुल पत्नी को दवा दिलाने दिल्ली गए थे।

बेटे के ड्यूटी पर न आने की वजह से सुरेश मंगलवार रात टंकी पर चौकीदारी करने के लिए गए। बुधवार सुबह लगभग 6 बजे तक घर वापस न लौटने पर सुरेश चंद्र की पत्नी शशि बाला ने फोन किया तो उनका मोबाइल बंद मिला। वह टंकी पर पहुंची तो वहां सुरेश का शव खून से लथपथ पड़ा था। सिर पर गहरा घाव था। उनके चीखने पर ग्रामीण पहुंचे। कुछ ही समय में बिनावर, सिविल लाइन, कुंवरगंव और मूसाझाग की पुलिस पहुंची। सीओ सिटी रजनीश उपाध्याय ने फारेंसिक टीम से साक्ष्य एकत्र कराए। सीओ सिटी ने बताया कि घटना के राजफाश के लिए टीमें गठित की गई हैं।

अतिवृष्टि और भूस्खलन से केदारनाथ यात्रा बाधित

देहरादून, अमृत विचार : उत्तराखंड के पर्वतीय क्षेत्रों में लगातार हो रही भारी बारिश और भूस्खलन के कारण भगवान शिव के ग्यारहवें ज्योतिर्लिंग केदारनाथ धाम की यात्रा पिछले लगभग चौबीस घंटे से बन्द हो गई है।

धाम जाने वाले पैदल मार्ग पर गौरीकुंड से सोनप्रयाग की तरफ (करीब 1.5 किमी दूरी पर) पहाड़ी से सड़क पर बोल्डर्स, मलबा पत्थर आने से मार्ग मंगलवार शाम से पूरी तरह से आवागमन के लिए अवरुद्ध हो गया है। एसपी रुद्रप्रयाग अक्षय प्रह्लाद कोंडे ने बुधवार को बताया कि मुनकटिया और गौरीकुंड के मध्य मंगलवार सायंकाल से बाधित हुए सड़क मार्ग का करीबन 50 से 70 मीटर हिस्सा पूर्ण रूप से क्षतिग्रस्त है।

नैनीताल में दो समुदायों में तनातनी, थाने में हंगामा

मल्लीताल थाने में हंगामे के दौरान मौजूद लोग। ● अमृत विचार

नैनीताल में मौके पर लोगों को नियंत्रित करती पुलिस। ● अमृत विचार

संवाददाता, नैनीताल

- दो युवकों के बीच हुए विवाद ने तूल पकड़ा

अमृत विचार: नगर में अलग-अलग समुदाय के दो युवकों के बीच हुए विवाद ने बुधवार को तूल पकड़ लिया। मल्लीताल थाने में देर रात तक हंगामा चला तो दूसरे संप्रदाय के जिम्मेदार व्यक्ति के धमकी देने को लेकर हिंदू संगठन के लोगों ने भी हंगामा कर दिया। पुलिस ने मामले को शांत कराया। देर रात तक तनातनी का माहौल बना हुआ था।

पुलिस के अनुसार, नैनीताल निवासी अलग-अलग संप्रदाय के दो युवकों में मंगलवार शाम को किसी बात को लेकर विवाद हो गया था। बुधवार को एक युवक ने मल्लीताल थाने पहुंचकर दूसरे संप्रदाय के युवक के खिलाफ मारपीट करने की शिकायत की थी। इसी दौरान आरोपी युवक के पक्ष में एक युवती ने थाने पहुंचकर पुलिस को बताया कि उसकी कोई गलती नहीं है। इस बीच युवती के हिंदू होने की जानकारी मिलने पर हिंदूवादी संगठन के लोग भी थाने पर पहुंच गए और कार्रवाई की मांग को लेकर हंगामा करना शुरू कर दिया। उधर, सूचना मिलने पर युवती के परिजन भी हल्द्वानी से थाने पहुंच गए। परिजनों ने आरोप लगाया कि उनकी बेटी सुबह से लापता है और युवक उसे अपने साथ बहला-फुसलाकर ले गया है। पुलिस ने किसी तरह से मामला शांत कराया ही था कि आरोप है कि जब हिंदूवादी पक्ष के लोग थाने से बाहर जा रहे थे, तो दूसरे पक्ष के लोगों ने धमकी देते हुए उनके साथ अभद्रता की।मामले को लेकर तनाव की स्थिति बनी हुई है। फिलहाल युवती परिजनों के साथ जाने से इंकार कर रही है। कोतवाल हेमचंद्र पंत ने बताया कि युवकों को कोतवाली बुलाया गया था, इसी दौरान कुछ लोग युवती को भगाने का आरोप लगाते हुए थाने पहुंचे हैं, मामले को शांत कराया जा रहा है।

श्री राम मंदिर के बाद अब कल्कि धाम का निर्माण सुखद

कार्यालय संवाददाता,संभल

अमृत विचार: उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने संभल के ऐंचोड़ा कंबोह स्थित कल्कि धाम पहुंचकर विधि विधान के साथ शिलादान किया। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने दो सबसे बड़ी घटनाएं होते देखी हैं। 500 साल के संघर्ष के बाद अयोध्या में बना रामलला का भव्य मंदिर देखा तो अब संभल में श्री कल्कि धाम का निर्माण।

शिलादान अनुष्ठान में शामिल उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक व आचार्य प्रमोद कृष्णम।

उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कल्कि धाम के गर्भगृह में पूजा अर्चना के बाद कहा कि हमारी सांस्कृतिक विरासत और पुराण कहते हैं कि कलयुग में भगवान विष्णु का दसवां अवतार भगवान कल्कि के रूप में संभल में होगा। श्री कल्कि धाम का भूमि पूजन एवं शिलान्यास भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के द्वारा हुआ। कामना है कि लोकार्पण भी उन्हीं के करकमलों से हो। कल्कि धाम केवल भारत में ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया में प्रसिद्ध होगा। हमें उम्मीद है कि कल्कि धाम का निर्माण निर्विघ्न रूप से संपन्न होगा और हम दोबारा एकत्रित होंगे। पत्रकार वार्ता में डिंपल यादव पर की गई टिप्पणी को लेकर डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने कहा कि हमारे समाज में किसी भी बहन बेटी को कुछ भी कहना उचित नहीं है। क्योंकि वह हमारी बहन है और बेटी है और हर स्थिति में उनके सम्मान से हम कोई समझौता नहीं कर सकते हैं।

संयम और श्रद्धा से जाग्रत होता है सनातन: श्री कल्कि धाम में आयोजित श्री कल्कि जयंती समारोह में प्रवचन करते हुए श्री कल्कि पीठाधीश्वर आचार्य प्रमोद कृष्णम ने कहा कि संयम और श्रद्धा एक दूसरे के लिए अति आवश्यक हैं । जब संयम और श्रद्धा एक होते हैं तब सनातन जाग्रत होता है। आज इस दिव्य अवसर पर सभी श्रद्धालुओं को यह संदेश देना चाहते है कि आप सभी संयमित भी हों। श्री कल्कि धाम में श्री कल्कि जयंती पर प्रातः 9:00 बजे श्री कल्कि प्रादुर्भाव यज्ञ किया गया। रवि त्यागी, रामकिशोर त्यागी, ललिता त्यागी, सुधीर चाहल, लवकुश शर्मा, आचार्य दुष्यंत शास्त्री, खिलेंद्र सिंह समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

श्री कल्कि धाम में सुबह लगभग 10 बजे उत्तर प्रदेश सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री अनिल कुमार पहुंचे। उन्होंने श्री कल्कि धाम निर्माण के निमित्त शिलादान किया एवं विशेष पूजा अर्चना की। मंत्री अनिल कुमार ने कहा कि हम जल्द ही उत्तर प्रदेश में मंडल स्तर पर वैज्ञानिक कार्यों के लिए प्रयोगशालाएं स्थापित करने जा रहे हैं। कहा कि श्री कल्कि धाम से हमारा संबंध बहुत पुराना है। स्वर्गीय चौधरी अजित सिंह जी यहां कई बार आ चुके हैं।

विधि विधान से की पूजा, शिलादान

संभल, अमृत विचार : बुधवार दोपहर 1.45 पर उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक श्री कल्कि धाम पहुंचे। पुलिस अधीक्षक केके विश्नोई व एडीएम प्रदीप वर्मा ने बुके देकर उनका स्वागत किया। श्री कल्कि धाम सेवा समिति द्वारा उपमुख्यमंत्री के स्वागत में मंत्रोच्चार एवं शंखनाद किया गया। आचार्य प्रमोद कृष्णम एवं अन्य संतों के साथ निर्माणाधीन श्री कल्कि धाम के गर्भगृह में प्रधानमंत्री द्वारा पूजित कूर्म शिला के दर्शन किए और शिला दान अनुष्ठान में शामिल हुए। भाजपा क्षेत्रीय उपाध्यक्ष राजेश सिंघल, क्षेत्रीय महामंत्री हरिओम शर्मा, भाजपा मुरादाबाद के जिलाध्यक्ष आकाश पाल, पूर्व जिलाध्यक्ष सुरेश सैनी, खिलेंद्र सिंह, महंत दीनानाथ, महामंडलेश्वर स्वामी हरमनोजदास आदि मौजूद थे। आचार्य प्रमोद कृष्णम ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के विस्तारीकरण की मांग रखी तो उपमुख्यमंत्री ने अस्पताल का विस्तार कर बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया।

60 करोड़ की लागत से बरेली मुरादाबाद हाईवे होगा हाईटेक

रामपुर, अमृत विचार : बरेली से लेकर मुरादाबाद तक राष्ट्रीय राजमार्ग 60 करोड़ रुपयों की लागत से हाईटेक बनाया जाएगा। राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा राष्ट्रीय राजमार्ग पर उन्नत यातायात प्रबंधन प्रणाली को लागू कराने के लिए 60 करोड़ की मंजूरी दी है। हाइवे की अब सीसीटीवी से निगरानी होगी, जबकि ओवर स्पीड होने पर स्वतः ई-चालान कटेगा।

जिलाधिकारी जोगिंदर सिंह द्वारा पत्राचार और बैठकें करते हुए एनएचएआई अधिकारियों को सीसीटीवी कैमरे स्थापित करने के लिए निर्देश मिलते रहे हैं। परियोजना निदेशक एनएचएआई मुरादाबाद अरविंद कुमार ने बताया कि यातायात निगरानी कैमरा प्रणाली के अंतर्गत 136 कैमरे लगाए जाएंगे। वीडियो इंसिडेंट डिटेक्शन एंड एनफोर्समेंट सिस्टम के अंतर्गत 22 कैमरे के साथ-साथ फिक्स्ड पोर्टेबल वेरिएबल मैनेज साइन सिस्टम और वाहन सक्रिय गति प्रदर्शन प्रणाली भी प्रभावी बनेगी।

उत्तराखंड में संवरेंगे सरकारी स्कूल, मिलेगी बेहतर शिक्षा

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार : पर्वतीय राज्य उत्तराखंड में सरकारी स्कूलों का भविष्य सुनहरा होने जा रहा है। सरकारी विद्यालयों में आधुनिकीकरण एवं बेहतर शैक्षणिक वातावरण के लिए कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) फंड से होने वाले विकास के लिए शिक्षा विभाग और उद्योग जगत के बीच बुधवार को राजभवन में राज्यपाल गुरमीत सिंह और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की मौजूदगी में समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर हुए।

भविष्य के लिए तैयार स्कूलों के निर्माण (बिल्डिंग फ्यूचर रेडी स्कूल्स थ्रू सीएसआर) समारोह को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि राज्य की शिक्षा व्यवस्था को मजबूती देने और नए युग की शुरुआत हेतु यह एक निर्णायक कदम है। मुख्यमंत्री धामी द्वारा आरंभ की गई यह अभिनव योजना दूरगामी प्रभाव डालने वाली है, जो राज्य की युवा और अमृत पीढ़ी को एक समृद्ध, सक्षम और उज्ज्वल भविष्य प्रदान करेगी। उन्होंने इस बात की सराहना की कि इस पहल में पर्वतीय क्षेत्रों के विद्यालयों को प्राथमिकता दी गई है, जिससे दुर्गम इलाकों के बच्चों को भी समान अवसर प्राप्त होंगे।

मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि प्रदेश के 550 सरकारी विद्यालयों को देश के प्रतिष्ठित उद्योग समूहों और प्रवासी उत्तराखंडियों द्वारा गोद लिया जा रहा है। यह एक ऐतिहासिक निर्णय है, जो प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था को मजबूती प्रदान करेगा। इसके तहत स्कूलों में स्मार्ट क्लास रूम, पुस्तकालय, विज्ञान प्रयोगशालाएं, खेल सामग्री, स्वच्छ शौचालय, कंप्यूटर लैब जैसी आधुनिक सुविधाओं को विकसित किया जाएगा।

रोबोटिक सर्जरी से कैंसर मरीजों को मिल रही सुरक्षा

नैनीताल, अमृत विचार : भीमताल क्षेत्र स्थित एक विश्वविद्यालय में बीसीए द्वितीय वर्ष की पढ़ाई कर रही छात्रा की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। बुधवार को उसका शव कमरे में फंदे से लटका मिला।

पुलिस के अनुसार, वाशवी तोमर (18) पुत्री रामकृष्ण सिंह तोमर निवासी वेदनाथपुरम, लखनऊ बीसीए द्वितीय वर्ष की छात्रा थी और विवि के पास ही किराए पर लिए कमरा में रह रही थी। बुधवार को जब वाशवी कमरे से बाहर नहीं निकली तो आसपास की छात्राओं को शक हुआ। कई बार आवाज देने के बावजूद जब अंदर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली तो दरवाजा तोड़कर देखा गया, जहां उसका शव पंखे से लटका हुआ था।

रेल मंडल के नए डीआरएम संग्रह मौर्य ने संभाला कार्यभार

मुरादाबाद, अमृत विचार : मुरादाबाद रेल मंडल के नये मंडल रेल प्रबंधक संग्रह मौर्य ने बुधवार को अपना पदभार ग्रहण किया। निवर्तमान मंडल रेल प्रबंधक राजकुमार सिंह ने औपचारिक रूप से उन्हें कार्यभार सौंपा।

संग्रह मौर्य।

संग्रह मौर्य भारतीय रेलवे इंजीनियर्स सेवा (आईआरएसई) 1996 बैच के ग्रुप ए अधिकारी हैं। उन्होंने आईआईटी दिल्ली से स्ट्रक्चर्स में एमटेक और दिल्ली कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग से सिविल इंजीनियरिंग में बीई की डिग्री हासिल की है। मुरादाबाद मंडल का कार्यभार संभालने से पहले वे पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (निर्माण) में मुख्य अभियंता (निर्माण) मणिपुर परियोजना, मालीगांव गुवाहाटी तथा मुख्य अभियंता (निर्माण/डिज़ाइन) के रूप में कार्यरत रहे। इससे पहले वे इरकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड से जुड़े रहे, जहां उन्होंने जम्मू-कश्मीर की प्रतिष्ठित उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल लिंक (यूएसबीआरएल) परियोजना में अहम भूमिका निभाई। दिल्ली मंडल (उत्तर रेलवे) में वरिष्ठ मंडल अभियंता (तृतीय) रहे। संग्रह मौर्य ने मंडल के वरिष्ठ शाखा अधिकारियों के साथ बैठक कर मुरादाबाद रेल मंडल में चल रहे विकास कार्यों की समीक्षा की।

रोबोटिक सर्जरी से कैंसर मरीजों को मिल रही सुरक्षा

लखनऊ, अमृत विचार : अपोलोमेडिक्स हॉस्पिटल, लखनऊ में डॉक्टरों ने निप्पल-स्पेयरिंग ब्रेस्ट सर्जरी और आरआईए-एमआईएनडी (रोबोटिक इन्फ्राक्लेविकुलर अप्रोच फॉर मिनिमली इनवेसिव नेक डिसेक्शन) तकनीक से गर्दन की सफल सर्जरी की है।

सर्जिकल ऑन्कोलॉजिस्ट डॉ. सतीश के. आनंदन ने बुधवार को बताया कि लखनऊ की 60 वर्षीय महिला, जिन्हें दोनों स्तनों में कैंसर था। रोबोटिक तकनीक के जरिए हमने बगल के पास कुछ छोटे चीरे लगाकर अंदर से ही कैंसरग्रस्त ऊतक को हटा दिया और त्वचा व निपल को सुरक्षित रखा।

सुविधा इस प्लेटफॉर्म से आत्मनिर्भर बन रहे हजारों कामगार, पोर्टल पर हुई 39,857 सेवा बुकिंग

सेवामित्र पोर्टल से घर बैठे मिल रही कई सेवाएं

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : योगी सरकार में सेवायोजन विभाग द्वारा विकसित सेवामित्र पोर्टल प्रदेश में हजारों कुशल कामगारों के लिए रोजगार का सशक्त जरिया बन चुका है। इस डिजिटल प्लेटफॉर्म से जुड़कर हजारों कामगार आत्मनिर्भर बन रहे हैं, वहीं आम जनमानस को घर बैठे दैनिक घरेलू सेवाएं मिल रहीं हैं। जून 2025 तक सेवामित्र पोर्टल पर आम जनमानस द्वारा कुल 39,857 सेवा बुकिंग की जा चुकी हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर शुरू हुए सेवामित्र पोर्टल के माध्यम से उत्तर प्रदेश 'आत्मनिर्भर प्रदेश' बन रहा है। राज्य के नागरिक इस सुविधा को तेजी से अपना रहे हैं, इससे उन्हें प्लंबर, इलेक्ट्रिशियन, मैकेनिक, एसी तकनीशियन, बढ़ई, धोबी आदि जैसी दैनिक घरेलू सेवाएं घर बैठे उपलब्ध हो रहीं हैं। दूसरी तरफ कुशल कामगारों को उनके घर के नजदीक ही काम मिल रहा है, उन्हें जीविकोपार्जन के लिए दूसरे शहरों की ओर पलायन नहीं करना पड़ रहा है। साथ ही, सेवामित्र हेल्पलाइन टोल फ्री नंबर 155330 पर 38,49,028 कॉल्स रिसीव की गईं।

डिजिटल आधार से कामगारों को मिला आर्थिक लाभ

योगी सरकार का यह पोर्टल योजना केवल उपभोक्ताओं के लिए ही नहीं, बल्कि कामगारों के लिए भी आर्थिक रूप से लाभकारी सिद्ध हो रही है। वर्तमान समय में 52,349 कुशल कामगार इस पोर्टल पर पंजीकृत हैं। जो तकनीकी या व्यावसायिक प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद अपने क्षेत्र में काम करना चाहते थे। सेवामित्र योजना ने उन्हें न केवल काम दिलाया, बल्कि सम्मान और आत्मनिर्भरता भी दी।

जनता को मिल रही सुविधा

पोर्टल पूरी तरह डिजिटल और पारदर्शी है। उपभोक्ता पोर्टल या मोबाइल ऐप के जरिए अपनी ज़रूरत की सेवा बुक कर सकते हैं और उसी के अनुसार निकटतम पंजीकृत सेवा प्रदाता को कार्य आवंटित होता है। मालूम हो कि इस पोर्टल को भविष्य में और भी सेवाओं से जोड़ने के लिए हर जिले और नगर निकाय तक इसका विस्तार किया जाएगा। इससे छोटे कस्बों और ग्रामीण क्षेत्रों के लोग भी इस सुविधा का लाभ उठा सकेंगे।

अमृत विचार

बरेली , गुरुवार,31 जुलाई 2025

हाफिजगंज से पकड़ा गया तेंदुआ नजीबाबाद के जंगल में छोड़ा

वन विभाग की टीम ने तेंदुए को पकड़ने के लिए लगाए थे तीन पिंजरे , स्कूल थे बंद

खेतान फैक्ट्री के बाहर लगे पिंजड़े में कैद तेंदुआ । ● अमृत विचार

तेंदुए के पकड़े जाने की खबर के बाद ग्रामीणों की भीड़ लग गई । ● अमृत विचार

संवाददाता, बरेली/ हाफिजगंज

अमृत विचार: हाफिजगंज क्षेत्र में एक महीने से दहशत फैलाने वाला तेंदुआ मंगलवार रात वन विभाग के लगाए गए पिंजरे में फंस गया। तेंदुए का मेडिकल कराया गया और उसे स्वस्थ होने पर नजीबाबाद के जंगल में छोड़ दिया गया।

हाफिजगंज थाना क्षेत्र के फैजुल्लापुर में बंद पड़ी खेतान फैक्ट्री में एक माह पहले तेंदुए को फैक्ट्री के चौकीदार अजय पाठक ने सबसे पहले देखा था। तेंदुए ने उसकी गाय पर हमला किया था। चौकीदार ने किसी तरह छत पर चढ़कर अपनी जान बचाई थी। उन्होंने तेंदुए की वीडियो भी बनाई थी। आसपास के क्षेत्र में लगातार तेंदुआ देखे जाने बात सामने आई थी। वन विभाग की टीम ने फैक्ट्री के आसपास तेंदुए को पकड़ने के लिए तीन पिंजरे के साथ कैमरे लगाए थे, लेकिन तेंदुआ ट्रेस नहीं हो पा रहा था। वन विभाग ने फैक्ट्री के बाहर दीवार के पास लगाए गए पिंजरे में एक मुर्गी को रखा था, जिसमें मंगलवार रात तेंदुआ फंस गया। बुधवार सुबह पुलिस के साथ वन विभाग के अधिकारी भी मौके पर पहुंच गए। तेंदुए के पकड़ने की सूचना पर ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। नवाबगंज रेंजर केके मिश्रा ने बताया कि तेंदुए को रेस्क्यू करने के बाद डॉक्टरों की टीम ने उसका मेडिकल किया। जिसके बाद उसे नजीबाबाद के जंगल में छोड़ने के लिए भेज दिया गया। तेंदुआ पकड़े जाने के बाद क्षेत्र के लोगों ने राहत की सांस ली है।

मुर्गी को शिकार समझकर पिंजरे में फंसा

नवाबगंज,अमृत विचार: हाफिजगंज क्षेत्र के दर्जनों गांवों में बीते एक माह से तेंदुए की दहशत का माहौल था, जिससे ग्रामीणों में भय और वन विभाग पर नाराजगी बनी हुई थी। फैजुल्लापुर, सेंथल, लाड़पुर, सनेकपुर, हरहरपुर जैसे गांवों में लोग रात तो क्या, दिन में भी अकेले घर से निकलने से डरने लगे थे। कुछ स्कूलों को एहतियातन बंद तक करना पड़ा।

- **डर की वजह से खेतों पर नहीं जा रहे थे ग्रामीण**
- **वन विभाग करता रहा इन्कार दहशत में थे दर्जनों गांव के लोग**

तेंदुआ सबसे पहले 26 जून को बंद पड़ी फैजुल्लापुर के पास खेतान फैक्टरी परिसर में देखा गया था। वन विभाग की टीम ने फैक्ट्री परिसर में तीन पिंजरे लगाए थे, जिनमें बकरा, मुर्गी और बत्तख को बांधा गया था। विभाग के रेंजर के .के . मिश्रा ने बताया कि तेंदुए छोटे शिकार को अधिक पसंद करते हैं, यही वजह रही कि वह मुर्गी वाले पिंजरे में फंस गया ।तेंदुए को पकड़ने में लगातार विफल हो रही टीम को जब सफलता नहीं मिली, तो मेरठ से वन्यजीव विशेषज्ञ जीएस खुशालिया को बुलाया गया। उन्होंने मौके का निरीक्षण कर रणनीति तैयार की और फैक्ट्री के बाहर निकलने वाले रास्ते पर पिंजरा लगवाया। अंततः भूख से परेशान तेंदुआ शिकार के लालच में पिंजरे में घुस गया और कैद हो गया। ग्रामीणों ने राहत की सांस ली है।

प्रधानाचार्य पर अभिभावकों को हड़काने का आरोप

आंवला,अमृत विचार: आश्रम पद्धति के बालिका विधालय में मंगलवार को छात्राओं ने प्रधानाचार्य पर विभिन्न गम्भीर आरोप लगाकर धरने पर बैठ गयीं थीं। छात्राओं ने अभद्र व्यवहार करने कीडे. वाला खाना खिलाने, विरोध पर कीडे खाने से प्रोटीन मिलने की कहने समेत विभिन्न आरोप लगाए थे। समाज कल्याण अधिकारी समेत तहसील स्तर के अधिकारियों ने छात्राओं को समझाकर शांत किया था। वहीं बुधवार को छात्राओं ने प्रधानाचार्य पर उन्हे और उनके अभिभावकों को बुलाकर हड़काने का आरोप लगाया है। वहीं भय से एक छात्रा अपनी टीसी कटवाकर ले गयी।

ब्लॉक रामनगर के मनौना गांव स्थित जयप्रकाश नारायण सर्वोदय बालिका विद्यालय में मंगलवार को छात्राओं ने प्रधानाचार्य पर अभद्रता करने, खाने में कीडे निकलने और शिकायत करने पर कीड़ों में प्रोटीन होने जैसी बाते कहने समेत विभिन्न आरोप लगाए थे। बुधवार को प्रधानाचार्य ने छात्राओं के अभिभावकों को विद्यालय बुलाया और छात्राओं पर आरोप लगाकर हड़काने का प्रयास किया। एक छात्रा अपनी टीसी कटवाकर ले गयी। छात्राएं प्रधानाचार्य कै रवैये से सहमी हुई हैं। प्रधानाचार्य शिक्षा देवल ने बताया कि बुधवार को पैरेंट्स मीटिंग थी। पढ़ाई में कमजोर होने के कारण एक छात्रा अपनी टीसी कटवाकर ले गयी है। घटना से टीसी का कोई संबंध नहीं है।

पुलिस मुठभेड़ में दो लुटेरे गिरफ्तार, एक के लगी गोली

संवाददाता, बरेली/फरीदपुर

अमृत विचार : फरीदपुर थाना पुलिस ने मंगलवार देर रात मुठभेड़ के दौरान दो लुटेरों को गिरफ्तार किया है। दो बदमाश मौके से भाग गए। एक बदमाश के पैर में गोली लगी है और एक सिपाही भी घायल हुआ है। बदमाशों के कब्जे से पुलिस ने एक बाइक, दो तमंचा, दो जिंदा कारतूस बरामद की हैं। गिरफ्तार बदमाशों की पहचान सरताज और लालाराम के रूप में हुई है।

फरीदपुर थाना प्रभारी राधेश्याम ने बताया कि पुलिस को जानकारी हुई कि इनायतपुर नहर से 19 जुलाई को चोरी हुई मोटर साइकिल और बिथरी चैनपुर क्षेत्र से मोटर साइकिल लूटने वाले रहपुरा नहर के किनारे से गौसगंज हाईवे की तरफ को जाने वाले रास्ते पर खड़े हैं। पुलिस टीम ने आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ करने लगी। इसी बीच आरोपियों ने पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग कर दी। जिसमें सिपाही मेघ श्याम घायल हो गया। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी गोली चलाई, जिसमें लालाराम निवासी गांव जसौली दिवाली थाना बीसलपुर पीलीभीत के दाहिने पैर में गोली लगी। पुलिस ने उसके साथी सरताज निवासी ग्राम परेवा कुईंया भुता को मौके से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ हत्या के प्रयास की धारा में रिपोर्ट दर्ज कर ली है। सीओ फरीदपुर संदीप सिंह ने बताया कि पुलिस टीम ने दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है। घायल बदमाश लालाराम के खिलाफ 13 और सरताज पर तीन आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं।

एमआर से लूट करने वाले दो लुटेरे बिथरी में मुठभेड़ में गिरफ्तार

बिथरी चैनपुर,अमृत विचार : बरेली के बेनीपुर सादात क्षेत्र में एमआर से लूट करने वाले दो बदमाशों को पुलिस ने मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। एक बदमाश पुलिस की जवाबी कार्रवाई में पैर में गोली लगने से घायल हो गया, वहीं एक सिपाही सचिन कुमार भी फायरिंग में घायल हुआ। दोनों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बुधवार रात वाहन चेकिंग के दौरान बदमाशों ने फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस ने जवाबी फायरिंग में एक बदमाश को घायल कर दोनों को दबोच लिया। पुलिस ने बदमाशों के पास से बाइक और अन्य सामान भी बरामद किया है। पूछताछ मे पकडे गए दोनों बदमाशों ने अपना नाम गुड्डू उर्फ ताहिर निवासी ग्राम परेवा कुइयां थाना भुता व बाबू निवासी दाबीखेड़ा थाना नबाबगंज बरेली बताया। लुटेरों ने बताया कि उन्होंने सरताज पुत्र शहीद अहमद निवासी परेवा कुइयां व लालाराम निवासी जसौली दिबाली थाना बीसलपुर के साथ मिलकर 24 जून को बेनीपुर सादात के पास नहर रोड पर एक व्यक्ति से मोटरसाइकिल, एक फोन,एक टैबलेट व 4 हजार रुपये लूटे थे।

ग्लेन कैंसर सेन्टर एण्ड मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल

डा. रितु भुटानी
कैंसर रोग विशेषज्ञ
Ex. TATA MEMORIAL HOSPITAL, MUMBAI
Ex. RAJEEV GANDHI CANCER INSTITUTE, DELHI

कैंसर लाइलाज नहीं है
A PLACE OF HELP, HOPE AND UNDERSTANDING

24 घण्टे आई.सी.यू./ इमरजेंसी सुविधा उपलब्ध
02, शक्ति नगर, निकट रुहेलखण्ड यूनिवर्सिटी पीलीभीत बाईपास रोड, बरेली
Contact Us:-
9311198889
9045599027
Email: bhutaniritu@gmail.com
Website: www.gleancancercentre.com

ससुरालियों ने गर्भवती को पीटा

संवाददाता, नवाबगंज

अमृत विचार : नगर से सटी यासीन नगर बस्ती निवासी एक विवाहिता का आरोप है कि वह सात माह की गर्भवती है तथा उसके ससुराल वाले दहेज में बाइक की मांग को लेकर उसे मोटी - मोटी कहकर आए दिन प्रताडित करते थे और बुधवार दोपहर को इन लोगो ने उसकी पिटाई की और धक्के देकर घर से बाहर निकाल दिया। आरोप है कि इन लोगो ने बचाने आए उसके मां - बाप को भी नही बख्शा । पिटाई की इस घटना का वीडियो वायरल हो रहा है। विवाहिता ने सास , ससुर, पति, ननद व तीन अज्ञात के विरुद्ध पुलिस को तहरीर देकर कार्यवाही की मांग की है ।

बीच सड़क पर फिल्मी स्टाइल में मारपीट, वीडियो वायरलः आंवला : आंवला रामनगर रोड के एक स्कूल के समीप बीच सड़क पर कुछ लड़कों ने एक लड़के को लात घूंसों और बैल्टों से बेरहमी से पीटा।

लड़का बचने के लिए सड़क पर दौड़ने लगा परंतु लड़के उसे पकड़कर सड़क पर गिराकर पीटने लगे। इसी बीच किसी ने वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दी। वजीरगंज के गांव पेपल निवासी पुष्पेंद्र ने बताया कि उसका चचेरा भाई अनुरुद्ध रामनगर रोड के एक स्कूल में पढ़ता है। तीन दिन पूर्व दोपहर करीब दो बजे वह चचेरे भाई को लेने के लिए अपने भाई यश के साथ स्कूल आया था। इसी दौरान मनौना गांव के कुछ लडके बाइक से आये और गालियां देने लगे। विरोध करने पर उक्त लोगों ने उसे और उसके भाई को मारा पीटा।

मारपीट में सात पर मुकदमा दर्ज

मीरगंज, अमृत विचार : नंदगांव निवासी छोटे लाल मंगलवार रात ओमप्रकाश के घर से दूध लेकर लौट रहे थे। रास्ते में गांव के कुछ लोगों ने उनको नाली व कीचड़ में गिराकर लाठी डंडों से बेरहमी से पीटा। सूचना पर उनका पुत्र राजीव पहुंच गया। पिता को बचाने आये राजीव को भी आरोपियों ने पीट दिया। पुलिस ने आरोपी वेदप्रकाश, विकास व विशाल निवासी नंदगांव के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया। रसूलपुर के रामौतार का आरोप है गांव के देवीदास एवं महेंद्र बुधवार की सुबह सात बजे चकरोड बंद कर हे थे। विरोध करने पर गाली गलौच कर मारपीट करने पर आमदा हो गए पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया। तीसरी घटना गांव सैंजना की है। सैंजना निवासी मैनाज से मंगलवार को शब्दर हुसैन व अफसर हुसैन ने गाली गलौच कर लात घूसों से मारपीट की। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया। चौथी घटना गांव मनकरा में हुई। समूह की बात को लेकर कुछ लोगों ने गाली गलौच कर विनीता को लाठी डंडों से मारपीट की। पुलिस ने मारपीट के मामलों में मुकदमा दर्ज कर लिया।

बजरंग दल ने तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा

बहेड़ी, अमृत विचार: बजरंग दल ने जनसंख्या नियंत्रण कानून बनाने की मांग की है। उन्होंने इस मांग को एक ज्ञापन तहसीलदार को सौंपा है।

ज्ञापन में कहा है देश में जनसंख्या नियंत्रण कानून बनाने की जरूरत है। अल्पसंख्यक कहलाने वाला मुस्लिम समाज बढ़कर 15 प्रतिशत होने पर ही हिंदुओं पर हमला करता है। मुस्लिम समुदाय की बढ़ती संख्या हिंदुओं के लिए बड़ा खतरा बन गई है। कोई व्यक्ति एक या एक से अधिक पत्नियों से दो से ज्यादा बच्चे पैदा करता है तो उस दंपती को आजीवन कारावास जैसे कठोर दंड का प्रावधान किया जाए। इस मौके पर शानू गंगवार, अरविंद दिवाकर अंकुश, देवदत्त, अर्पित गंगवार, सागर सक्सेना, सोनू शर्मा, विक्की, हर्षित, विशाल, महेश, मोहित गंगवार, संतोष गंगवार, हिमांशु, गिरीश व प्रशांत आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे ।

प्रेमी से शादी को रची चोरी की झूठी कहानी

संवाददाता, फतेहगंज पश्चिमी

थाना प्रभारी से मिले युवती के पिता।

घर में मिले गहने और रुपये।

अमृत विचार : फतेहगंज पश्चिमी थाना क्षेत्र के ग्राम फरीदपुरा रामचरन में प्रेम प्रसंग के चलते एक युवती ने अपने ही घर में चोरी की झूठी कहानी गढ़ दी। उसने प्रेमी के साथ शादी करने और खर्च जुटाने के लिए घर में रखे जेवरात और रुपये चुरा लिए और बाद में परिजनों को चोरों के घर में घुसने की झूठी सूचना देकर पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई।

यह घटना 28 जुलाई को राकेश कुमार पुत्र गंगाराम द्वारा दर्ज कराई गई थी। राकेश ने बताया था कि उनके घर से एक जोड़ी पायल, एक जोड़ी कुंडल, एक अंगूठी और 10,000 चोरी हो गए हैं। पुलिस ने जब मामले की छानबीन शुरू की तो घटनास्थल का निरीक्षण संदिग्ध लगा और जांच में नया मोड़ आया।

थाना प्रभारी सुरेन्द्र पाल सिंह ने बताया कि विवेचना के दौरान राकेश की पुत्री ने स्वीकार किया कि

- **फरीदापुर रामचरन में हुई चोरी का पुलिस ने किया पर्दाफाश**

उसका गांव के ही एक युवक से प्रेम संबंध था, दोनों हाईस्कूल तक साथ पढ़े थे और फोन पर बातचीत करते थे। युवती ने अपने माता-पिता को बताया कि वह प्रेमी के साथ भागकर शादी करना चाहती थी। शादी और खर्चे के लिए उसने मां के जेवर और 10,000 प्लास्टिक के कट्टे में छिपा दिए और घर में झूठी चोरी की सूचना फैला दी।

मंगलवार को पिता राकेश कुमार ने थाने में लिखित प्रार्थना पत्र देकर बताया कि चोरी जैसी कोई घटना नहीं हुई। उनकी पुत्री ने ही रुपये और जेवर घर में छिपा दिए थे, जो अब मिल गए हैं। उन्होंने पुलिस को गहने और नगद रुपये सौंप दिए और मुकदमे को निरस्त करने का अनुरोध किया। पुलिस अब झूठी तहरीर देने गुमराह करने के मामले की कानूनी प्रक्रिया पर विचार कर रही है।

Lifelines MEDICAL OF BAREILLY
अमृत विचार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

FOCUS नेत्रालय
RAJENDRA NAGAR, BAREILLY 731-098-7005

"ARTIFICIAL INTELLIGENCE" ASSISTED EYE SURGERIES

DR. KANUPRIYA AGARWAL
Fellow- Shroff Eye Hospital, New Delhi
Ex. Safdarjung Hospital, New Delhi
ALL MAJOR INSURANCE ACCEPTED
AYUSHMAN / ECHS / CGHS / TPA EMPANELLED

ADITYA आदित्य आई एण्ड लेजर सेन्टर
उपलब्ध सुविधायें
बिना सुई बिना टांका आधुनिक लैंस प्रत्यारोपण की सुविधा
अल्ट्रासाउण्ड द्वारा पर्दे की जांच की सुविधा उपलब्ध
IOL Master 700 द्वारा लेंस का नम्बर
लेजर द्वारा आँख की झिल्ली हटाने की सुविधा उपलब्ध
बी-स्कैन द्वारा पर्दे की जाँच उपलब्ध
OCT द्वारा काला पानी एवं पर्दे की जाँच व उपचार
8077344353
समय :- प्रातः 10 बजे से सायं 7 बजे तक (सोमवार से शनिवार)
आयुष्मान कार्ड धारकों के लिए फ्री ऑपरेशन की सुविधा
80000 से अधिक आँखों के ऑपरेशन का अनुभव
TPA सुविधा उपलब्ध

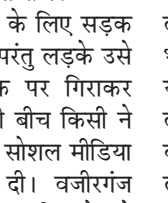

डॉ. आदित्य त्यागी
MBBS, DOMS, DNB, MNAMS
CARARACT, REFRACTIVE & GLAUCOMA SURGEON
ट्यूलिप ग्रांड के सामने, पीलीभीत बाईपास, बरेली

डॉ. दर्शन मेहरा
एम.बी.बी.एस., एम.डी. (मेडिसिन)
Cardiopulmonologist, Diabetologist & Intensivist
आयुष्मान एवं TPA कैशलेस सुविधा उपलब्ध
डायबिटीज, थायराइड, डेंगू, मलेरिया, टी.बी., पेट रोग, गठिया, फेफड़ों के रोग, तेज बुखार, एलर्जी, जटिल रोगों का उचित इलाज
दर्पिन हॉस्पिटल
संजय नगर रोड, पीलीभीत बाईपास, बरेली
हैल्प लाइन – 8979252222, 9457663289

कावड़ लेने कछला रवाना हुए कांवड़िये

भदपुरा,अमृत विचार: विकासखंड के गांव ज्योत जागीर से 50 शिव भक्तों का जत्था कावड़ लेने बुधवार को कछला के लिए रवाना हुए। कछला से जल भरकर शिव भक्त गांव के शिवमंदिर पर सोमवार को जलाभिषेक करेंगे। वार्ड नंबर 3 से जिलापंचायत सदस्य प्रत्याशी छवि राम ने श्रद्धालुओं को अंग वस्त्र एवं फूल माला पहनाकर उन्हें रवाना किया ।

महिला ने फंदे पर लटक कर दे दी जान

संवाददाता, फतेहगंज पश्चिमी

अमृत विचार : गांव कुरतरा में गृह कलह के चलते 30 वर्षीय महिला ने फंदे पर लटक कर आत्महत्या कर ली। ससुर ढाकन लाल की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। मायके वालों ने हत्या का आरोप लगाते हुए तहरीर दी है।

सीओ नीलेश मिश्रा और थाना प्रभारी निरीक्षक सुरेंद्र पाल सिंह ने भी घटना का मौका मुआयना किया है।

गांव कुरतरा निवासी सूरज पाल की शादी करीब पांच वर्ष पहले थाना भोजीपुरा के गांव वीरपुर निवासी मोरपाल गंगवार की बेटी बेबी से हुई थी।

ससुर ढाकन लाल ने बताया मंगलवार को सुबह सूरज पाल और वह रोज की तरह मजदूरी करने चले गए। घर पर बेबी अकेले थी। सास, नन्द दूसरे मकान में थी। पति से किसी बात पर नाराजगी के चलते बेबी ने रस्सी का फंदा लगाकर खपरैल के गेट की दीवार से झूलकर आत्महत्या कर ली। सूचना पर खेत से वह घर पहुंचे तब बेबी के शव को नीचे उतारा गया। दिन भर शोक के बाद ढाकन लाल के द्वारा शाम को पुलिस को दी गई सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। शाम को बेटी बेबी के ससुराल पहुंचे पिता मोरपाल गंगवार ने पुलिस को गला दबाकर हत्या करने की तहरीर दी है। जिस पर पुलिस जांच कर रही है।

गर्ल्स एनसीसी प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ

रिठौरा, अमृत विचा: राजश्री इंस्ट्रीयूट ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी में चल रहे 8वीं गर्ल्स बटालियन एनसीसी के 10 दिवसीय वार्षिक प्रशिक्षण शिविर का निरीक्षण एनसीसी ग्रुप कमांडर ब्रिगेडियर संदीप वर्मा, चेयरमैन राजेन्द्र कुमार अग्रवाल एमडी रोहन बंसल ने किया । इस मौके पर कैंप कमांडेंट कर्नल समीर सिंह बिष्ट और डिप्टी कैंप कमांडेंट लेफ्टिनेंट कर्नल नीलिमा गौड़ द्वारा औपचारिक स्वागत किया और गार्ड ऑफ ऑनर प्रदान किया गया।

लेखपालों से छिना सर्वे का कार्य

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार: पहली बार खरीफ सीजन में डिजिटल क्रॉप सर्वे का कार्य प्राइवेट सर्वेयरों से कराया जाएगा। यह कार्य लेखपालों से छीन लिया गया है। बुधवार को इसका शासनादेश भी जारी कर दिया गया। प्राइवेट सर्वेयर को 350 रुपये की दर से भुगतान किया जाएगा। एग्री स्टैक योजना में सर्वे का कार्य मोबाइल एप के माध्यम से किया जाएगा।

कृषि विभाग प्राइवेट सर्वेयर का चयन जिले में जिलाधिकारी के माध्यम से कराएगा। सर्वेयर के कार्य का सत्यापन नायब तहसीलदार के अतिरिक्त कृषि विभाग के वरिष्ठ तकनीकी सहायक वर्ग ए एवं अवर अभियंता से भी कराया जा सकता है। सर्वेयर के रूप में पंचायती राज विभाग के पंचायत सहायक, ग्राम्य विकास विभाग के ग्राम रोजगार सेवक, कृषि विभाग के तकनीकी सहायक वर्ग सी, खंड तकनीकी प्रबंधक (बीटीएम), सहायक तकनीकी प्रबंधक (एटीएम) आदि का चयन किया जा सकता है।

- **खरीफ सीजन में डिजिटल क्रॉप सर्वे का कार्य प्राइवेट सर्वेयर से कराने की तैयारी**
- **शासनादेश के आधार पर जिलाधिकारी सर्वेयर को चयनित करेंगे**

आवश्यकतानुसार गन्ना एवं उद्यान विभाग के समकक्ष क्षेत्रीय कार्मिकों का भी चयन कर सकते हैं। प्रत्येक सर्वेयर के लिए सर्वे करने की अधिकतम संख्या 1100 निर्धारित की गई है। क्राप सर्वे के कार्य इससे लेखपालों के काम का बोझ हल्का हो सकेगा। सर्वेक्षण को सुपरवाइज करने के लिए अधिकतम 20 सर्वेयर्स का एक ग्रुप बनाया जाएगा, प्रत्येक ग्रुप के लिए एक सुपरवाइजर होगा। सुपरवाइजर का कार्य राजस्व विभाग के राजस्व निरीक्षक के अतिरिक्त कृषि विभाग के वरिष्ठ तकनीकी सहायक वर्ग बी से भी कराया जा सकता है। मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह की ओर से जारी शासनादेश जिलाधिकारी, मंडलायुक्त को भेजा गया है।

अमृत विचार क्लासीफाइड

सूचना

मेरी हाईस्कूल की मार्कशीट वर्ष 2012 जिसका अनुक्रमांक 1098844 व इण्टरमीडिएट की मार्कशीट वर्ष 2014 जिसका अनुक्रमांक 0844245 एवं बी. कॉम स्नातक की मार्कशीट वर्ष 2019 जिसका अनुक्रमांक 2322080034 है। वास्तव में कहीं खो गयी है। काफी तलाशने के बाद अभी तक नहीं मिली। **अनूप सिंह पुत्र श्री विनोद कुमार मो. डालचन्द, पीलीभीत**

सूचना

मैंने अपने पुत्र पंकज गंगवार के गलत संगत में पड़ जाने की वजह से संबन्ध विच्छेद करते हुए अपनी समस्त चल अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया है अब वह अपने कृत्य के लिए खुद जिम्मेदार होगा। **नेतराम पुत्र छेदालाल ग्राम लावाखेड़ा तालिब हुसैन नवाबगंज बरेली**

सूचना

सर्व जनमानस को सूचित किया जाता है कि थाना जलालाबाद परिसर में स्थित कंडम पुराना ऑफिस व आरक्षी आवास पश्चिम दिशा व आरक्षी आवास उत्तर दिशा व उपनिरीक्षक आवास दक्षिण दिशा की नीलामी दिनांक 31.07.2025 को समय 11:00 बजे थाना जलालाबाद पर होगी। इच्छुक बोली दाता नीलामी में भाग ले सकते हैं।- **प्रभारी निरीक्षक कोतवाली जलालाबाद, शाहजहांपुर**

आवश्यकता है
श्री बालाजी पब्लिक जूनियर हाई स्कूल
में गणित, विज्ञान, अंग्रेजी, व संस्कृत के अध्यापकों की
रजऊ परसपुर फरीदपुर बरेली
संपर्क सूत्र-8171861909, 9627198880, 9411698840

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

सिटी ब्रीफ

एक दर्जन लोगों पर बिजली चोरी की रिपोर्ट

भुता, अमृत विचार : विद्युत विभाग की टीम ने ग्राम मिर्जा लाडपुर में अचानक छापा मार कर अवैध रूप से कटिया डालकर बिजली चोरी करते हुए रंगे हाथों लगभग दो दर्जन लोगों को पकड़ा। पकड़े गए सभी के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कराया है।

ट्राली ट्रांसफार्मर रखने से रास्ता बंद

बरेली, अमृत विचार : किला क्षेत्र में चुन्ना मियां के मंदिर को जाने वाली सड़क का रास्ता बंद हो गया है। बिजली विभाग ने ट्रांसफार्मर फुंकने के बाद बीच सड़क पर ट्राली ट्रांसफार्मर लगा दिया है। इससे कार तो दूर बाइक निकलने में भी दिक्कत हो रही है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि शिकायत करने के बाद भी विभाग की तरफ से ट्राली ट्रांसफार्मर को नहीं हटाया जा रहा है। किला सबस्टेशन के मोहल्ला मिर्धान गंदा नाला के पास चार दिन पहले ट्रांसफार्मर खराब हो गया था। इसके बाद विभाग की तरफ से गली में ट्राली ट्रांसफार्मर लगा दिया गया। मोहल्ले के रहने वाले प्रणव गुप्ता ने बताया कि ट्राली ट्रांसफार्मर लगाने से पूरी सड़क ही बंद कर दी गई है। पूरा रास्ता ब्लॉक होने से नीम कीच ढ़ाई से चुन्ना मियां मंदिर को जाने वाला रास्ता बंद हो गया है। जिससे लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। आवागमन में परेशानी हो रही है।

सगाई के बाद शादी से किया इन्कार, रिपोर्ट

आंवला, अमृत विचार : एक लडकी के पिता ने सगाई होने के बाद लड़की के चरित्र पर उंगली उठाकर उसे बदनाम करने का आरोप लगाया है और लडका और उसके भाई के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। थानाक्षेत्र के एक गांव निवासी व्यक्ति ने बताया कि बेटी की शादी फैंसी कालौनी वजीरगंज बदायूं निवासी सुमित शर्मा के साथ तय की थी। बीती 28 मई को आंवला कस्बे में इंगेजमेंट कार्यक्रम हुआ था। इंगेजमेंट के बाद लडके के भाई अमित शर्मा ने फोन कर मकान ठीक कराने की बात बताकर 5 लाख रुपये की मांग की। बीती 17 जून को वह उनके घर 5 लाख रुपये पहुंचाकर आया था। उन्होंने आरोप लगाया कि लडका पक्ष उनकी बेटी के चरित्र पर गलत आरोप लगा रहा है।

ड्रोन चोर समझकर विक्षिप्त को पीटने वालों पर रिपोर्ट

फतेहगंज पश्चिमी के गांव रूकमपुर में पेड़ से बांधकर पीटा था

संवाददाता, फतेहगंज पश्चिमी,

अमृत विचार : थाना क्षेत्र के गांव रूकमपुर माधोपुर में मंदबुद्धि व मानसिक विक्षिप्त व्यक्ति को ड्रोन चोर होने के शक में पेड़ से बांधकर मारपीट करने में पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है।

पुलिस को जांच में व्यक्ति नाम प्रदीप कुमार पुत्र वासुदेव निवासी कुमईया माफी थाना खुटार जिला शाहजहांपुर बताया है। मारपीट के सम्बन्ध में पूछने पर गांव के लोगों द्वारा बांधकर मारपीट करना बता रहा है।

जांच में प्रदीप कुमार उपरोक्त मंदबुद्धि व मानसिक विक्षिप्त व्यक्ति है जिसे ग्राम रुकमपुर माधोपुर के उदयपाल सिहं द्वारा अपने साथियों के साथ पेड़ से बांधकर पीटा गया है। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर भी वायरल है। उपनिरीक्षक मांगेराम द्वारा उदयपाल सिंह आदि के विरूद्ध मुकदमा दर्ज कर सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो से अन्य की पहचान कर कार्यवाही की जा रही है। पुलिस ने ड्रोन चोर समझकर कई लोगों की पिटाई की है। इससे बेकसूर भी चपेट में आ रहे हैं। पुलिस अब सख्त हुई है।

अफवाह फैला कर फायरिंग करने वाले गिरफ्तार

फरीदपुर, अमृत विचार : गांव में ड्रोन दिखाई देने की अफवाह फैलाकर लाइसेंसी रिवाल्वर से हवाई फायरिंग करने वाले को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। फरीदपुर थाना क्षेत्र के ग्राम जेड़ में कई दिनों से ड्रोन उड़ने की अफवाह फैला कर गांव का निवासी मंसूर अहमद अपने लाइसेंसी रिवाल्वर से फायर कर रहा था। गांव वालों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने गांव में जाकर मामले की पड़ताल की और फायरिंग की घटना में संलिप्त मंसूर अहमद पुत्र तसब्बर खां को उसके लाइसेंसी रिवॉल्वर के साथ हिरासत में लेकर कोतवाली ले आई है। रिवाल्वर को लाइसेंस निरस्त करने की कार्यवाहीकीजा रही है।

जेई को नोटिस जारी कर बयान दर्ज करेगी पुलिस

बरेली, अमृत विचार : लोक निर्माण विभाग के एक्सईएन शशांक भार्गव की पत्नी कविता सिंह ने विभाग के ही जेई देवदत्त पचौरी पर गंभीर आरोप लगाते हुए कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई है। अब पुलिस जेई को नोटिस जारी कर बयान दर्ज करेगी।

कविता सिंह का आरोप है कि वह पीडब्ल्यूडी कैंपस स्थित आवास में रहती हैं। 25 जुलाई की शाम करीब 6:30 बजे जब वह घर लौटीं, तो उन्होंने देखा कि कुछ लोग उनके घर के बाहर खड़े हैं। उनमें से एक व्यक्ति मोबाइल से उनका वीडियो बनाने लगा और उनके ड्राइवर को कार का शीशा नीचे करने को कहा। वह किसी तरह घर में पहुंची, लेकिन पीछे से उन्हें जातिसूचक गालियां दी गईं। उसके बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। अब कविता सिंह ने इस मामले में सख्त रुख अपनाया है।

डिवाइडर पर चढ़ने के बाद ट्रक में लगी आग

चौपुला पुल की ओर से आ रहा तेज रफ्तार ट्रक गन्ना मिल के पास डिवाइडर में जा घुसा। ट्रक के तीन पहिए अलग हो गए और आग लग गई। तुरंत मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की गाड़ियों ने आग पर काबू पाया। अगर मौके पर आग नहीं बुझाई जाती तो पड़ोस में खड़े ट्रक और अन्य वाहन भी चपेट में आ सकते थे। ड्राइवर मौके से फरार हो गया। थाना सुभाष नगर पुलिस ने ट्रक को कब्जे में ले लिया है।

जितना हो सके जरूरतमंदों की मदद करें

बरेली, अमृत विचार: इमाम हुसैन की याद में शिया समुदाय में अजादारी और मजलिस का दौर जारी है। बुधवार को शहर के इमामबाड़ा फतेह अली शाह और काला इमामबाड़ा पर मजलिस का आयोजन हुआ। महिलाओं की मजलिस को फरहत जैदी व शाइस्ता जैदी ने खिताब किया। नवाबगंज से आईं जाकीरा शाबिस्ता जैदी ने मजलिस को खिताब करते हुए कहा कि बच्चों को दीनी तालीम के साथ दुनियावी तालीम दें।

हकीम आगा साहब गढ़ैया में महिलाओं की एक मजलिस अफजाल हैदर बिल्लू की ओर से हुई। मीडिया प्रभारी शानू काजमी ने बताया कि रात की कदीमी मजलिस इमामबाड़ा वसी हैदर गढ़ैया में हुई। मौलाना इफ्तिखार अली फराज वास्ती सेंथली ने कहा कि अपने किरदारों को पाक और साफ रखना चाहिए।

सांसद ने आंवला क्षेत्र में केंद्रीय विद्यालय की मांग की

बरेली, अमृत विचार: आंवला लोकसभा क्षेत्र से सपा सांसद नीरज मौर्य ने लोकसभा सत्र के दौरान बुधवार को उत्तर प्रदेश में बंद हो रहे पांच हजार स्कूलों का मुद्दा उठाया। उन्होंने आंवला लोकसभा में केंद्रीय विद्यालय और नवोदय विद्यालय खोलने की मांग जोरशोर से उठाई।

संसद में बोलते नीरज मौर्य।

सांसद नीरज मौर्य ने कहा कि बाबा साहब ने कहा था कि शिक्षा शेरनी का दूध है जो पियेगा, वह दहाड़ेगा लेकिन बहुत अफसोस के साथ कहना पड़ रहा है, उत्तर प्रदेश के अंदर सरकारी स्कूलों की दुर्दशा है और इन्हें बंद किया जा रहा है। उत्तर प्रदेश में जब अखिलेश यादव की सरकार थी, तब छात्रों को लैपटॉप दिए जा रहे थे और आज मधुशालाएं दी जा रही हैं।

उनके लोकसभा क्षेत्र आंवला में ग्रामीण क्षेत्रों में पढ़ाई के लिए बच्चों के लिए अच्छे स्कूल नहीं हैं, बच्चों को अच्छी शिक्षा कैसे मिले, इसकी कोई व्यवस्था नहीं है और दूसरी तरफ एक नारा दिया जा रहा है कि सब पढ़े सब बढ़ें। इसी लोकसभा में राइट टू एजुकेशन पास किया, इसी लोकसभा में शिक्षा का अधिकार सबको दिया, लेकिन आज शिक्षा का अधिकार छीना जा रहा है, इसलिए सरकार से मांग की कि सरकार स्कूलों को बंद न करें, बल्कि आंवला क्षेत्र में सरकारी केंद्रीय विद्यालय या नवोदय विद्यालय की स्थापना करें, जिससे कि सबको शिक्षा का अधिकार मिले सके।

टैक्स वसूली में लापरवाही पर मांगा स्पष्टीकरण

लंबित मामलों की जानकारी लेते सीटीओ।

बरेली, अमृत विचार: हाउस टैक्स की कम वसूली पर नगर निगम अब कुर्की की प्रक्रिया शुरू करने की तैयारी कर रहा है। विभाग की ओर से शिविर लगाकर अधिक से अधिक वसूली की जा रही है। हाउस टैक्स विभाग की ओर से बुधवार को जोन-2 में आयोजित शिविर में 52 भवन स्वामियों ने 2.61 लाख रुपये संपत्ति कर के रूप में जमा किए। शिविर में अचानक पहुंचे मुख्य कर निर्धारण अधिकारी पीके द्विवेदी ने लंबित आवेदनों की समीक्षा की। इस दौरान कई मामलों में अनावश्यक रोके जाने पर उन्होंने कर अधीक्षक से स्पष्टीकरण मांगा।

ममता की छांव में जल्द पढ़ेंगे विशेष बच्चे

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- **अधीक्षक समेत 16 पदों को आउटसोर्सिंग से भरने के लिए शासनादेश जारी**
- **करीब 10 करोड़ की लागत से बदायूं रोड पर बना है राजकीय मानसिक मंदित विद्यालय**

अमृत विचार: विशेष बच्चे जल्द ''ममता'' की छांव में पढ़ेंगे। बदायूं रोड पर पटेल विहार कालोनी में करीब 10 करोड़ की लागत से बनाए गए राजकीय मानसिक मंदित बालक-बालिका विद्यालय को संचालित करने की तैयारी शासन स्तर से शुरू हो गई है। सौ बच्चों को पढ़ाने के लिए छात्रावास सहित स्कूल संचालित करने के लिए अधीक्षक सहित अन्य पदों को आउटसोर्सिंग से भरने को शासनादेश जारी हुआ है।

दरअसल, 17 दिसंबर 2020 को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बरेली दौरे पर ममता राजकीय मानसिक मंदित बालिका विद्यालय सहित तीन परियोजनाओं का शिलान्यास किया था। यहां पर 100-100 बच्चों को रखने की व्यवस्था की गई। डॉक्टर, शिक्षक और कर्मचारियों के रहने के लिए आवास भी बनाए गए हैं। बदायूं रोड पर पटेल बिहार में तीन प्रोजेक्टों का निर्माण किया गया है। मानसिक मंदित आश्रय गृह सह प्रशिक्षण केंद्र (आवासीय), स्पर्श राजकीय दृष्टि बाधित आवासीय विद्यालय और ममता राजकीय मानसिक मंदित विद्यालय का निर्माण उप्र राज्य निर्माण सहकारी संघ लिमिटेड ने किया है। विशेष सचिव दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग के अमरनाथ उपाध्याय की ओर से जारी शासनादेश में बरेली, गोरखपुर, बांदा एवं मेरठ स्थित ममता राजकीय मानसिक मंदित बालक-बालिका विद्यालयों में पदों का सृजन करते हुए स्वीकृति दी गई है। अधीक्षक, प्रशिक्षित अवर स्नातक अध्यापक, छात्रावास वार्डन, वरिष्ठ सहायक, कनिष्ठ सहायक पदों को नियमित वेतनमान से भरा जाना है। इसके साथ ही आक्यूप्रेशनल थेरेपिस्ट, स्पीच थेरेपिस्ट, क्लीनिकल सॉयक्लॉजिस्ट, फिजियोथेरेपिस्ट, छात्रावास परिचर, केयरटेकर, चपरासी, रसोइया, कहार व स्वीपर, चौकीदार के पदों को आउटसोर्सिंग से भरा जाना है। जेम पोर्टल से कर्मचारियों की नियुक्ति हो सकेगी।

सरकार ने विशेष बच्चों की शिक्षा के लिए हर संभव इंतजाम कर दिये हैं। नई योजनाओं की घोषणा के बाद मैनपावर की तरफ ध्यान नहीं होता है लेकिन अब मैन पावर का भी इंतजाम है।

अमृत विचार

बरेली, गुरुवार, 31 जुलाई 2025

सिटी ब्रीफ

नाबालिग लड़की से दुष्कर्म के दोषी को 20 साल की कैद

मेरठ,एजेंसी : मेरठ की एक विशेष अदालत ने एक नाबालिग लड़की से सामूहिक दुष्कर्म के सात साल पुराने मामले में एक अभियुक्त को दोषी करार देते हुए उसे 20 वर्ष के कठोर कारावास और 50 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है। अभियोजन पक्ष के मुताबिक, 2017 में भावनपुर थाना क्षेत्र के छिलौरा गांव निवासी यूनुस की शिकायत पर उसकी 16 वर्षीय पुत्री से सामूहिक दुष्कर्म के आरोप में भूरे, आरिफ और सलमान के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया गया था। पुलिस ने जांच के बाद इस मामले में विशेष पॉक्सो (यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम) अदालत में आरोप पत्र दाखिल किया था।

अब्बास की याचिका पर फैसला सुरक्षित

प्रयागराज अमृत विचार : इलाहाबाद हाईकोर्ट ने हेट स्पीच मामले में अब्बास अंसारी द्वारा दाखिल याचिका पर बुधवार को फैसला सुरक्षित कर लिया, याचिका में उन्होंने मऊ की एमपी-एमएलए अदालत द्वारा दी गई दो साल की सजा पर रोक लगाने की मांग की थी। बता दें कि अब्बास अंसारी को 31 मई 2025 को एमपी-एमएलए कोर्ट, मऊ ने 2022 के विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान प्रशासन को धमकी देने के आरोप में दोषी करार देते हुए दो साल कैद और 2000 रुपए जुर्माने की सजा सुनाई थी। अंसारी के खिलाफ पुलिस थाना कोतवाली, मऊ में आईपीसी की विभिन्न धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज की गई थी।

काशी हिंदू विवि के प्रोफेसर पर हमला

वाराणसी,एजेंसी : काशी हिन्दू विश्वविद्यालय परिसर में तेलुगू विभाग के अध्यक्ष को मोटरसाइकिल सवार दो अज्ञात बदमाशों ने हमला करके घायल कर दिया। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि इस मामले में दो अज्ञात लोगों के खिलाफ हत्या के प्रयास के आरोप में मुकदमा दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है।

इस घटना के विरोध में विश्वविद्यालय के प्रोफेसर मंगलवार को धरने पर बैठ गए। बाद में विश्वविद्यालय प्रशासन के 48 घंटे के अंदर कार्रवाई के आश्वासन पर देर शाम धरना समाप्त हुआ। लंका थाना प्रभारी राजकुमार शर्मा ने बताया कि काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के तेलुगू विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर सी. एस. रामचंद्र मूर्ति सोमवार की शाम जब मोटरसाइकिल से अपने घर जा रहे थे तभी उन पर हमला हुआ।

आस्था

प्रयागराज में बुधवार को पवित्र श्रावण मास के दौरान कलश यात्रा में भाग लेती महिलाएं। ● एजेंसी

अमरोहा में अंतर्राज्यीय टप्पेबाजी गिरोह पकड़ा

कार्यालय संवाददाता अमरोहा

● पुलिस ने महिला सहित तीन आरोपियों को किया गिरफ्तार

अमृत विचार: टप्पेबाजी कर चोरी करने वाले अंतर्राज्यीय गिरोह का पुलिस ने भंडाफोड़ करते हुए महिला समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी किए हुए 6 लाख रुपये की कीमत के 6 तोले सोना, तीन मोबाइल फोन व घटना में प्रयुक्त की जाने वाली गाड़ी बरामद की है। आरोपियों ने जयपुर राजस्थान बुलंदशहर सहित कई जगहों पर व्यापारियों की दुकानों पर टप्पेबाजी की थी।

बुधवार को एसपी अमित कुमार आनंद ने पुलिस सभागार में गिरोह का खुलासा किया। एसपी अमित कुमार आनंद ने बताया कि 17 जून को दो अज्ञात महिलाओं ने बातों में उलझा कर गजरौला में अग्रवाल ज्वेलर्स से सोने की चार चूड़ी चोरी कर ली थीं। इसके बाद दुकान के संचालक सचिन अग्रवाल ने थाना गजरौला पर मुकदमा पंजीकृत कराया था। घटना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी थी। जांच के दौरान एसओजी व सर्विलांस टीम की मदद से पुलिस ने करीब 450 सीसीटीवी कैमरा की मदद से चोरी करने वाले अज्ञात महिलाओं एवं उनके साथियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया। मंगलवार की रात पुलिस गजरौला हसनपुर रोड पर चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान दीन नर्सरी एंड फार्म के पास घेराबंदी करते हुए पुलिस ने एक कार को पकड़ा जिसमें तीन आरोपी फुरकान पुत्र हारून, शाहरुख पुत्र फिरोज व आसमां उर्फ भूरी पत्नी फुरकान निवासी मेरठ को गिरफ्तार कर लिया। इनके कब्जे से पुलिस ने करीब 6 लाख रुपए की कीमत का 6 तोले सोना, तीन मोबाइल फोन व घटना में प्रयुक्त कार बरामद की है। एसपी अमित कुमार आनंद ने बताया कि गजरौला में सचिन अग्रवाल की दुकान से आसमा उर्फ भूरी के साथ इसकी सहेली रुखसाना पत्नी सलीम ने मिलकर कर सोने की चूड़ी चुरा ली थी व मौके से फरार हो गए थे।

रेंजर को ग्रामीणों ने बनाया बंधक

सिंगाही , अमृत विचार: दुधवा टाइगर रिजर्व के जंगलों से खोदकर लाए गए धरती का फूल की बिक्री होने की सूचना पर गांव पचपेड़ा रिछैया पचपेड़ा पहुंची बेलरायां नार्थ वन रेंजर और उनकी टीम को ग्रामीणों के विरोध का सामना करना पड़ा। ग्रामीणों ने रेंजर और उनकी टीम को बंधक बना लिया। इस दौरान हाथापाई भी हुई। मौके पर पहुंचे ग्राम प्रधान ने किसी तरह से ग्रामीणों को समझा बुझाकर मामला शांत किया। वन विभाग ने 12 से अधिक लोगों के खिलाफ वन्य जीव जंतु अधिनियम के तहत केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

दुधवा टाइगर रिजर्व के जंगलों से अवैध तरीके से धंधे से जुड़े लोग धरती का फूल खोदकर उसे पांच सौ रुपये से लेकर आठ सौ रुपये प्रति किलो की दर से बिक्री कर रहे हैं। बफरजोन की बेलरायां वन क्षेत्रीय वनाधिकारी भूपेंद्र सिंह मुखबिर की सूचना पर वन कर्मियों व एसटीपीएफ की संयुक्त टीम के साथ सिंगाही थाना क्षेत्र के गांव पचपेड़ा रिछैया पहुंचे।

हाईवे पर घूम रहे थे कार सवार डीजल चोर, लोगों ने धुना

खुद को घिरता देख दौड़ाई कार तो नाले की रेलिंग से टकराए

संवाददाता, बरखेड़ा (पीलीभीत)

अमृत विचार: बरखेड़ा क्षेत्र में कार में सवार होकर वाहनों से डीजल चोरी करने वाले चोर घूमते रहे और पुलिस को भनक तक नहीं लगी। कुछ ग्रामीणों ने संदेह होने पर घेरा और भागते वक्त कार सवार चोर नाले की रेलिंग से टकरा गए। इसके बाद कार सवार दो युवकों को भीड़ ने पकड़कर पिटाई लगाकर पुलिस के सुपुर्द कर दिया। बाद में पुलिस ने एक अन्य साथी को भी धर दबोचा।

घटना मंगलवार रात करीब 11 बजे के आसपास की है। पिछले कई दिनों से ड्रोन उड़ने और चोरों की दस्तक को लेकर ग्रामीण खुद जागकर निगरानी में जुटे हुए थे। इस दौरान एक कार में सवार लोगों को संदेह होने पर ग्राम नकटा मुरादाबाद गांव के पास ग्रामीणों ने घेर लिया।

पुलिस की गिरफ्त में पकड़े गए आरोपी।

कार सवार लगातार पीलीभीत-बीसलपुर मार्ग पर चक्कर लगा रहे थे, जिससे ग्रामीणों को उन पर शक हो गया था। इसी बीच खुद को घिरता देख कार सवार युवकों ने वाहन को तेजी से दौड़ाया और फिर कार अनियंत्रित होकर नाले की रेलिंग से टकराकर सड़क किनारे पलट गई। बताते हैं कि इस दौरान युवकों को भीड़ ने मौके पर ही पकड़ लिया, जबकि उनके अन्य साथी अंधेरे का फायदा उठाकर भाग गए। एक आरोपी को चोटें भी आई। आरोपियों की कार से प्लास्टिक की केन, पाइप आदि भी बरामद हुआ था। इसे भी पुलिस के सुपुर्द कर दिया था। पुलिस ने बाद में एक अन्य साथी को भी गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस की ओर से किए गए खुलासे के अनुसार, एक मुकदमे की विवेचना के दौरान प्रकाश में आए तीन आरोपियों बरखेड़ा कस्बा निवासी भारत उर्फ निहाल, जहानाबाद थाना क्षेत्र के ग्राम नांद पसियापुर निवासी नीलेश और बीसलपुर कोतवाली क्षेत्र के ग्राम रढ़ैता निवासी मुनेश कुमार की गिरफ्तारी 30 जुलाई की सुबह 5.10 बजे की गई।

पॉवर कॉरपोरेशन के जेई पर हमला, रिपोर्ट

पीलीभीत,अमृत विचार : बिजली बिल वसूलने ग्राम गुलड़िया दुल्हन पहुंचे पावर कॉरपोरेशन के जेई और उनकी टीम पर कुछ लोगों ने हमला कर दिया। आरोप है कि 15 लोगों की भीड़ ने मारपीट कर जेई का गला दबाकर जान लेने की कोशिश की। वसूली करने पर जान से मारने की धमकी दी गई। जेई की तहरीर पर न्यूरिया थाने में रिपोर्ट दर्ज की गई है।

थाना सुनगढ़ी क्षेत्र के भिखारीपुर विद्युत उपकेंद्र के अवर अभियंता ओमप्रकाश ने थाना न्यूरिया पुलिस को तहरीर देकर बताया कि 19 जुलाई को वह टीम के साथ थाना न्यूरिया क्षेत्र के ग्राम गुलड़िया दुल्हन में बकाया बिल को लेकर भ्रमण कर रहे थे। बिल चेक करते हुए रजा बख्श पुत्र नबी बख्श, फुरकान पुत्र फैजुद्दीन एवं मोहम्मद माजिद पुत्र नबी बख्श 15 लोगों के साथ उनके पास आए। आरोपियों ने उनके साथ अभद्र व्यवहार करना शुरू कर दिया। उनके साथ मौजूद स्टाफ ने बचाने का प्रयास किया तो उनके साथ मारपीट शुरू कर दी।

बांके बिहारी मंदिर ट्रस्ट अध्यादेश पर सरकार से जवाब-तलब

विधि संवाददाता,प्रयागराज

● राज्य सरकार को धर्म के मामलों में हस्तक्षेप करने की अनुमति नहीं दी जा सकती : हाईकोर्ट

अमृत विचार: इलाहाबाद हाईकोर्ट ने श्री बांके बिहारी जी मंदिर ट्रस्ट अध्यादेश, 2025 को लेकर मंगलवार को राज्य सरकार की कड़ी मौखिक आलोचना करते हुए कहा कि राज्य सरकार को धर्म के मामलों में हस्तक्षेप करने की अनुमति नहीं दी जा सकती।

यह अध्यादेश मथुरा, वृंदावन स्थित ऐतिहासिक श्री बांके बिहारी मंदिर के प्रबंधन के लिए एक वैधानिक ट्रस्ट गठित करने से संबंधित है। सरकार का कोई धर्म नहीं होता। फिर आप धर्म के अंदर क्यों जा रहे हैं? आप मंदिर के प्रशासन की योजना बना सकते हैं, लेकिन आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप नहीं कर सकते हैं। उक्त टिप्पणी न्यायमूर्ति रोहित रंजन अग्रवाल की एकलपीठ ने की।

कोर्ट ने यह भी सवाल उठाया कि राज्य सरकार तिरुपति और वैष्णो देवी जैसे मंदिरों का प्रबंधन तो करती है, लेकिन किसी मस्जिद या चर्च के प्रबंधन के लिए आगे क्यों नहीं आती। कोर्ट ने सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि धार्मिक मामलों में राज्य की यह भूमिका संविधान के अनुरूप नहीं है।

कोर्ट ने मंदिर के वर्तमान गोस्वामी प्रबंधन पर भी तीखा रुख अपनाते हुए कहा कि वे केवल पैसे के पीछे हैं, उन्होंने मंदिर की पवित्रता नष्ट कर दी है। उन्हें हिंदू धर्म की सही समझ नहीं है। कोर्ट ने यह भी रेखांकित किया कि मंदिर में चढ़ाए गए धन का सदुपयोग नहीं हो रहा और देवता तक वह धन नहीं पहुंच रहा है। इस 'लूट' को रोकने की आवश्यकता है। जब गोस्वामी पक्ष ने कोर्ट से राज्य के हस्तक्षेप पर रोक लगाने की अपील की, तो कोर्ट ने स्पष्ट कर दिया कि आपका (गोस्वामी पक्ष का) प्रवेश भी सीमित किया जाएगा।

कोर्ट ने यह भी माना कि प्रदेश सरकार ने पिछली सुनवाई में न्यायालय द्वारा पूछे गए विशिष्ट सवालों का उत्तर अब तक नहीं दिया है। अतः कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई आगामी 6 अगस्त को सुनिश्चित कर दी है।

गौरतलब है कि प्रस्तावित अध्यादेश के तहत मंदिर का प्रबंधन श्री बांके बिहारी जी मंदिर न्यास के हाथ में होगा, जिसमें 11 सदस्यीय ट्रस्ट का गठन किया जाएगा। इसमें अधिकतम 7 पदेन सदस्य हो सकते हैं और सभी ट्रस्टी सनातन धर्म के अनुयायी होंगे। यह मामला न्यायालय द्वारा नियुक्त न्यायमित्र की उस रिपोर्ट के बाद उठा है, जिसमें राज्य सरकार द्वारा इस अध्यादेश को लाने की संवैधानिक वैधता पर गंभीर सवाल उठाए गए थे।

पिंजड़े में कैद हुआ तेंदुआ

धौरहरा ,अमृत विचार : बेलुआ गांव में तेंदुआ खुद को किसी वीआईपी से कम नहीं समझ रहा था। पूर्व विधायक के आवास के पास वह रोजाना शाम को पहुंचकर चहलकदमी कर रहा था। जैसे मानों उसकी अपनी जागीर हो। आखिरकार शुक्रवार की सुबह उसका सफर पिंजड़े में कैद होकर थम गया। वन विभाग ने उसे जंगल में जाकर छोड़ दिया है।

ड्रोन की अफवाहें फैलाने को रोशनी वाले कबूतरों का इस्तेमाल करने वाले गिरोह का भंडाफोड़

मुजफ्फरनगर, एजेंसी: जिले में ड्रोन देखे जाने की झूठी अफवाह फैलाने के लिए लाल और हरी बत्ती लगे कबूतरों का कथित तौर पर इस्तेमाल करने के लिए बुधवार को दो लोगों को गिरफ्तार किया गया। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी।

पुलिस के अनुसार, हाल के दिनों में ड्रोन देखे जाने की खबरों के कारण पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कई गांवों में दहशत फैल गई थी और कई निवासी डर की वजह से रात में पहरा दे रहे थे। पुलिस ने बताया कि ग्रामीणों से रात के समय आकाश में रोशनी वाली वस्तुओं के उड़ने के बारे में मिली शिकायतों की जांच के बाद शोएब और साकिब नाम के दो लोगों को गिरफ्तार किया गया।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) संजय कुमार ने बताया कि जांच के दौरान, पुलिस ने आरोपियों के पास से दो कबूतर, एक पिंजरा और लाल व हरी एलईडी लाइटें बरामद कीं।

17 नगर निगम क्षेत्र में सूडा जल्द शुरू करेगा अन्नपूर्णा रसोई

लखनऊ, अमृत विचार : राज्य नगरीय विकास अभिकरण (सूडा) शहरी क्षेत्रों में अन्नपूर्णा रसोई खोलकर 10 रुपये में गरीबों को पौष्टिक भोजन खिलाएगा। मुख्यमंत्री की यह महत्वाकांक्षी योजना पहले चरण में प्रदेश के 17 नगर निगम क्षेत्रों में संचालित की जाएगी। जल्द ही इसकी शुरुआत की जाएगी।

सूडा शहर में एक सामुदायिक किचन बनाएगा। वहां रोटी, दाल, चावल और सब्जी बल्क में तैयार होगी। इसके बाद यह खाना शहर में वाहनों द्वारा निर्धारित केंद्रों पर बेचा जाएगा। केंद्र गरीब बस्ती, बस स्टैंड, लेबर अड्डा जैसे स्थानों पर बनेंगे। सूडा ने खाने का दाम व मेन्यू तय करके पूरी कार्ययोजना बना ली है और जल्द ही इसे शुरू करने वाला है।

ड्यूटी पर निकली महिला सिपाही की हत्या खेत में मिला शव

कार्यालय संवाददाता, बाराबंकी

अमृत विचार : तीन दिन पूर्व सुबेहा थाने से महादेवा मेला की ड्यूटी के लिए निकली महिला सिपाही की हत्या कर शव खेत में फेंक दिया गया। क्षत-विक्षत अवस्था में शव बुधवार को मसौली थाना क्षेत्र में हाईवे पर बिंदौरा कस्बे के पास खेत में मिला।

आईजी अयोध्या, एसपी आदि ने मौके पर पड़ताल की। पुलिस को महिला के साथी सिपाही पर हत्या का शक है। महिला सिपाही का बुधवार देर शाम अंतिम संस्कार कर दिया गया। सुलतानपुर निवासी महिला सिपाही की बाराबंकी के सुबेहा थाना में तैनाती थी। 2017 बैच की सिपाही की ड्यूटी रामनगर में लोधेश्वर महादेव मंदिर में लगाई गई थी। महिला सिपाही गत 27 जुलाई को ड्यूटी के लिए स्कूटी से निकली लेकिन मंदिर नहीं पहुंची। तीन दिन बाद मसौली थाना क्षेत्र के कस्बा बिंदौरा में एक खेत में उसका शव मिला। शव के पास ही हरदोई में तैनात सिपाही इंद्रेश मौर्य की स्कूटी भी खड़ी मिली। अयोध्या रेंज के आईजी प्रवीण कुमार और एसपी अर्पित विजयवर्गीय भी मौके पर पहुंचे। आईजी ने बताया कि प्रारंभिक जांच में आया है कि महिला आरक्षी के सिपाही इंद्रेश मौर्य से करीबी संबंध थे। 2024 में महिला आरक्षी ने इंद्रेश पर दुराचार का मुकदमा दर्ज कराया था, बाद में दोनों ने कोर्ट मैरिज कर ली। इंद्रेश 27 जुलाई से छुट्टी पर है।

मुख्य सचिव मनोज सिंह को सेवा विस्तार की संभावना का आज अंतिम दिन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

● वरिष्ठ आईएएस एसपी गोयल व देवेश चतुर्वेदी मुख्य सचिव बनने की रेस में आगे

अमृत विचार : उत्तर प्रदेश की नौकरशाही में मुख्य सचिव की कुर्सी पर मनोज कुमार सिंह को ही आगे मौका मिलने वाला है या कोई अन्य वरिष्ठ आईएएस अधिकारी को कमान मिलेगी? इस गोपनीयता से पर्दा गुरुवार को उठ जाएगा। दरअसल, वर्तमान मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह का कार्यकाल 31 जुलाई को समाप्त हो रहा है।

इससे पहले राज्य सरकार ने उनके एक साल के सेवा विस्तार के लिए केंद्र सरकार को पत्र भेजा था, लेकिन अब तक केंद्र से कोई जवाब नहीं मिला है। ऐसे में सेवा विस्तार की संभावना को अब चंद घंटे और शेष हैं। मुख्य सचिव मनोज सिंह को सेवा विस्तार नहीं मिलता, तो नए मुख्य सचिव के लिए तीन वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों के नाम चर्चा में हैं।

इनमें 1989 बैच के एसपी गोयल, जो वर्तमान में मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव हैं, सबसे आगे माने जा रहे हैं। इसके अलावा, 1989 बैच के देवेश चतुर्वेदी और 1990 बैच के दीपक कुमार भी दौड़ में शामिल हैं। गोयल को मुख्यमंत्री का भरोसेमंद होने के साथ काबिल अफसर माना जाता है, जबकि चतुर्वेदी केंद्र में सचिव के पद पर हैं।

सरकार के लिए कौन होगा उपयुक्त

वैसे, उत्तर प्रदेश की नौकरशाही में नियुक्तियों को लेकर हमेशा से समीकरणों का खेल देखने को मिलता है। वरिष्ठता के साथ-साथ सरकार के साथ तालमेल, प्रशासनिक अनुभव और अन्य राजनीतिक कारणों की भी इन नियुक्तियों में खास भूमिका होती है। अब देखना यह होगा कि भविष्य में सरकार के वन ट्रिलियन डॉलर की इकोनॉमी के प्राथमिकता को मजबूत आधार देने में इनमें से कौन अफसर बेहतर प्रदर्शन कर सकेगा।

कार्यालय नगर पंचायत उसावां (बदायूँ)

संख्या-69/न.पं.उसां./2025-26 दिनांक : 24.7.25

ई-निविदा आमंत्रण सूचना

समस्त पंजीकृत ठेकेदारों/फर्मों को सूचित किया जाता है कि कान्हा गौशाला एवं बेसहारा पशु आश्रय योजना के अन्तर्गत प्राप्त स्वीकृति कान्हा गौशाला निर्माण कार्य की निविदाएं ई-टेण्डर वेबसाइट www.etender.up.nic.in पर दि. 25.7.2025 को समय 11 बजे से दि. 31.7.25 को समय 5 बजे तक उपलब्ध रहेगी जोकि कार्यालय समय में दि. 1.8.25 को प्रातः 11 बजे सक्षम समिति के द्वारा खोली जायेगी। E-Tender Technical and Financial Bid से सम्बन्धित समस्त शर्तो व विवरण की जानकारी ई-टेण्डर वेबसाइट www.etender.up.nic.in पर की देखी जा सकती है।

(देवेन्द्र प्रताप गौतम) अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत, उसावां (बदायूँ)

(प्रियंका सिंह) अध्यक्ष नगर पंचायत, उसावां (बदायूँ)

कार्यालय नगर पंचायत उसावां (बदायूँ)

संख्या-70/न.पं.उसां./2025-26 दिनांक : 24.07.25

ई-निविदा आमंत्रण सूचना

समस्त पंजीकृत ठेकेदारों/फर्मों को सूचित किया जाता है कि 15वां वित्त आयोग वित्तीय वर्ष 2024-25 निर्दिष्ट अनुदान की प्रथम व द्वितीय किश्त के अन्तर्गत इण्डियामार्का-2 हैण्डपम्पों की अधिष्ठापन/रिबोर कार्य हेतु प्राप्त धनराशि से कार्य कराने हेतु E-Tender Technical and Financial bid के माध्यम से दि. 25.07.2025 को समय 11 बजे से दि. 31.07.2025 तक सायं 5 बजे तक निविदायें आमंत्रित की जाती है। E-Tender से प्राप्त निविदायें E-Tender Technical and Financial bid दि. 01.08.2025 से खोली जायेगी। E-Tender Technical and Financial bid से सम्बन्धित समस्त शर्तो व विवरण की जानकारी ई-टेण्डर वेबसाइट www.etender.up.nic.in पर की देखी जा सकती है।

(देवेन्द्र प्रताप गौतम) अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत, उसावां (बदायूँ)

(प्रियंका सिंह) अध्यक्ष नगर पंचायत, उसावां (बदायूँ)

प्राथमिक विद्यालय सिठौरा, नगर क्षेत्र, बरेली

पत्रांकः- एस.एस.ए./160-सी/2024-25 दिनांकः- 30.07.2025

नीलामी सूचना

कार्यालय जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी बरेली के पत्रांक- एस.एस.सी. निर्माण/2886-94/2024-25 दिनांक 26.09.2024 के अनुपालन में प्रा.वि. सिठौरा नगर क्षेत्र, बरेली के जर्जर कमरों की नीलामी 02 अगस्त, 05 अगस्त, 08 अगस्त 2025 को प्रातः 10 बजे प्रा.वि. सिठौरा के प्रांगण में की जायेगी। नीलामी की शेष शर्ते व विषय विद्यालय से किसी भी कार्य दिवस में प्राप्त की जा सकती है। नीलामी के समय बोलीदाता को जमा धनराशि के साथ अपना मूल आधार लाना अनिवार्य है। नीलामी स्वीकृत होने पर 25% की धनराशि तुरन्त जमा करनी होगी। शेष धनराशि तीन दिन के अन्दर विद्यालय के SMC खाते में जमा करनी होगी।

आमिर हुसैन (सचिव) प्रीति मौर्य (अध्यक्ष)

विद्यालय प्रबन्ध समिति, प्रा.वि. सिठौरा, नगर क्षेत्र, बरेली

प्राथमिक विद्यालय बेनीपुर चौधरी, नगर क्षेत्र, बरेली

पत्रांकः- एस.एस.ए./160-सी/2024-25 दिनांकः- 30.07.2025

नीलामी सूचना

कार्यालय जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी बरेली के पत्रांक- एस.एस.सी. निर्माण/2886-94/2024-25 दिनांक 26.09.2024 के अनुपालन में प्रा.वि. बेनीपुर चौधरी नगर क्षेत्र, बरेली के जर्जर कमरों की नीलामी 04 अगस्त, 07 अगस्त, 11 अगस्त 2025 को प्रातः 10 बजे प्रा.वि. बेनीपुर चौधरी के प्रांगण में की जायेगी। नीलामी की शेष शर्ते व विषय विद्यालय से किसी भी कार्य दिवस में प्राप्त की जा सकती है। नीलामी के समय बोलीदाता को जमा धनराशि के साथ अपना मूल आधार लाना अनिवार्य है। नीलामी स्वीकृत होने पर 25% की धनराशि तुरन्त जमा करनी होगी। शेष धनराशि तीन दिन के अन्दर विद्यालय के SMC खाते में जमा करनी होगी।

आमिर हुसैन (सचिव) गीता देवी (अध्यक्ष)

विद्यालय प्रबन्ध समिति, प्रा.वि. बेनीपुर चौधरी, नगर क्षेत्र, बरेली

पूर्वोत्तर रेलवे

ई-आक्शन सूचना

संख्याः सी/536/पार्किंग/ई-ऑक्शन/प्रकाशन, दिनांक 29-07-2025

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबन्धक/इज्जतनगर द्वारा आई.आर.ई.पी.एस. (IREPS) पर पंजीकृत संस्थाओं से ई-ऑक्शन के माध्यम से पार्किंग एवं पे एण्ड यूज ठेको हेतु बोलिया आमंत्रित की जा रही है। ऑक्शन कैटलॉग को आई.आर.ई.पी.एस. (IREPS) की वेबसाइट ***www.ireps.gov.in*** पर प्रकाशित किया जा चुका है।इज्जतनगर मंडल की आगामी ई-ऑक्शन का विवरण निम्नवत हैः-

श्रेणीः पे एण्ड यूज शौचालय, **कैटलॉग संः** IZN-PNU-2025-07, **एसेट विवरणः** टनकपुर, उझानी एवं पीलीभीत स्टेशनों के पे एण्ड यूज ठेकों का ई-ऑक्शन। **ऑक्शन प्रारम्भः** 11-08-2025, 10:00:00, **ऑक्शन समापनः** 11-08-2025, 11:50:00, **श्रेणीः** पार्किंग, **कैटलॉग संः** IZN-PARK-25-08, **एसेट विवरणः** बरेली सिटी- 4व्हीलर, कमालगंज, पीलीभीत, खटीमा, बीसलपुर, बाजपुर, बदायूं मेण्डू, सिकन्द्राराव, शाही, भोजीपुरा, गुरसहायगंज, रूद्रपुर सिटी, निगोही एवं उझानी स्टेशनों के पार्किंग ठेकों का ई-ऑक्शन। **ऑक्शन प्रारम्भः** 11-08-2025, 11:00:00, **ऑक्शन समापनः** 11-08-2025, 13:50:00

नोटः (1) बोलीदाताओं को सलाह दी जाती है कि ई-ऑक्शन से संबंधित अधिक जानकारी के लिये वेबसाइट **www.ireps.gov.in** देखें। **(2)** उक्त ई-ऑक्शन आई.आर.ई.पी.एस. (IREPS) के ई-ऑक्शन लीजिंग मॉड्यूल के माध्यम से आमंत्रित किया गया है। **(3)** ई-ऑक्शन संबंधित समस्त जानकारी जैसे पात्रता, कार्य का दायरा, ठेके की अवधि, नियम व शर्ते आदि आई.आर.ई.पी.एस.(IREPS) की वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। **(4)** बोलीदाता उक्त दिये गये दिनांक एवं समय के अनुसार ही ई-ऑक्शन में भाग ले सकते हैं। **(5)** सभी संभावी बोलीदाताओं से अनुरोध है कि उक्त ई-ऑक्शन से संबंधित किसी भी शुद्धिपत्र हेतु नियमित रूप से वेबसाइट **www.ireps.gov.in** का अवलोकन करते रहें।

सहायक वाणिज्य प्रबन्धक, मुजाधि/वाणिज्य-97 इज्जतनगर

गाड़ियों की छतों व पावदान पर कदापि यात्रा न करें।

कार्यालय नगर निगम, शाहजहाँपुर

पत्रांकः- 639/पी.आर.ओ./ज.क.वि./न0नि0शाह0/2025-26 दिनांकः- 30/07/2025

अति अल्पकालीन ई-निविदा सूचना

राज्य वित्त आयोग अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2025-26 में 01 नग वाटर कूलर व 01 नग सबमर्सिबल अधिष्ठापन कार्य की दरो के निर्धारण हेतु अनुभवी एवं पंजीकृत/अपंजीकृत फर्म/ठेकेदारों से दिनांक 08.08.25 की अपरान्ह 03.00 बजे तक तृतीय वार ई-निविदा आमंत्रित की जाती है, जो तद दिनांक 08.08.2025 की अपरान्ह 04:00 बजे खोली जायेंगी। ई-निविदा प्रणाली की समस्त कार्यवाही वेवसाइट www.etender.up.nic पद पर की जायेगी। कार्यो की निविदा शुल्क नगर निमग, शाहजहाँपुर के बैंक खाता सं0- 50200017927485, IFSC Code HDFC0000869, एच.डी.एफ.सी. बैंक, शाहजहाँपुर में तथा कार्य की जमानत धनराशि नगर निगम के बैंक खाता सं0-50265293184 IFSC कोड-IDIB000C632 इंडियन बैंक, गोविन्दगंज, शाहजहाँपुर में जमा कराने उपरान्त मूल प्रति ई-निविदा के साथ अपलोड करनी होगी। 01 अथवा समस्त निविदाओं को निरस्त करने का अधिकार सक्षम अधिकारी में निहित होगा।

नगर आयुक्त

किसान सहकारी चीनी मिल्स लि0, सेमीखेड़ा, बरेली

ई-निविदा सूचना

इस चीनी मिल में सत्र 2025-26 हेतु अभियांत्रिक विभाग में निम्नलिखित कार्यपूर्ति हेतु नीचे दर्शायी गये कार्यों की ई-निविदा आमंत्रित की जाती हैं।

1. 01 नग नया केन अनलोडर हेतु ब्रिज एसेसरीज की आपूर्ति करना।
2. पेराई सत्र 2025-26 प्रारम्भ होने से पूर्व प्लांट क्षमता 2750 टी0सी0डी0 में स्थापित मिल नं0 4 हेतु मिल ड्राइव मय 450 किलोवाट ए0सी0 मोटर वी0एफ0डी0 पैनल सहित, प्लेटनरी गियर बॉक्स तथा रोपलेस कपलिंग मय एसेसीरीज की आपूर्ति, इरेक्शन एवं कमीशिनिंग का कार्य मय कम्पलीट ऑटोमेशन के साथ करना।
3. मिल समिति में स्थापित 60 टन क्षमता के पैन की पुरानी कलेन्ड्रिया को ट्यूब सहित डिस्मेंटल करना तथा नयी कलेन्ड्रिया मय वाटम शॉशर के आपूर्ति करना, फिटिंग करने के उपरांत नयी एस0एस0 ट्यूबों को डालना, हाइड्रोलिक टेस्टिंग करना तथा लीक प्रूफ ट्रायल देना।
4. थर्मेक्स मेक 30 टन क्षमता के ब्यायलर हेतु रिट्रेक्टेबल टाइप शूट ब्लोअर मशीन की आपूर्ति करना मय लेंसर ट्यूब कनेक्शन एवं फिटिंग आदि सहित।
5. आई0डी0 फैन की मोटर 250 एच0पी0 हेतु वी0एफ0डी0 पैनल तथा एफ0डी0 फैन की मोटर 75 एच0पी0 हेतु वी0एफ0डी0 पैनल एवं 02 नग टी0आर0पी0एफ0 हेतु 100 एच0पी0 की मोटर तथा इसके लिये 02 नग वी0एफ0डी0 पैनल ड्राइव की आपूर्ति करना।
6. स्प्रे पॉण्ड की ब्रांच पाइपिंग एवं हैडर का मॉडीफिकेशन हेतु एस0एस0 पाइप, हैडर एवं पी0वी0सी0 क्लस्टर की आपूर्ति करना।
7. मिल टी0आर0पी0एफ0 हेतु 01 नग नयी 100 एच0पी0, 1440 आर0पी0एम0 एस0-1 ड्यूटी इंडक्शन मोटर की आपूर्ति करना।

उपरोक्त कार्य हेतु इच्छुक/पंजीकृत एवं अनुभवी निविदादाताओं से ई-निविदायें दिनांक 29.07.2025 से 05.08.2025 तक निर्धारित सारणी/समय-समय पर आमंत्रित की जायेगी जिसकी विस्तृत जानकारी वेबसाइट http://etender.up.nic.in तथा www.upsugarfed.org से डाउनलोड की जा सकती है।

प्रधान प्रबन्धक

वर्ल्ड ब्रीफ

कर्नल हमला: 4 पुलिस वालों पर होगी कार्रवाई

पटियाला। पंजाब के पटियाला में एक कर्नल और उनके बेटे के साथ मारपीट मामले में विभागीय जांच में चार निरीक्षकों समेत छह पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की सिफारिश की है। चारों निरीक्षकों समेत छह पुलिसकर्मियों को तीन साल तक पदोन्नति और वेतन वृद्धि न देने तथा उनकी सेवा में तीन वर्ष की कटौती की सिफारिश की गई है। इनकी तैनाती पटियाला से बाहर रहेगी और निलंबन भी जारी रहेगा। यह घटना 13 और 14 मार्च की दरमियानी रात हुई थी जब कर्नल पुष्पिंदर सिंह बाथ अपने बेटे संग पटियाला के एक ढाबे पर खाना खा रहे थे। आरोप है कि 12 पुलिसकर्मियों ने उनके साथ मारपीट की, आईडी कार्ड और मोबाइल छीन लिया और "फर्जी मुठभेड़" की धमकी दी।

भारत विरोधी प्रोपेगैंडा पर महिला को पकड़ा

अहमदाबाद। गुजरात एटीएस ने प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन 'भारतीय उपमहाद्वीप में अल-कायदा' (एक्यूआईएस) के राष्ट्र विरोधी प्रोपेगैंडा का प्रचार करने के आरोप में बेंगलुरु की एक महिला को गिरफ्तार किया है। मंगलवार को बेंगलुरु से पकड़ी गई आरोपी शमा परवीन अंसारी फोन और ईमेल के ज़रिए पाकिस्तानी संगठनों के संपर्क में थी। उन्होंने बताया कि वह सोशल मीडिया पर भड़काऊ सामग्री पोस्ट करती थी, भारत सरकार के खिलाफ सशस्त्र क्रांति या जिहाद छेड़ने का आह्वान करती थी और देश में वैमनस्य फैलाती थी।

तमिल फिल्म अभिनेता पावरस्टार गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने तमिल फिल्म अभिनेता और स्वयंभू चिकित्क एस श्रीनिवासन को पांच करोड़ रुपये के ऋण धोखाधड़ी मामले में गिरफ्तार किया है। एस श्रीनिवासन को पावरस्टार के नाम से जाना जाता है। दिल्ली पुलिस ने कहा कि श्रीनिवासन 2018 से मुकदमे से बच रहे थे और दो बार फरार अपराधी घोषित किए गए थे। उन्हें चेन्नई से गिरफ्तार किया गया। अभिनेता ने खुद को फाइनेंसर बताया और दिल्ली की एक कंपनी को 1,000 करोड़ रुपये का ऋण दिलाने का वादा कर उससे पांच करोड़ रुपये ठग लिए। बाद में पता चला कि यह धनराशि फिल्म निर्माण और निजी उपयोग के लिए इस्तेमाल की गई थी।

सेना प्रमुख ने मणिपुर में सुरक्षा की समीक्षा की

इंफाल। सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने बुधवार को मणिपुर में सुरक्षा स्थिति की समीक्षा की। जनरल द्विवेदी ने राज्य में असम राइफल्स और सेना की परिचालन तत्परता का आकलन किया। उन्होंने बताया कि जनरल द्विवेदी को मणिपुर में जमीनी हालात और क्षेत्र में शांति एवं सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए चल रही पहलों के बारे में भी जानकारी दी गई। रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा, जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने परिचालन तैयारियों का आकलन करने तथा सैन्य-नागरिक सहयोग बढ़ाने के लिए मणिपुर का दौरा किया।

अब भारत की नई नीति का आधार है ऑपरेशन सिंदूर : विदेश मंत्री

राज्यसभा में जयशंकर ने कहा- संघर्षविराम में कोई मध्यस्थता नहीं हुई

मानसून सत्र

नई दिल्ली, एजेंसी

ऑपरेशन सिंदूर को क्रूरतम पहलगाम आतंकी हमले की सोची-समझी सटीक प्रतिक्रिया करार देते हुए विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बुधवार को राज्यसभा में कहा कि यह अब भारत की नई नीति का आधार बन गया है। जयशंकर ने यह भी स्पष्ट किया कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान के साथ संघर्षविराम को लेकर किसी भी तीसरे पक्ष की ओर से कोई मध्यस्थता नहीं हुई।

विदेश मंत्री ने जोर देकर कहा कि इस सैन्य कार्रवाई को रोकने का व्यापार से कोई संबंध नहीं था। जयशंकर ने राज्यसभा में पहलगाम में आतंकवादी हमले के जवाब में भारत के मजबूत, सफल एवं निर्णायक 'ऑपरेशन सिंदूर' पर विशेष चर्चा में हस्तक्षेप करते हुए यह भी कहा कि भारत ने बरसों बरस आतंकवाद का दंश सहा है और ऑपरेशन सिंदूर से हमने लक्ष्य हासिल किए। उच्च सदन में यह चर्चा मंगलवार को शुरू हुई थी। विदेश मंत्री ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच 22 अप्रैल से 16 जून के बीच फोन पर कोई बातचीत नहीं हुई।

विपक्ष सरकार पर यह आरोप लगा रहा है कि अमेरिका की मध्यस्थता और व्यापारिक दबाव के कारण भारत ने सैन्य अभियान रोका। ट्रंप ने भारत-पाकिस्तान के बीच संघर्षविराम कराने का कई बार दावा किया है। जयशंकर ने कहा, भारत अब सीमा पार से आतंकवाद को बर्दाश्त नहीं करेगा। पाकिस्तान की हर आक्रामकता का जवाब ऑपरेशन सिंदूर जैसे ठोस कदमों से देते रहेंगे। उन्होंने कहा कि पहलगाम में हुए आतंकी हमले के जरिए पाकिस्तान ने लक्ष्मण रेखा लांघी है। हमले के दोषियों को जवाबदेह ठहराना और पीड़ितों के लिए न्याय सुनिश्चित करना जरूरी था।

राज्यसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर जवाब देते विदेश मंत्री जयशंकर। ● एजेंसी

ट्रंप का इसलिए नाम नहीं ले पा रहे मोदी क्योंकि वह पूरा सच सामने रख देंगे : राहुल गांधी

नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने बुधवार को दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मध्यस्थता संबंधी दावा करने के संदर्भ में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का नाम नहीं लिया क्योंकि उन्हें पता है कि अगर वह ऐसा करेंगे तो ट्रंप सारी सच्चाई सामने रख देंगे। उन्होंने संसद भवन परिसर में संवाददाताओं से कहा कि सबको मालूम है कि क्या हुआ है। राहुल ने कहा, प्रधानमंत्री ने यह नहीं कहा कि ट्रंप झूठ बोल रहे हैं। अगर प्रधानमंत्री ने यह बोल दिया तो ट्रंप खुलकर बोल देंगे और पूरी सच्चाई सामने रख देंगे। उन्होंने कहा, अभी वह (ट्रंप) व्यापार समझौता चाहते हैं। वहां भी ट्रंप उन्हें दबाएंगे। आप देखना कि कैसा व्यापार समझौता होता है। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री ने गोलमोल तरीके से बात की है। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री सीधे कहें कि अमेरिका के राष्ट्रपति ने झूठ बोला है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को लोकसभा में कहा था कि दुनिया के किसी नेता ने ऑपरेशन सिंदूर रोकने के लिए नहीं कहा था।

राज्यसभा में नहीं आए प्रधानमंत्री, विपक्ष ने किया बहिर्गमन

नई दिल्ली। विपक्षी दलों ने पहलगाम हमले और ऑपरेशन सिंदूर पर बुधवार को राज्यसभा में हुई चर्चा का जवाब नहीं देने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की आलोचना की। राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने 'एक्स' लिखा कि प्रधानमंत्री संसद में होने के बावजूद सदन में नहीं आए। उन्होंने कहा, हमने मोदीजी से कई सवाल पूछे हैं। उन्हें जवाब देना चाहिए। अगर प्रधानमंत्री संसद में मौजूद होने के बावजूद सदन में नहीं आते हैं, तो यह राज्यसभा और सदन के सदस्यों का अपमान है।" कांग्रेस नेता प्रमोद तिवारी ने इसे "काला दिन" बताया। उन्होंने कहा, यह दिन एक काले दिन के रूप में याद किया जाएगा। यह सहमति थी कि प्रधानमंत्री सदन में जवाब देंगे, लेकिन विश्वासघात हुआ। यह सहमति कार्य मंत्रणा समिति में बनी थी। लेकिन शायद वह संघर्षविराम में ट्रंप की भूमिका पर सवालों का जवाब नहीं देना चाहते थे। उन्होंने लोकसभा में जवाब दिया, लेकिन आज इस सदन में आने की उनकी हिम्मत नहीं हुई। उन्होंने शायद सोचा होगा कि हम टैरिफ के बारे में सवाल पूछेंगे। इससे पहले राज्यसभा में कांग्रेस सहित विपक्ष के सदस्यों ने ऑपरेशन सिंदूर पर हुई चर्चा का प्रधानमंत्री द्वारा जवाब नहीं देने को सदन का अपमान बताया और विरोध में सदन से बहिर्गमन किया।

बारिश की मार

भरतपुर जिले के सवाई माधोपुर में बुधवार को भारी बारिश के बाद रेलवे स्टेशन पर पानी भर गया। एजेंसी

चौगुले शिपयार्ड में स्वदेशी होवरक्राफ्ट का निर्माण शुरू

नई दिल्ली। भारतीय तटरक्षक बल ने बुधवार को अपने पहले स्वदेश निर्मित 'होवरक्राफ्ट' का निर्माण कार्य शुरू किया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि यह 'होवरक्राफ्ट' सिद्ध ग्रिफ्रॉन होवरवर्क डिजाइन पर आधारित है और विभिन्न तटीय सुरक्षा अभियानों के लिए भारतीय विशेषज्ञता के साथ बनाया जा रहा है। 'होवरक्राफ्ट' को एयर कुशन व्हीकल भी कहते हैं। रक्षा मंत्रालय ने कहा, भारतीय तटरक्षक बल ने 30 जुलाई को गोवा स्थित चौगुले एंड कंपनी प्राइवेट लिमिटेड में गर्डर बिछाने और स्थापना समारोह के साथ अपने पहले स्वदेश निर्मित एयर कुशन व्हीकल का निर्माण शुरू कर दिया है। ये एसीवी बेहतर गति, सामरिक लचीलापन और कम पानी में संचालन क्षमता प्रदान करेंगे।

इसरो की इसी वित्तीय वर्ष में नौ और प्रक्षेपण की योजना

श्रीहरिकोटा, एजेंसी

● नासा के साथ सहयोगी मिशन ब्लू बर्ड ब्लॉक 2 भी इसमें शामिल

निसार उपग्रह के सफल प्रक्षेपण के बाद इसरो के अध्यक्ष वी नारायणन ने बुधवार को घोषणा की कि नासा के साथ अगला सहयोगी मिशन और 'ब्लू बर्ड ब्लॉक 2' संचार उपग्रह का प्रक्षेपण चालू वित्त वर्ष के अंत तक इस अंतरिक्ष केंद्र से नियोजित नौ प्रमुख प्रक्षेपणों में शामिल हैं।

यहां मिशन नियंत्रण केंद्र में उन्होंने कहा कि ये मिशन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में क्रियान्वित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा, इस वित्त वर्ष के अंत से पहले नौ बड़े प्रक्षेपणों की योजना बनाई गई है। अगला बड़ा प्रक्षेपण एलवीएम3-एम5 मिशन है, जहां एलवीएम3 रॉकेट एक संचार उपग्रह सीएमएस-02 को प्रक्षेपित करेगा। इसरो के आगामी महत्वपूर्ण अभियानों में नासा के साथ एक और सहयोग शामिल है। एक्सिओम-4 और निसार मिशन के बाद इसरो का एलवीएम-3 यान अमेरिका के लिए संचार उपग्रह 'ब्लू बर्ड ब्लॉक2' का प्रक्षेपण करेगा। ब्लू बर्ड ब्लॉक2 अमेरिका का संचार उपग्रह है। हम अपने एलवीएम-3 यान का उपयोग करके इसका प्रक्षेपण करने जा रहे हैं। नारायणन के अनुसार, इसके अलावा इसरो का विश्वसनीय पीएसएलवी-सी61 'ओशनसैट-3ए' को प्रक्षेपित करने के लिए तैयार है।

छत्तीसगढ़: 500 करोड़ के चिकित्सा आपूर्ति घोटाले में ईडी ने मारे छापे

रायपुर, एजेंसी

● सुप्रीम कोर्ट ने सरकार से आरोपियों और गवाहों का ब्यौरा मांगा

ईडी ने 500 करोड़ रुपये से ज्यादा के चिकित्सा आपूर्ति घोटाले की धन शोधन जांच के तहत बुधवार को छत्तीसगढ़ में कई स्थानों पर छापे मारे। यह कथित घोटाला राज्य में पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के कार्यकाल के दौरान का है।

सूत्रों ने बताया कि रायपुर, दुर्ग, भिलाई और आसपास के इलाकों में कुछ सरकारी अधिकारियों, चिकित्सकीय सामान के आपूर्तिकर्ताओं और एजेंट के अलावा कुछ बिचौलियों से जुड़े ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है।पीएमएलए के तहत ईडी की जांच अप्रैल में एसीबी/ईओडब्ल्यू द्वारा छह व्यक्तियों के खिलाफ दाखिल आरोप पत्र से संबंधित है जिसमें 2023 में चिकित्सा उपकरणों और रासायनिक रसायनों की खरीद में कथित अनियमितताओं से राज्य के खजाने को 550 करोड़ रुपये का नुकसान पहुंचने का आरोप लगाया गया है। एसीबी/ईओडब्ल्यू ने 22 जनवरी को रायपुर स्थित राज्य सरकार द्वारा संचालित छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विसेज कॉर्पोरेशन लिमिटेड और स्वास्थ्य सेवा निदेशालय के अधिकारियों के साथ चार कंपनियों के खिलाफ मामला दर्ज किया था।

भेड़ वितरण घोटाले में हैदराबाद में छापे

हैदराबाद। ईडी ने करोड़ों रुपये के भेड़ पालन एवं वितरण घोटाले से जुड़े मामले की जांच के तहत हैदराबाद में कई स्थानों पर छापे मारे। बीआरएस की पिछली सरकार के दौरान यह कथित घोटाला हुआ था। सूत्रों ने बताया कि बीआरएस के पूर्व मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव के ओएसडी जी. कल्याण के अलावा घोटाले में शामिल लाभार्थियों और कथित बिचौलियों से जुड़े आठ स्थानों पर पीएमएलए के तहत तलाशी ली गई।

स्कूली बच्चों समेत हजारों लोगों को बचाया

मध्यप्रदेश के कई जिलों में बाढ़ से हालात विकराल, सेना बुलाई

भोपाल। भारी बारिश के बाद सेना ने राज्य के विभिन्न जिलों से 27 स्कूली बच्चों सहित करीब 2,900 लोगों को बचाया। कई जिलों में बाढ़ की स्थिति पैदा हो गई जबकि शिवपुरी जिले में हालात इस कदर बिगड़ चुके हैं कि बचाव के लिए सेना बुलानी पड़ी है। गुना जिले में भी बाढ़ जैसी स्थिति पैदा हो गई है, जहां एक पुल ढह गया। गुना के कई गांवों के लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने को कहा गया है। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने अगले 24 घंटों में प्रदेश के कई जिलों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है।

पोर्श हादसा: किशोर के पिता की अस्थाई जमानत याचिका खारिज

पुणे। महाराष्ट्र में पुणे की एक अदालत ने मई 2024 में हुई पोर्श कार दुर्घटना में शामिल किशोर के पिता की अस्थायी जमानत के अनुरोध संबंधी याचिका बुधवार को खारिज कर दी। उन्होंने अपनी 79 वर्षीय मां की चिकित्सा स्थिति का हवाला देते हुए यह अर्जी दी थी। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश के पी क्षीरसागर ने कहा कि अपराध की प्रकृति और गवाहों को प्रभावित किये जाने की आशंका को देखते हुए इस स्तर पर किशोर के पिता को जमानत पर रिहा करने का कोई आधार नहीं है।

लालू की याचिका पर सुनवाई से सुप्रीम कोर्ट का इन्कार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने भ्रष्टाचार के एक मामले में अपने खिलाफ निचली अदालत में चल रही कार्यवाही स्थगित करने की राष्ट्रीय जनता दल अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव की याचिका पर सुनवाई करने से बुधवार को इनकार कर दिया।

न्यायमूर्ति एम एम सुंदरेश और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने याचिकाकर्ता की गुहार ठुकरा दी। पीठ कहा कि निचली अदालत द्वारा मामले में आरोप तय करने से उनकी हाईकोरप्ट में दायर याचिका निरर्थक नहीं होगी। पूर्व मुख्यमंत्री ने शीर्ष अदालत से यह निर्देश देने की मांग की थी कि जब तक दिल्ली हाईकोर्ट इस मामले उनकी याचिका पर सुनवाई पूरी नहीं कर लेता, तब तक निचली अदालत की कार्यवाही स्थगित कर दी जाए। सीबीआई ने 2004-2009 में 'जमीन के बदले नौकरी' के आरोप में श्री यादव और अन्य के खिलाफ 2022 में मुकदमा दर्ज किया था।

...तो सुनवाई के लिए पड़ेगी स्टेडियम की जरूरत

मंत्री बालाजी से जुड़े मामले में सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु सरकार पर किया कटाक्ष

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने तमिलनाडु के पूर्व मंत्री वी. सेंथिल बालाजी से जुड़े नौकरी के बदले नकदी घोटाला मामले में 2000 से अधिक लोगों को आरोपी बनाए जाने पर तमिलनाडु सरकार को फटकार लगाई तथा सभी आरोपियों और गवाहों का ब्यौरा मांगा।

पूर्व मंत्री से जुड़े मामलों की सुनवाई को बिना पतवार वाली नौका करार देते हुए न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने कहा कि यदि न्यायपालिका ने हस्तक्षेप नहीं किया होता तो अनिच्छुक राज्य सरकार नकद के बदले नौकरी घोटाले में पूर्व मंत्री सेंथिल बालाजी से जुड़े मामलों को दबाकर बंद करना चाहती थी। पीठ ने घोटाले के पीड़ितों का प्रतिनिधित्व करने वाले और मामलों को एक साथ करने के फैसले का विरोध करने वाले वाई. बालाजी की पैरवी करने वाले वरिष्ठ अधिवक्ता गोपाल शंकरनारायणन से कहा, इस मामले में 2,000 से अधिक आरोपी और 500 गवाह होने से यह भारत का सबसे अधिक भीड़भाड़ वाला मुकदमा होगा। इस मामले की सुनवाई के लिए न्यायालय का छोटा कक्ष पर्याप्त नहीं होगा तथा सभी अभियुक्तों की उपस्थिति दर्ज कराने के लिए एक क्रिकेट स्टेडियम की जरुरत पड़ेगी।

सीबीआई ने दर्ज कीं 22 प्राथमिकियां

बैंक-बिल्डर गठजोड़

नई दिल्ली। सीबीआई ने एनसीआर में मकान खरीददारों से धोखाधड़ी के लिए बिल्डरों और बैंकों के बीच साठगांठ से संबंधित मामले की जांच करने के उच्चतम न्यायालय के निर्देशों के तहत 22 प्राथमिकी दर्ज की हैं। सीबीआई ने अपनी अलग-अलग प्राथमिकियों में जेपी स्पोर्ट्स इंटरनेशनल लिमिटेड, जयप्रकाश एसोसिएट्स लिमिटेड, अजनारा इंडिया लिमिटेड, वाटिका लिमिटेड, जेपी इंफ्राटेक लिमिटेड, सुपरटेक और आइडिया बिल्डर्स को नामजद किया है। सीबीआई ने बताया कि एजेंसी की आर्थिक अपराध इकाई द्वारा दर्ज प्राथमिकी में भारतीय स्टेट बैंक, इंडियाबुल्स हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड, पीरामल फाइनेंस, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, टाटा कैपिटल हाउसिंग फाइनेंस और पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड जैसे बैंकिंग और वित्तीय संस्थानों के नाम भी शामिल हैं। सीबीआई ने उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीशों न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति एन. कोटिश्वर सिंह की पीठ के निर्देशों के बाद यह कार्रवाई की है।

कोली को बरी करने के फैसले के खिलाफ याचिकाएं खारिज

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने 2006 के निठारी हत्याकांड में आरोपी सुरेन्द्र कोली को बरी किए जाने के खिलाफ दायर 14 याचिकाओं को खारिज कर दिया। सीजेआई बीआर गवई, जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा और जस्टिस के विनोद चंद्रन की पीठ ने कहा कि कोली को बरी करने के इलाहाबाद हाईकोर्ट के निष्कर्षों में कोई खामी नहीं थी। साक्ष्य अधिनियम की धारा 27 का हवाला देते हुए सीजेआई ने कहा कि खुले नाले से पीड़ितों की खोपड़ियां बरामद करना पुलिस के समक्ष कोली के बयान के बाद नहीं किया गया था। पुलिस द्वारा आरोपी का बयान दर्ज किए बिना की गई कोई भी बरामदगी साक्ष्य कानून के तहत स्वीकार्य नहीं है।

कारगिल में लड़ने वाले पूर्व सैनिक के परिवार से कहा- राष्ट्रीयता सिद्ध करो

पुणे में हिंदूवादी कार्यकर्ताओं के जबरन घर में घुसने का आरोप

पुणे, एजेंसी

कारगिल युद्ध में देश के लिए लड़ने वाले एक पूर्व सैनिक के परिवार के सदस्यों ने आरोप लगाया है कि एक हिंदूवादी संगठन से जुड़े करीब 80 लोगों का एक समूह पुणे स्थित उनके घर में जबरन घुस आया और उसने उन पर बांग्लादेशी होने का आरोप लगाते हुए उनसे भारतीय नागरिकता का प्रमाण मांगा।

पूर्व सैनिक के परिवार ने दावा किया कि यह घटना शनिवार मध्य रात्रि को शहर के चंदननगर इलाके में हुई। इरशाद शेख (48) ने कहा कि उनके बड़े भाई हकीमुद्दीन शेख भारतीय सेना में सेवाएं दे चुके हैं और उन्होंने कारगिल युद्ध में भी भाग लिया था तथा वह 2000 में 'इंजीनियर्स रेजिमेंट' से हवलदार के पद से सेवानिवृत्त हुए थे। हकीमुद्दीन अब उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ में रहते हैं। वह अपने दो भाइयों और उनके बच्चों के साथ पिछले कई दशक से पुणे के चंदननगर इलाके में रह रहे हैं।

इरशाद ने कहा, शनिवार आधी रात को लगभग 80 लोग अचानक हमारे घर आए और जोर-जोर दरवाजा खटखटाने लगे। हमने दरवाजा खोला तो उनमें से कुछ लोग अंदर घुस आए और परिवार के सदस्यों के आधार कार्ड मांगने लगे। उन्होंने आरोप लगाया कि जब उन्होंने दस्तावेज दिखाए, तो लोगों ने उन्हें फर्जी बताकर महिलाओं और बच्चों से आधार कार्ड दिखाने को कहा।

इरशाद ने कहा कि उन्होंने समूह को समझाने की कोशिश की कि उनका परिवार पिछले 60 साल से यहां रह रहा है और उनके बड़े भाई के अलावा उनके दो चाचा भी सेना में सेवा दे चुके हैं। लेकिन समूह के सदस्य सुनने को तैयार नहीं थे। उन्होंने अपशब्द कहे और हम पर बांग्लादेशी होने का आरोप लगाया। मैंने उनसे कहा कि अगर वे जांच करना चाहते हैं तो वे ऐसा कर सकते हैं, लेकिन आधी रात को किसी के घर में घुसकर अपशब्द कहना और बच्चों को दस्तावेज दिखाने के लिए मजबूर करना उचित नहीं है।

इरशाद ने दावा किया कि जब हिंदुत्व कार्यकर्ताओं के समूह ने 'जय श्री राम' के नारे लगाने शुरू किए और परिवार के सदस्यों को पुलिस थाने जाने के लिए मजबूर करने की कोशिश की तो उनके साथ आए दो लोगों ने खुद को पुलिसकर्मी बताया।

साथ थे पुलिसकर्मी, थाने में भी किया परेशान

परिवार ने आरोप लगाया कि इस दौरान सादे कपड़ों में कुछ पुलिसकर्मी भी मौजूद थे लेकिन वे मूकदर्शक बने रहे। जब वे चंदननगर पुलिस थाने पहुंचे तो महिला पुलिस निरीक्षक ने उनके दस्तावेज ले लिए और उन्हें बाहर इंतजार करने को कहा। इरशाद ने कहा, हमें दो घंटे इंतजार कराने के बाद उसने हमें अगले दिन फिर आने को कहा और चेतावनी दी कि ऐसा न करने पर उन्हें बांग्लादेशी नागरिक घोषित कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि वे अगले दिन फिर पुलिस थाने गए। हमें इस घटना को मुद्दा न बनाने और कोई शिकायत दर्ज न कराने के लिए कहा गया। पुलिस अब हम पर दबाव बनाने और यह दिखाने की कोशिश कर रही है कि हमारे घर में कोई भी घुसा नहीं था। इरशाद ने कहा कि उन्होंने अधिकारियों से कहा कि वे अपनी भारतीय नागरिकता का 400 साल पुराना प्रमाण भी दे सकते हैं। उन्होंने कहा, मेरे चाचा 1971 के युद्ध में एक बम विस्फोट में घायल हुए थे और उन्हें उनकी वीरता के लिए सम्मानित किया गया था। मेरे एक और चाचा 1965 के भारत-पाकिस्तान युद्ध में अब्दुल हमीद के साथ लड़े थे।

विशेषज्ञों का मत | संयुक्त संसदीय समिति के सामने निवेश गतिविधियों के भी बढ़ने की उम्मीद जताई

एक साथ चुनाव से 1.5% तेज हो सकती है जीडीपी वृद्धि

नई दिल्ली, एजेंसी

वित्त आयोग के पूर्व अध्यक्ष एन. के. सिंह और एक अन्य विशेषज्ञ ने 'एक साथ चुनाव' कराने का आर्थिक पक्ष बुधवार को संसदीय समिति के समक्ष रखते हुए कहा कि इससे वास्तविक जीडीपी वृद्धि में 1.5 प्रतिशत अंक की बढ़ोतरी हो सकती है, पूंजीगत व्यय बढ़ सकता है और निवेश गतिविधियां बढ़ सकती हैं।

'एक राष्ट्र एक चुनाव' (ओएनओई) के लिए संविधान संशोधन विधेयक पर विचार कर रही संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के समक्ष अपनी संयुक्त प्रस्तुति में,

विशेषज्ञों ने 2023-24 के आंकड़ों के संदर्भ में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 4.5 लाख करोड़ रुपये की वृद्धि का अनुमान व्यक्त किया। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि चुनाव के बाद खर्च बढ़ने से राजकोषीय घाटा भी 1.3 प्रतिशत अंक बढ़ने की उम्मीद है।

पूर्व राजस्व सचिव सिंह तथा अर्थशास्त्र की प्रोफेसर एवं अशोका यूनिवर्सिटी में आइजैक सेंटर फॉर पब्लिक पॉलिसी की प्रमुख व निदेशक प्राची मिश्रा ने देश में चुनावों के क्रम का अध्ययन किया, क्योंकि 1967 तक देश में एक साथ चुनाव होते थे, लेकिन उसके बाद से लोकसभा और विधानसभा चुनाव अलग-अलग होने लगे थे। सूत्रों ने बताया कि जीडीपी में अपेक्षित वृद्धि कुल स्वास्थ्य बजट के आधे या शिक्षा बजट के एक तिहाई के बराबर है।

सूत्रों के अनुसार, विशेषज्ञों ने कहा कि बार-बार होने वाले चुनावों से अनिश्चितता की स्थिति बनने के कारण आर्थिक गतिविधियां प्रभावित होती हैं, जिससे विनिर्माण, निर्माण, पर्यटन और स्वास्थ्य सेवा पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है, प्रवासी श्रमिक बार-बार अपने मूल स्थान पर लौटते हैं और उत्पादकता पर असर पड़ता है। उन्होंने उल्लेख किया कि प्रवासी, भारत की आबादी का लगभग एक तिहाई हिस्सा हैं तथा बार-बार चुनाव कराने से उन पर भी वित्तीय बोझ पड़ता है।

अलग-अलग चुनाव के कई नकारात्मक असर

पूर्व राजस्व सचिव एनके सिंह ने कहा कि शिक्षकों को चुनावी ड्यूटी पर तैनात करने और स्कूलों को मतदान केंद्रों में परिवर्तित करने के कारण, स्कूल नामांकन में भी 0.5 प्रतिशत की कमी आती है। उन्होंने तर्क दिया कि पुलिसकर्मियों को बार-बार चुनावी कार्यों में लगाए जाने के चलते चुनावों के दौरान आपराधिक घटनाएं बढ़ जाती हैं। वर्ष 1986 के बाद से भारत में एक भी साल ऐसा नहीं रहा, जब चुनाव नहीं हुए हों और इस कारण देश लगातार चुनावी माहौल में रहा। सूत्रों ने प्रस्तुति का हवाला देते हुए बताया कि इससे लोकलुभावन वादे बढ़ जाते हैं। सिंह ने कहा कि बार-बार होने वाले चुनाव अस्थायी कल्याणकारी योजनाओं को बढ़ावा देते हैं।

अमृत विचार

गुरुवार, 31 जुलाई 2025

"हमें हार नहीं माननी चाहिए और समस्या को हमें हराने की अनुमति नहीं देनी चाहिए।"

भूकंप की त्रासदी

रूस के कामचटका प्रायद्वीप के पास आए 8.8 तीव्रता के भूकंप ने दुनिया के सबसे बड़े और गहरे प्रशांत महासागर में भारी हलचल मचा दी। इस भूकंप ने एक दर्जन से अधिक देशों में सुनामी की दहशत पैदा करके लोगों को सुरक्षित स्थानों की तरफ भागने के लिए मजबूर कर दिया। सुनामी समुद्र में उठने वाली कई मीटर ऊंची तेज लहरें होती हैं, जो तीव्र गति से तट की ओर बढ़ती हैं। सुनामी लहरों के उत्पन्न होने का सबसे प्रभावी कारण भूकंप ही होता है। समुद्र के तटीय इलाकों पर तेजी से टकराकर ये बड़े पैमाने पर जान-माल का नुकसान करती हैं। भारत साल 2004 में सुनामी का भयानक मंजर देख चुका है। हिंद महासागर में भूकंप के बाद आई सुनामी ने भारत सहित 14 देशों में भारी तबाही मचाने के साथ सवा दो लाख से ज्यादा लोगों की जान ले ली थी। लाखों लोगों को विस्थापन, भारी नुकसान, आघात और आर्थिक तंगी से जूझना पड़ा था। वैसे यह जरूरी नहीं है कि हर भूकंप के कारण सुनामी आए। इसके लिए भूकंप का केंद्र समुद्र के भीतर या समीप होना आवश्यक है। इसी कारण सुनामी का कहर भूकंप की तीव्रता पर निर्भर करता है। वैज्ञानिकों के अनुसार 7.8 से अधिक तीव्रता वाले भूकंप, ऐसी विशाल समुद्री लहरें पैदा कर सकते हैं, जो तटीय क्षेत्रों में तेजी से टकराकर घरों, इमारतों, और बुनियादी ढांचे को नष्ट कर सकती हैं। पृथ्वी भले ही ऊपर से शांत नजर आती हो, लेकिन इसके भीतर हमेशा उथल-पुथल चलती रहती है। धरती के गर्भ में प्लेटों के आपस में टकराने के कारण भूकंप आते हैं। ऐसा माना जाता है कि धरती पर हर साल लाखों भूकंप के झटके आते हैं, लेकिन इनमें से कुछेक छोड़कर बाकी इतने मामूली होते हैं कि इन्हें रिकॉर्ड ही नहीं किया जा सकता।

भारत में भी इधर कुछ समय से भूकंप के झटके लगने की घटनाएं तेजी से बढ़ी हैं। भूकंप के खतरे के लिहाज से देश को पांच जोन में बांटा गया है। इसमें सबसे जोखिम भरा पांचवां जोन है, जिसमें पूरे पूर्वोत्तर भारत के अलावा उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और गुजरात राज्य आते हैं। इसी क्षेत्र में धरती के भीतर इंडियन प्लेट यूरेशियन प्लेट से सबसे ज्यादा टकराती है। देश की राजधानी दिल्ली और एनसीआर इलाका जोन चार में आता है। वैज्ञानिक लंबे समय से भूकंप की भविष्यवाणी करने के तरीके खोजने में लगे हैं, लेकिन अभी तक किसी सटीक नतीजे या तरीके पर नहीं पहुंच सके हैं। ऐसे ही सुनामी का भी पहले से अनुमान लगाना काफी मुश्किल है। हालांकि, एक बार जब वैज्ञानिक भूकंप के बारे में महत्वपूर्ण विवरण जान लेते हैं, तो सुनामी के खतरे का आकलन कर लेते हैं। इन परिस्थितियों में यही कहा जा सकता है कि भूकंप और सुनामी की प्राकृतिक त्रासदी से सुरक्षा के लिए सिर्फ बचाव के उपाय ही किए जा सकते हैं, जो भूंकपरोधी इमारतों के निर्माण और इस संबंध में जागरूकता से ही संभव हैं।

प्रसंगवश

मानवता की मर्यादा का आख्यान हैं तुलसी

भारतीय संस्कृति और संत परंपरा में गोस्वामी तुलसीदास का स्थान अत्यंत विशिष्ट और अनुपम है। वे न केवल एक महाकवि थे बल्कि एक ऐसे संत भी थे, जिन्होंने समाज को रामभक्ति का सरल, सुबोध और भावपूर्ण मार्ग दिखाया। उनका जीवन और साहित्य दोनों ही अध्यात्म, भक्ति, मानवता, संस्कार और सनातन मूल्यों की समृद्ध झलक प्रस्तुत करते हैं। तुलसीदास की रचनाओं ने समाज में नई चेतना, आस्था और नैतिकता का संचार किया। आज जब आध्यात्मिक और सांस्कृतिक मूल्यों के ह्रास की चिंता की जाती है, तब तुलसीदास की जयंती पर उनका स्मरण और भी अधिक प्रासंगिक हो जाता है। गोस्वामी तुलसीदास की जयंती 31 जुलाई को श्रावण मास की शुक्ल पक्ष की सप्तमी तिथि पर मनाई जा रही है। यह दिन हमें उस महामानव की स्मृति से जोड़ता है, जिसने राम को जन-जन का भगवान बनाया और रामचरितमानस जैसे अनुपम ग्रंथ के माध्यम से भारतीय समाज को एकता, श्रद्धा और संस्कार की डोर में बांधा।

श्वेता गोयल

नई दिल्ली

गोस्वामी तुलसीदास ने जीवनभर सनातन धर्म, रामकथा और लोककल्याण को ही अपना लक्ष्य बनाया। वे कभी किसी दरबार के प्रशंसा-पत्र या यश की चाह में नहीं रहे।

गोस्वामी तुलसीदास का जन्म संवत 1554 में उत्तर प्रदेश के राजापुर (चित्रकूट) नामक स्थान पर हुआ था। तुलसीदास की सबसे अमर और कालजयी रचना 'रामचरितमानस' है, जिसे लोकभाषा अवधी में लिखा गया। यह ग्रंथ न केवल एक धार्मिक महाकाव्य है, बल्कि एक सांस्कृतिक, सामाजिक और दार्शनिक धरोहर भी है। तुलसीदास की काव्य प्रतिभा केवल रामचरितमानस तक सीमित नहीं थी। उन्होंने 'हनुमान चालीसा', 'विनय पत्रिका', 'कवितावली', 'गीतावली', 'रामलला नहछू', 'पार्वती मंगल', 'जानकी मंगल', 'दोहावली' जैसी रचनाएं भी की, जिनमें भक्ति, नीति, दर्शन, भाव और संस्कार का अद्भुत संगम मिलता है। हनुमान चालीसा उनकी अत्यंत लोकप्रिय रचना है, जो आज भी करोड़ों लोगों के लिए न केवल एक प्रार्थना है बल्कि साहस, आस्था और सुरक्षा की ढाल है। तुलसीदास का समस्त साहित्य रामभक्ति को केंद्र में रखता है परंतु उसमें केवल धर्म की बातें नहीं हैं। उसमें समाज सुधार, नीति शिक्षण, स्त्री सम्मान, सेवा भावना, सत्य, करूणा, समर्पण, समानता, राष्ट्रप्रेम और मानवता की भी अद्भुत झलक मिलती है। गोस्वामी तुलसीदास ने जीवनभर सनातन धर्म, रामकथा और लोककल्याण को ही अपना लक्ष्य बनाया। वे कभी किसी दरबार के प्रशंसा-पत्र या यश की चाह में नहीं रहे। उन्होंने भिक्षावृत्ति अपनाकर जीवनयापन किया और जन-जन में राम नाम का संचार किया। तुलसीदास का जीवन स्वयं एक प्रेरणा है कि कैसे एक सामान्य मनुष्य कठिन परिस्थितियों में भी अपने लक्ष्य, विश्वास और श्रद्धा के बल पर ईश्वर से साक्षात्कार कर सकता है। उनका यह कथन 'तुलसी मस्तक तब नवै, धरे राम को नाम' जीवन का मूल मंत्र है, जिसमें समर्पण, विश्वास और भक्ति की चरम अवस्था निहित है। उन्होंने भगवान को पाने के लिए योग, तप, तीर्थ या आडंबर का मार्ग नहीं अपनाया बल्कि सहज प्रेम और निष्काम भक्ति का मार्ग अपनाया। उनका दृष्टिकोण यह था कि ईश्वर का नाम स्वयं सबसे बड़ा साधन है और रामनाम से बढ़कर कोई यज्ञ, तप या व्रत नहीं।

आज जब हम गोस्वामी तुलसीदास की जयंती मना रहे हैं, तब यह केवल एक परंपरा का निर्वाह नहीं बल्कि उनके विचारों और आदर्शों को आत्मसात करने का अवसर है। हमें चाहिए कि हम उनकी रचनाओं को केवल धार्मिक अनुष्ठानों तक सीमित न रखें बल्कि उनके विचारों को जीवन की कठिनाईयों में संबल और दिशा के रूप में अपनाएं। गोस्वामी तुलसीदास की वाणी और उनका जीवन आज भी हमारे लिए स्थायी प्रेरणा का स्रोत है।

भारतीयों की विदेशों में बसने की बढ़ती प्रवृत्ति

अविनाश झा

डीएफएमओ, चित्रकूट

भारत से उच्च और प्रतिभाशाली लोग लगातार देश छोड़कर विदेशों में जा रहे हैं। उनकी प्रतिभा और कार्यकुशलता के बल पर बड़ी बड़ी कंपनियों के लीडर बन बैठे हैं और यही कारण है कि अब ये विदेशी राष्ट्राध्यक्षों की आंखों में खटकने लगे हैं।

विश्व की चौथी अर्थव्यवस्था बनने के बावजूद यह तथ्य विचारणीय है कि आखिरकार एक बड़ी संख्या में भारतीय विदेशों में प्रवास के लिए भारत से क्यों जा रहे हैं? विदेशी नागरिकता लेना और ग्रीन पासपोर्ट धारी होना इतना महत्वपूर्ण क्यों हो गया है? पिछले सप्ताह राज्यसभा मे एक प्रश्न के ज़बाब में विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने कहा कि विगत 6 साल में 10 लाख से ज्यादा लोग भारत छोड़कर चले गए है। वर्ष 2024 में 2 लाख से ज्यादा भारतीयों ने अपनी नागरिकता त्याग दी है। हालांकि कोरोना काल के दौरान नागरिकता छोड़ने वालों की संख्या में कमी आई थी, लेकिन बाद में फिर नागरिकता छोड़ने वालों की संख्या तेजी से बढ़ने लगी है। विदेश मंत्रालय के एक अन्य आंकड़े के अनुसार लगभग 3.2 करोड़ भारतीय दूसरे देशों में बतौर प्रवासी रह रहे हैं। इनमें से 1.32 करोड़ नान रेजिडेंट इंडियन हैं, जबकि 1.86 करोड़ लोग दूसरे देशों की नागरिकता तक ग्रहण कर चुके हैं। एक अनुमान है कि हरेक साल कम के कम 25 लाख भारतीय प्रवासी बन रहे हैं। इनमें वह आंकड़ा शामिल नहीं है, जिसमें पर्यटक वीजा पर दूसरे देशों में जाने वाले भारतीयों में से कई लोग लौटते ही नहीं हैं। इसके अतिरिक्त डंकी रुट अर्थात अवैध अप्रवासन के आंकड़े इससे काफी अधिक हैं। यह चिंताजनक स्थिति है।

हालांकि हम इस तथ्य से गौरवान्वित हो सकते हैं कि इन्हीं अप्रवासी भारतीयों में से ही आज अमेरिका की करीब 20 बड़ी और दुनिया की 35 प्रमुख कंपनियों की कमान भारतीय मूल के लोग संभाल रहे हैं। इनमें कंपनी अल्फाबेट के सीईओ सुंदर पिचाई, वर्टेक्स फार्मास्युटिकल्स की रेशमा केवल रामानी, शनेल की लीना नायर,माइक्रोसॉफ्ट कॉर्पोरेशन के सत्य नाडेला, फेडएक्स के राज सुब्रमण्यम, अरिस्टा नेटवर्क के जयश्री वी उल्लाल, एडोब के सीईओ शांतनु नारायण और टेस्ला के सीएफओ वैभव तनेजा आदि शामिल हैं। प्रतिष्ठित बिजनेस पत्रिका फॉर्च्यून की सूची में शामिल 552.5 लाख करोड़ रुपए के कुल बाजार पूंजीकरण वाली 11 कंपनियों के सीईओ भारतीय हैं। दुनिया के तीन शेयर बाजारों नैस्डैक, एनवाईएसई और एलएसई में सूचीबद्ध टॉप 300 फर्म्स में से 61 प्रतिशत ऐसी हैं, जिनमें भारतीय मूल के सीईओ या बोर्ड मेंबर हैं। इनमें 23 प्रतिशत का नेतृत्व भारतीय मूल की महिलाएं कर रहीं हैं। सकारात्मक रूप से देखें तो ये अप्रवासी भारतीय डायस्पोरा का प्रचार-प्रसार कर रही है और जहां भी है और जिस देश में है, वहां भारतीयता का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं, लेकिन दूसरी तरफ इन लोगों का वहां स्थानीय तौर पर विरोध भी हो रहा है। फिजी, मारीशस जैसे अन्य देशों में जहां अंग्रेज़ी शासन काल में गिरमिटिया या कुली लोग चले गए थे, वहां ये भारतवंशी बहुसंख्यक हैं तथा शासन सत्ता में नेतृत्व संभाल रहे हैं। हाल के वर्षों में ऋषि सुनक और कमला हैरिस जैसे भारतीय अप्रवासी विश्व राजनीति की महत्वपूर्ण राजनीतिक हस्ती है। ये सच है कि भले ही वहां की अर्थव्यवस्था, राजनीति और अन्य क्षेत्रों में इन भारतीय अप्रवासियों का योगदान महत्वपूर्ण हो रहा है लेकिन स्थानीय लोगों को अब यह अखरने लगा है कि ये भारतीय हमारे संसाधनों पर आकर कब्जा कर रहे हैं। उनपर क्षेत्रीयता हावी हो रही है। रंगभेद और भाषा बोली का अंतर दिख ही जाता है। भूरे रंग के अप्रवासी होने के कारण इनको विदेशो में पूर्वाग्रह, भेदभाव और नस्लवाद का सामना भी करना पड़ता हुआ। अपनी सभ्यता संस्कृति को छोड़कर इन्हें स्थानीय सभ्यता संस्कृति अपनानी पड़ती है फिर स्थानीय समाज में दोयम दर्जे के व्यवहार का सामना करना पड़ता है।

स्वाभाविक रूप से स्थानीय सत्ता और सरकार पर भी इसका असर पड़ रहा है। भारत से उच्च और प्रतिभाशाली लोग लगातार देश छोड़कर विदेशों में जा रहे हैं। उनकी प्रतिभा और कार्यकुशलता के बल पर बड़ी बड़ी कंपनियों के लीडर बन बैठे हैं और यही कारण है कि अब ये विदेशी राष्ट्राध्यक्षों की आंखों में खटकने लगे हैं। उन्हें लग रहा है कि ये हमारे रोजगार और संसाधनों का उपयोग कर रहे हैं जबकि हकीकत यह है कि भारतीय प्रतिभा के बल पर ही ये कंपनियों का व्यवसाय इतना आगे बढ़ पाया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का यह बयान है कि गूगल, मेटा, माइक्रोसॉफ्ट जैसी अमेरिकी टेक कंपनियों से कहा कि वे भारत में फैक्ट्री बनाना और वर्कर्स हायर करना बंद करें। कंपनियां अमेरिका फर्स्ट को अपनाएं। डोनाल्ड ट्रंप ने तो विश्वविद्यालयी शिक्षा में भी विदेशी छात्रों पर रोक लगाया है। यह स्थिति भारतीय अप्रवासियों को विदेशों मे दोयम दर्जे का बनाती है। पिछले एक दशक में बिजनेस परिवारों में युवा पीढ़ी के लोग अच्छी-खासी संख्या में कानूनी तरीके से विदेश गए हैं। इसके लिए सबसे लोकप्रिय रास्ता है स्टूडेंट वीजा, जिससे 'ब्रेन ड्रेन' होता है। गुजरातियों का सर्वाधिक मनपसंद गंतव्य अमेरिका है। इसके अतिरिक्त अक्टूबर 2023 से सितंबर 2024 के बीच मेक्सिको और कनाडा के रास्ते अवैध रूप से अमेरिका जाने की कोशिश में लगभग 90 हजार भारतीय गिरफ्तार हुए थे, जिनमें आधे गुजरात से थे। पंजाब में जब उग्रवाद हावी था तो दूसरे देशों में शरणार्थी के रूप में काफी लोग बहाने बनाकर गए। कनाडा और आस्ट्रेलिया आने मनपसंद देश है। पिछले एक दशक में पंजाब से सिक्खों के बजाय हिंदुओं ने देश छोड़ा है। इस ट्रेंड का प्रभाव हिमाचल और हरियाणा में भी दिखने लगा है। सच कहें तो इस प्रवृति को रोकने की जरूरत है। यह प्रवृत्ति जब तक रुकेगी नहीं, भारत विश्व की तीसरी अर्थव्यवस्था बनने की सोच नहीं सकता है।

आमने

केंद्रीय मंत्री एसपी सिंह बघेल ने कहा, "भारत के प्रधानमंत्री सदन के अंदर जो भी कहेंगे, वही सच है। प्रधानमंत्री ने स्पष्ट किया, विदेश मंत्री ने उससे पहले स्पष्ट किया कि संघर्ष विराम के लिए किसी का कोई दबाव नहीं था और यह किसी के निर्देश पर नहीं हुआ"

सामने

कांग्रेस सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा, "यह 29वीं बार है जब अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने दावा किया है कि युद्धविराम में उनकी भूमिका थी। अगर ट्रंप 29 बार वैश्विक मंच पर कह चुके हैं कि युद्धविराम व्यापार के बदले में हुआ था, तो यह भारत की छवि के खिलाफ है। प्रधानमंत्री को भी इसे खुले तौर पर खारिज करना चाहिए ताकि भारत की वैश्विक छवि को नुकसान न पहुंचे।"

अस्मिता बचाने को मधेशी दलों में जद्दोजहद

यशोदा श्रीवास्तव

वरिष्ठ पत्रकार

नेपाल के मधेश राजनीति में एक नाम तेजी से उभर कर सामने आ रहा है हृदयेश त्रिपाठी का! हृदयेश त्रिपाठी भारत सीमा से एक दम सटे नेपाली भू भाग नवल परासी के निवासी हैं और यही उनका चुनाव क्षेत्र भी है जहां से वे कई बार सांसद और मंत्री रहे हैं।

राजशाही समाप्त होने के बाद नेपाल की राजनीति में मधेशी दलों का दबदबा था। अब वे अपनी अस्मिता बचाने की जद्दोजहद में हैं। लोकतांत्रिक नेपाल में 2008 में पहली बार हुए चुनाव में नेपाली संसद में मधेशी दलों के सांसदों की संख्या 60-70 के करीब थी। आज घटकर मात्र 15-20 रह गई है। इसका सबसे बड़ा कारण मधेशी दलों में बिखराव और करीब 70-80 लाख युवाओं, महिलाओं और युवतियों का भारत सहित अन्य देशों में रोजगार के सिलसिले में पलायन करना है। वेशक पलायन की यह पूरी की पूरी संख्या अकेले मधेश क्षेत्र की नहीं है लेकिन सर्वाधिक संख्या इसी क्षेत्र की है। बिखरे हुए मधेशी दलों को अपनी ग़लती का शायद एहसास हुआ है और वे धीरे-धीरे एक मंच पर आना शुरू कर दिए हैं। मौका है मधेश क्षेत्र में होने जा रहा एक उपचुनाव। भारत सीमा से सटे भैरहवा यानी प्रतिनिधि सभा क्षेत्र संख्या तीन का उपचुनाव यूं तो नेपाल की राजनीति में कोई खास मायने नहीं रखता लेकिन यह उप चुनाव मधेशी दलों की अस्मिता का सवाल है। इस क्षेत्र से राजा समर्थक पार्टी राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी के दीपक बोहरा लगातार सांसद होते रहे हैं। दीपक बोहरा की छवि हिंदू वादी नेता की रही है। वे स्वर्गीय नरेश वीरेंद्र विक्रम शाह के काफी करीबी रहे हैं। बाद में पूर्व नरेश ज्ञानेंद्र के भी करीबी थे। पिछले दिनों उनका निधन हो गया। इस नाते क्षेत्र संख्या तीन में उपचुनाव होना है।

मौजूदा समय में नेपाल के मधेश राजनीति में एक नाम तेजी से उभर कर सामने आ रहा है हृदयेश त्रिपाठी का! हृदयेश त्रिपाठी भारत सीमा से एक दम सटे नेपाली भू भाग नवल परासी के निवासी हैं और यही उनका चुनाव क्षेत्र भी है जहां से वे कई बार सांसद और मंत्री रहे हैं। मौजूदा समय में वह जनता प्रगतिशील पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं। इस पार्टी का मधेश के सभी जिलों में मजबूत संगठन है ही पहाड़ के जिलों तक भी इसका विस्तार हुआ है। हृदयेश त्रिपाठी ने पहल कर करीब आधा दर्जन मधेश दलों एक मंच पर ले आने में सफलता हासिल कर ली है। नाम दिया है लोकतांत्रिक मोर्चा! इस मोर्चा के गठन के पीछे क्षेत्र संख्या तीन के उपचुनाव में सत्ता रूढ़ एमाले सहित राजा वादी पार्टी राप्रपा को हराना अथवा कड़ी टक्कर देना है। स्वर्गीय दीपक बोहरा जिसके निधन के बाद यहां उपचुनाव होना है, वे इस क्षेत्र के बहुत ही लोकप्रिय नेता रहे हैं। काफी संभावना है कि राप्रपा इन्हीं के परिवार के किसी सदस्य को उम्मीदवार बनाए। यदि ऐसा हुआ तो लोकतांत्रिक मोर्चा के उम्मीदवार को चुनाव जीत पाना संभव नहीं है। हां यदि कड़ी टक्कर ही दे पाए तो यह मधेशी दलों के पुनर्जीवन का संकेत जरूर होगा।

भारत सीमा से सटे नेपाल के बड़े भूभाग को मधेश अथवा तराई के नाम से जाना जाता है। बता दें कि नेपाल का भू-भाग दो भागों में बंटा हुआ है। एक मैदानी क्षेत्र दूसरा पहाड़ क्षेत्र। राजशाही के वक्त से ही नेपाल में राजनीति से लेकर सेना, पुलिस और सरकारी नौकरियों में पहाड़ियों का ही वर्चस्व है जो अभी भी कायम है। 2008 के चुनाव में मधेशियों की ताकत से पहाड़ी वर्चस्व दरकता हुआ दिखाई पड़ने से पहाड़ी लोग सकते में आ गए। फिर एक चाल चली गई कि मधेशी राजनीति कमजोर कैसे हो। इसके लिए संसदीय क्षेत्रों के परिसीमन की योजना बनाई गई जिसमें नेपाली कांग्रेस की महत्वपूर्ण भूमिका थी। इस परिसीमन के माध्यम से तराई के संसदीय सीटों को,जो पहले पूरब पश्चिम का था उसे उत्तर दक्षिण को कर दिया। ऐसा करके मधेश वोटरों को विभाजित कर दिया गया। मधेश के ज्यादातर संसदीय सीट जो मधेश बाहुल्य थे वहां अब एक तिहाई मधेशी और दो तिहाई पहाड़ी वोटर हो गए। मधेशी दल इसका विरोध करते रह गए लेकिन नेपाली कांग्रेस सहित सभी पहाड़ी प्रभुत्व वाले दलों ने मधेशियों के विरोध पर ध्यान ही नहीं दिया। नेपाल के उत्तर पहाड़ियों की संख्या अधिक है। इस तरह राजनीतिक रूप से मधेशियों को कमजोर करने का बड़ा कदम उठाया गया। संसदीय सीटों के इस परिसीमन का नतीजा यह रहा कि नेपाली संसद में मधेशियों की संख्या लगातार घटती गई। यहां यह गौर करने की बात है कि पूर्व में मधेश की राजनीति में नेपाली कांग्रेस का दबदबा रहता था, मधेशी जनता नेपाली कांग्रेस को अपना हितैषी मानती रही लेकिन यह बहुत देर में समझ पाई कि आखिर नेपाली कांग्रेस ने अपना राष्ट्रीय अध्यक्ष किसी मधेशी नेता को क्यों नहीं बनाया जबकि मधेश में एक से एक कांग्रेस के बड़े नेता मौजूद हैं। नेपाल का नया संविधान भी नेपाली कांग्रेस की गठबंधन सरकार में लागू हुआ जिसमें मधेशी जनता के तमाम अधिकारों की अनदेखी की गई। हृदयेश त्रिपाठी के प्रयासों से गठित लोकतांत्रिक मोर्चा पूर्व में लागू संविधान में संशोधन की आवाज बुलंद कर उसमें मधेशियों के हक और अधिकार को समाहित करने की मांग तेज करेगा जिसमें संसदीय सीटों का परिसीमन निरस्त कर उसे पूर्ववत रखने की मांग प्रमुख है। नागरिकता विसंगति भी बड़ा मसला है। संविधान में नागरिकता संबंधी अधिकार का नियम कुछ यूं है कि इससे लाखों की संख्या में विवाहित भारतीय महिलाएं नागरिकता से वंचित हैं। मधेश से जुड़े ऐसे ही कुछ मसले हैं जिनकी नेपाल के लोकतांत्रिक संविधान में अनदेखी की गई, लोकतांत्रिक मोर्चा की इसे लेकर पूरे मधेश में आंदोलन चलाने की तैयारी है। लोकतांत्रिक मोर्चा में मुख्यतः उपेंद्र यादव, अशोक राई, बृजेश चंद लाल, रेशम चौधरी, सीके राउत की पार्टियां शामिल हैं। इन दलों का मधेश के अपने अपने क्षेत्रों में खासा प्रभाव है। सभी मिलकर यदि मधेश की जीवंत समस्याओं के समाधान को लेकर लोगों को जागरूक कर पाए तो निसंदेह भारत सीमा से सटे नेपाल के लंबे चौड़े भू-भाग की राजनीति में ऐसा बदलाव होगा जिससे संपूर्ण नेपाल की राजनीति प्रभावित हुए बिना नहीं रहेगी और ऐसा हुआ तो मधेशी दलें नेपाल की राजनीति में एक बार फिर अपना परचम लहराने में कामयाब होंगी।

सामयिकी

पितृसत्तात्मक संरचना और स्त्री सशक्तिकरण

कई बार स्त्री के सामने इस तरह प्रश्न रखा जाता है-क्या चाहिए, सुरक्षा या स्वतंत्रता? आज जैसा माहौल बना दिया गया है, स्वतंत्रता की हर इच्छा और नया कदम स्त्रियों को असुरक्षा की ओर ले जाता है। इस उद्देश्य से तरह-तरह के भय निर्मित किए जाते हैं, पुराने धर्म की दुहाई दी जाती है और महसूस कराया जाता है कि उन्हें सुरक्षा की जरूरत है, अर्थात पितृसत्ता की छांव में लौटो।

शंभुनाथ

सेवानिवृत्त प्रोफेसर, कोलकाता

तनिक सोच लिया जाए, पितृसत्ता ध्वस्त हो गई। लेकिन जाति व्यवस्था मजबूत बनी हुई है। सांप्रदायिकता फैली हुई है। धार्मिक अंधविश्वास पहले से बढ़े हैं। विदेशी कंपनियां छाती जा रही हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस बेरोजगारी बढ़ा रहा है।

अर्थात स्वतंत्रता के बारे में ज्यादा न सोचो, सुरक्षा के बारे में सोचो। खाने-पहनने, मिलने-जुलने, साथी चुनने, घर से बाहर रहने, बोलने आदि हर मामले में लिमिट में रहो। धार्मिक महंत-बाबा भी अब खूब मुखर हैं, इन दिनों वे स्त्रियों की जमकर क्लास ले रहे हैं। आज कहने की जरूरत है कि स्त्रियों को सुरक्षा और स्वतंत्रता दोनों चाहिए, पर जमाना किस दिशा में बदल रहा है?

इन दशकों में स्त्री मुक्ति की धारणा को हटाकर स्त्री-सशक्तिकरण की प्रतिष्ठा की गई है। समाज की पितृसत्तात्मक संरचना को बरकरार रखते हुए स्त्री-सशक्तिकरण। क्या यह स्त्री मुक्ति आंदोलन के धीमा पड़ते जाने का समय है?

क्या स्त्रियां नई-नई लक्ष्मण रेखा खींचने के प्रयासों और पद-सम्मान के जरिए महज चिह्न बना दिए जाने की व्यवस्था को चुनौती देने की स्थिति में हैं?

तनिक सोच लिया जाए, पितृसत्ता ध्वस्त हो गई। लेकिन जाति व्यवस्था मजबूत बनी हुई है। सांप्रदायिकता फैली हुई है। धार्मिक अंधविश्वास पहले से बढ़े हैं। विदेशी कंपनियां छाती जा रही हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस बेरोजगारी बढ़ा रहा है। प्रशासन में पारदर्शिता नदारद है। देश में हिंसक प्रांतीयता बढ़ रही है। समाज में लूट-मार, अपराध बढ़ रहे हैं। बिग मीडिया में स्त्री एंकर छाई हुई हैं, पर वे अदृश्य हाथों की कठपुतलियां हैं। उच्च उपभोक्ता बाजार का एक नया जाल बन गया है। क्या पितृसत्ता इन चीजों के रहते हुए ध्वस्त हो सकती है? क्या इनका सामना किए बिना पितृसत्ता का बाल भी बांका किया जा सकता है? इसपर सोचा जाना चाहिए कि इन समस्याओं के प्रति गंभीरता कितनी है और इन समस्याओं से बचने की कोशिश कितनी है। आज स्त्रियों में महज चिह्न बना दिए जाने के विरुद्ध कितना असंतोष है और कितनी आतुरता है? यह केवल एक जिज्ञासा है।

सोशल फोरम

मतदाता सूची में हुई गड़बड़ी तो कोर्ट करेगा हस्तक्षेप

बिहार मतदाता सूची पुन निरीक्षण पर सुप्रीम कोर्ट में कुछ स्थितियां स्पष्ट होती नजर आई है। याचिकाकर्ताओं ने रिवीजन पर रोक की मांग नहीं की, बल्कि क्रियान्वयन की गड़बड़ियों पर अपनी बात कही और जिन 65 लाख मतदाताओं का नाम काटे जाने की बात कही जा रही है उनको लेकर कुछ सवाल किए। याचिकाकर्ताओं के वकीलों ने कहा मतदाता सूची का ड्राफ्ट आ जाने के बाद जिन मतदाताओं का नाम ड्राफ्ट सूची में नहीं आएगा उनके पास क्लेम करने का कोई अधिकार नहीं रहेगा। उस पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा मतदाता सूची का जो ड्राफ्ट आएगा उसके बाद जिन मतदाता सूची के नाम पिछली सूची में थे और अभी काट दिए गए हैं उन्हें न्याय पाने का पूरा अधिकार रहेगा। न्यायलय ने व्यवस्था दी सूची जारी करना एक संवैधानिक प्रक्रिया है और हमारा मानना यह है की चुनाव आयोग उसे पूरे पवित्रता से कर रहा है ऐसे में एक बार उसका ड्राफ्ट आ जाए और यदि उसके बाद आपको कहीं भी लगे किन्हीं 15 मतदाताओं के साथ भी गड़बड़ी हुई है तो कोर्ट आपकी प्रार्थना स्वीकार कर सकता है।

प्रमोद जैन पिंटू

भवानी मंडी

चुनाव आयोग के वकील ने कहा की 15 सितंबर तक ड्राफ्ट कॉपी पटल पर रख देंगे तो इस पर सुप्रीम कोर्ट ने सख्त टिप्पणी की उन्होंने कहा की 12 और 13 अगस्त वह तारीख हमारे पास सुनवाई के लिए है, और आपने जिस समय सीमा में ड्राफ्ट सूची रखने की बात कही है, आप उसकी पालना करें उल्लेखनीय है की चुनाव आयोग ने अपने हलफनामे में एक तारीख तक यानी 1 अगस्त तक ड्राफ्ट सूची तैयार करने की बात कही थी।

याचिकाकर्ताओं के वकीलों का कहना था चुनाव आयोग जानबूझकर ज्यादा समय मांग रहा है ताकि एक बार प्रक्रिया प्रारंभ हो जाए तो वह इस बात का बहाना ले की प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है न्यायालय अपने कार्रवाई चुनाव के बाद करें। वरना प्रक्रिया बाधित होगी। कोर्ट ने इसी तर्क के आधार पर चुनाव आयोग से कहां संदर्भ की प्राथमिकता है इसलिए आपको तय समय सीमा पर अपना कार्य करना चाहिए। याचिकाकर्ताओं की ओर से जब यह कहा गया की 22 लाख लोगों को जनवरी की समरी रीवीजन के बाद चुनाव आयोग मृत बता रहा है, तो सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट कहा कि आप 15 मतदाता ऐसे ला देना जिन्हें मृत बताया गया है और वह जीवित है। तो कोर्ट सख्ती से अपना काम करेगा। बीते दिनों सुप्रीम कोर्ट ने आधार कार्ड और मतदाता पहचान पत्र को आवश्यक दस्तावेज में शामिल करने की बात कही थी और इन 66 लाख मतदाताओं पर जिनका नाम ड्राफ्ट सूची में ना आने पर उनके पास कोई अधिकार नहीं रहता उन्हें भी नाम काटे जाने की स्थिति में दोबारा जुड़वाने के लिए आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करने के बाद सुनने की बात कह कर चुनाव आयोग का किकर्तव्यविमुढ कर दिया है।

क्योंकि एसआईआर को लेकर कई गड़बड़ियों का जिक्र पहले ही हो चुका है मनोज झा ने राजद की ओर से दायर अपने याचिका में पहले ही ऐसे मतदाताओं के नाम की सूची दर्ज की है जिसमें मरने के बाद भी उनके नाम मतदाता सूची में शामिल है और आधार कार्ड और मतदाता एपिक कार्ड के बाद जिन लोगों के बिना दस्तावेज के फॉर्म भी सबमिट किए गए हैं अपलोड किए गए हैं उनके लिए भी एक बहुत बड़ा आधार बन जाएगा अपना नाम सूची में अंकित रखवाने के लिए।

-फेसबुक वॉल से

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- bly.editor@amritvichar.com, info@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की सख्ती, रैगिंग निषेध अधिनियम में सजा का प्रावधान और शैक्षिक संस्थानों द्वारा की जाने वाली सतत निगरानी से मेडिकल और इंजीनियरिंग कॉलेजों में प्रथम वर्ष में दाखिला लेने वाले छात्रों को मानसिक व शारीरिक यातना देने वाली रैगिंग भले ही रुक गई हो, लेकिन जिस तरह से डिजिटल रैगिंग के मामले सामने आने शुरू हुए हैं, उसने मेडिकल और इंजीनियरिंग कॉलेजों के नए सत्र को लेकर तमाम चिंताएं खड़ी कर दी हैं।

जॉब अलर्ट

आईबी में 4,987 पदों पर भर्ती

- गृह मंत्रालय के तहत इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) ने सिक्योरिटी असिस्टेंट तथा एग्जीक्यूटिव के पद पर 4,987 रिक्तियों की घोषणा की है। आवेदन प्रक्रिया शुरू हो चुकी है, जो 17 अगस्त तक चलेगी। इच्छुक और योग्य उम्मीदवार आधिकारिक वेबसाइट www.mha.gov.in/en/notifications/vacancies पर जाकर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

बीएसएफ में ट्रेड्समैन नियुक्ति

- बार्डर सिक्योरिटी फोर्स (बीएसएफ) में 3588 कुक, मोची, नाई, वॉशरमैन, वॉटर कैरियर, कारपेंटर, स्वीपर जैसे ट्रेड्समैन के पदों पर भर्ती की जाएगी। इसके लिए किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से 10वीं पास और संबंधित ट्रेड में आईटीआई के प्रमाणपत्र धारक 25 अगस्त तक आवेदन कर सकते हैं।

पैरामेडिकल भर्ती, एमपी

- मध्य प्रदेश कर्मचारी चयन मंडल ने पैरामेडिकल के 752 पदों पर भर्ती निकाली है। आवेदन 11 अगस्त तक कर सकते हैं। इच्छुक उम्मीदवार आधिकारिक वेबसाइट esb.mp.gov.in पर आवेदन कर सकते हैं।

अग्निवीर के आवेदन

- भारतीय सेना/नौसेना/वायु सेना में अग्निवीर भर्ती-2025 के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 5 अगस्त 2025 है। इसके बाद लिखित व शारीरिक परीक्षा होगी।

सीआरपीएफ कांस्टेबल

- सीआरपीएफ हेड कांस्टेबल मिनिस्टीरियल और एएसआई स्टेनो भर्ती के लिए आवेदन की अंतिम तारीख 12 अगस्त 2025 निर्धारित की गई है।

मध्य प्रदेश शिक्षक भर्ती

कुल पद	13089
योग्यता	ग्रेजुएट
अंतिम तिथि	06/08/2025

पूर्वी रेलवे में अप्रेंटिस

कुल पद	3115
योग्यता	10वीं
अंतिम तिथि	08/08/2025

इस हफ्ते प्रतियोगी परीक्षाएं

नीट पीजी -2025

- इस परीक्षा का इंतजार खत्म हो गया है। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर तीन अगस्त को परीक्षा आयोजित की जाएगी। पहले यह परीक्षा 15 जून को होने वाली थी।

यूपीएससी सीएपीएफ

- संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की सीएपीएफ परीक्षा तीन अगस्त को दो पालियों में आयोजित होगी।

बड़े काम की बात

बीटेक में दाखिला लें अथवा बीई का विकल्प चुन सकते

- बीटेक (बैचलर ऑफ टेक्नोलॉजी) और बीई (बैचलर ऑफ इंजीनियरिंग) दोनों ही चार साल की अंडर ग्रेजुएट इंजीनियरिंग डिग्री हैं। लेकिन दोनों के कोर्स में कुछ अंतर है। बीटेक पाठ्यक्रम जहां प्रौद्योगिकी और व्यावहारिक अनुप्रयोगों पर अधिक केंद्रित रहता है, इसमें तकनीकी और सॉफ्टवेयर विषयों पर अधिक जोर दिया जाता है। इसके मुकाबले बीई में पारंपरिक इंजीनियरिंग विषयों के सैद्धांतिक ज्ञान और सिद्धांतों पर अधिक ध्यान केंद्रित किया जाता है। बीटेक में व्यावहारिक और परियोजना आधारित शिक्षा पर अधिक जोर रहता है, जबकि बीई में सैद्धांतिक ज्ञान के साथ डिजाइन पर अधिक जोर रहता है। इन्हीं कारणों से बीटेक को बीई की तुलना में अधिक उद्योग उन्मुख माना जाता है। बीटेक में प्रवेश आमतौर पर जेईई या राज्यों की संयुक्त प्रवेश परीक्षा के माध्यम से होता है, वहीं बीई में प्रवेश विश्वविद्यालय आधारित प्रवेश परीक्षाओं के जरिए होता है। हालांकि ऑल इंडिया काउंसिल फॉर टेक्निकल एजुकेशन दोनों डिग्रियों को समान मान्यता देता है, और दोनों पाठ्यक्रमों के लिए नौकरी के अवसर भी समान हैं। बीई डिग्री प्रदान करने वाले प्रसिद्ध संस्थान बिट्स पिलानी, अन्ना विश्वविद्यालय हैं, जबकि आईआईटी, एनआईटी जैसे संस्थान बीटेक डिग्री प्रदान करते हैं।

डिप्लोमा धारकों के लिए है बीटेक लैटरल एंट्री

- बीटेक लैटरल एंट्री उन छात्रों के लिए है, जो डिप्लोमा धारक हैं और अब आगे इंजीनियरिंग की पढ़ाई करना चाहते हैं। इंजीनियरिंग में डिप्लोमा करने वालों के लिए में बीटेक लैटरल एंट्री एक शानदार विकल्प है। इस प्रोग्राम के जरिए सीधे बीटेक में दूसरे साल की पढ़ाई शुरू की जा सकती है। यह खास मौका उन छात्रों के लिए होता है जो 10वीं या 12वीं के बाद तीन साल का इंजीनियरिंग डिप्लोमा कर चुके हैं।

कॉलेज में पहला कदम...
डिजिटल रैगिंग का डर

डिजिटल रैगिंग को साइबर बुलिंग भी कहा जाता है। यह तेजी से पांव पसारती हुई गंभीर समस्या है, जो पीड़ित छात्र को मानसिक और भावनात्मक रूप से आहत करती है। साइबर बुलिंग में ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के दुरुपयोग से किसी को परेशान करने के साथ डराया या अपमानित किया जाता है। शैक्षणिक संस्थानों में साइबरबुलिंग के शिकार छात्र भावनात्मक रूप से गंभीर पीड़ित हो सकते हैं। उनके आत्मसम्मान और शैक्षणिक प्रदर्शन पर असर पड़ सकता है। अलग-थलग पड़कर पढ़ाई में रुचि खोकर कक्षाएं तक छोड़ सकते हैं। केंद्र सरकार द्वारा राज्यसभा में दी गई जानकारी के मुताबिक वर्ष 2024 में मेडिकल कॉलेजों में रैगिंग की सबसे अधिक 33 शिकायतें उत्तर प्रदेश से आई थीं। बिहार में इस तरह की 17, राजस्थान में 15 और मध्यप्रदेश से 12 शिकायतें मिली थीं।

कैसे होती है डिजिटल रैगिंग या ट्रोलिंग, ऐसे होगी रोकथाम

डिजिटल रैगिंग ऑनलाइन प्लेटफॉर्म जैसे सोशल मीडिया, मैसेजिंग ऐप्स, या ईमेल के माध्यम से की जाती है। किसी को सोशल मीडिया पर लगातार अपमानजनक संदेश भेजना या अभद्र भाषा का प्रयोग करना, ऑनलाइन उत्पीड़न की श्रेणी में आता है। इसी तरह किसी को परेशान करने के लिए सामूहिक रूप से टिप्पणी करना या संदेश भेजना ट्रोलिंग में आता है। किसी की प्रोफाइल फोटो या निजी जानकारी का उपयोग करके फर्जी प्रोफाइल बनाकर दुरुपयोग करना ऑनलाइन झूठी और अपमानजनक बातें फैलाने को भी इसमें शामिल किया गया है। सरकार ने रैगिंग रोकने के लिए मेडिकल कॉलेजों और अन्य संस्थानों में रैगिंग की रोकथाम और निषेध विनियम 2021 का पालन अनिवार्य किया है। राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) ने भी डिजिटल रैगिंग की घटनाओं का संज्ञान लेते हुए नियमित निगरानी के निर्देश दिए हैं।

फर्जी आईडी से जूनियर छात्रों को मैसेज और फोन कॉल

कानपुर के एक मेडिकल कॉलेज के सीनियर छात्रों ने भी कुछ दिनों पहले एमबीबीएस प्रथम वर्ष के छात्रों के हॉस्टल के चारों तरफ सीसीटीवी कैमरे और सुरक्षा गार्डों का पहरा देखकर ई-रैगिंग का रास्ता खोजा था। फर्जी इंस्टाग्राम आईडी बनाकर जूनियर छात्रों को मैसेज भेजकर रैगिंग की गई। कुछ सीनियर छात्रों ने फर्जी इंस्टाग्राम आईडी बनाकर अलग-अलग स्थानों से मैसेज और फोन कॉल करके जूनियर छात्रों को मानसिक प्रताड़ना दी। पीड़ित छात्रों के इंस्टाग्राम चैट का स्क्रीन शॉट और फोन कॉल की डिटेल लिए जाने पर मामले का खुलासा हुआ। साइबर सेल की जांच में पता चला कि सीनियर छात्रों ने फर्जी इंस्टाग्राम प्रोफाइल बनाई थी। कॉलेज प्रशासन ने हॉस्टल में रैगिंग के आरोप में आठ सीनियर छात्रों को छह महीने के लिए सस्पेंड करके सेमेस्टर परीक्षा में बैठने से रोक दिया था।

75%

मामले झूठी अफवाह, सामाजिक बहिष्कार और चिढ़ाऊ नाम आदि से संबंधित होते हैं।

सुरक्षित डिजिटल स्पेस चाहिए तो चुप न रहें

डिजिटल रैगिंग या साइबर बुलिंग शैक्षणिक संस्थानों में भय और अविश्वास की संस्कृति बढ़ाती है। इसके बावजूद अक्सर पीड़ित छात्र चुप रह जाते हैं। घटनाओं की संस्थान या पुलिस में रिपोर्ट नहीं करते। इसके पीछे उन्हें शर्मिंदगी का डर और विधायी उपायों की जानकारी नहीं होना होता है। हालांकि सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम-2000 और उसके बाद के संशोधन कुछ कानूनी उपाय प्रदान किए हैं, लेकिन इनका प्रवर्तन बड़ी चुनौती है। ऐसे में युवाओं को सुरक्षित डिजिटल स्पेस प्रदान करने के लिए जागरूकता जरूरी है। प्रौद्योगिकी कंपनियों को भी सामग्री नियंत्रण में सुधार करके, अपमानजनक व्यवहार रोकने वाले टूल्स उपलब्ध कराने चाहिए।

80%

भारत में साइबर बुलिंग की दर है, किशोरों और युवाओं के बीच। मैकेफी के 'हिडेन इन प्लेन साइट' अध्ययन में भारत को दुनिया के सर्वाधिक प्रभावित देशों में बताया गया है।

फर्जी आईडी या प्रोफाइल से छात्रों को मानसिक और भावनात्मक रूप से आहत करने की बढ़ती घटनाओं ने खड़े किए नए सवाल

लेखक: मानस सेठ, युवा उद्यमी हैं और शैक्षिक व सामाजिक कार्यों से जुड़े हैं

एक-दूसरे को थप्पड़ मारने का टॉस्क और रेन डांस

बीएचयू में डिजिटल रैगिंग के दौरान प्रथम वर्ष के छात्रों को एक-दूसरे को थप्पड़ मारने का टॉस्क दिया गया। कूलर में पानी भरवाने के साथ ही पानी में भिगोकर डांस भी करवाया गया। विरोध जताने वाले जूनियर छात्रों को कक्षा से बहिष्कार की धमकी दी गई। प्रताड़ित छात्रों ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग को ई मेल से शिकायत की तो बीएचयू के एंटी रैगिंग सेल ने जांच की और 28 छात्रों को दोषी पाया।

नई किताबें

- अमेजन बुकशॉप पर उपलब्ध मैट रिचटेल की पुस्तक-हम कैसे बड़े होते हैं, में स्मार्ट फोन की दिलचस्प बहस को आगे बढ़ाती हुई गैर-काल्पनिक कथा को पिरोया गया है। पुलित्जर पुरस्कार विजेता न्यूयॉर्क टाइम्स के पत्रकार मैट रिचटेल द्वारा लिखी गई यह पुस्तक इस बहस के साथ शुरू होती है कि क्या स्मार्टफोन का इस्तेमाल किशोरों में चिंता और अवसाद बढ़ा रहा है। पुस्तक में किशोरों के मानसिक स्वास्थ्य संकट के अस्तित्व पर सवाल उठाने के बजाय, रिचटेल का मानना है कि आज किशोरों द्वारा महसूस किया जा रहा संकट उस दुनिया के लिए एक उचित प्रतिक्रिया है, जिसकी चुनौतियां शारीरिक की बजाय अमूर्त और बौद्धिक होती जा रही हैं। किशोरावस्था बदल गई है। यौवन की उम्र कम हो गई है, जिससे युवा पहले से कहीं अधिक समय तक असुरक्षित स्थिति में फंसे रहते हैं और स्मार्टफोन के प्रलोभनों के लिए विशेष रूप से खुले होते हैं।

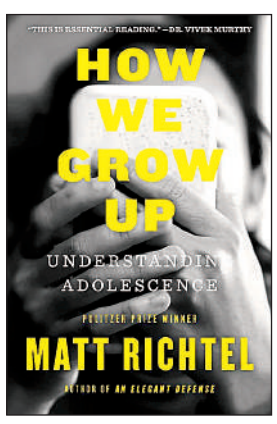

- लुसेंट की लिखी प्राथमिक अंकगणित पुस्तक गागर में सागर जैसी है। यह पुस्तक गणितीय अवधारणाओं को समझने और सीखने के साथ प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले छात्र-छात्राओं के लिए बेहद उपयोगी है। इसमें अंकगणित के बुनियादी सिद्धांतों को स्पष्ट रूप से समझाया गया है। पुस्तक प्रतियोगी परीक्षाओं एसएससी, रेलवे, बैंकिंग आदि की तैयारी के लिए महत्वपूर्ण प्रश्नों के साथ उनका समाधान भी उपलब्ध कराती है। पुस्तक एनसीईआरटी पाठ्यक्रम पर आधारित है। जिससे प्रतियोगी परीक्षाओं में अधिकतर सवाल पूछे जाते हैं। पुस्तक में छात्रों को अभ्यास करने और अपनी समझ की जांच करने के लिए पर्याप्त प्रश्न दिए गए हैं। पुस्तक अमेजन, फ्लिपकार्ट, मीशो पर ऑनलाइन के अलावा बाजार में भी उपलब्ध है।

लेखक : प्रो. क्षमा त्रिपाठी, कानपुर

देश के सबसे पुराने कॉलेज ने देश भर के गैर आईआईटी संस्थानों में बनाई नई साख

रसोई से रोबोट तक मतलब एचबीटीयू

कानपुर स्थित हरकोर्ट बटलर टेक्निकल यूनिवर्सिटी (एचबीटीयू) तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में एक शताब्दी से अधिक के गौरवशाली इतिहास का मजबूत प्रकाश स्तंभ है। ऑयल, पेंट, प्लास्टिक, फूड, लेदर टेक्नालॉजी के साथ संस्थान आईटी और कम्प्यूटर साइंस में भी अपना कमाल दिखा रहा है। साल 1921 में अपनी स्थापना के बाद से संस्थान ने देश के औद्योगिक और तकनीकी विकास में यादगार भूमिका निभाई है। संस्थान ने आईआईआरएफ रैंकिंग- 2024 में पहले गैर आईआईटी संस्थान के रूप में टॉप- 10 संस्थानों में जगह बनाकर अपनी प्रतिष्ठा को नया आयाम दिया है।

एचबीटीयू की शुरुआत 1920 में कानपुर में सरकारी अनुसंधान संस्थान की स्थापना के साथ हुई थी। यह पहल सर स्पेंसर हरकोर्ट बटलर की दूरदर्शिता से प्रेरित थी, जो उस समय संयुक्त प्रांत (उत्तर प्रदेश का पूर्ववर्ती नाम) के गवर्नर थे। कानपुर की उस समय की औद्योगिक स्थिति के अनुरूप चमड़ा, रंगाई, चीनी के रसायन विज्ञान को गति देने के लिए इस संस्थान की आवश्यकता महसूस की गई। 25 नवंबर,1921 को सर स्पेंसर हरकोर्ट बटलर ने मुख्य भवन की आधारशिला रखी । प्रतिष्ठित डाई वैज्ञानिक डॉ. ईआर वॉटसन को पहला प्रिंसिपल नियुक्त किया गया। 1926 में इसका नाम बदलकर हरकोर्ट बटलर टेक्नालॉजिकल इंस्टीट्यूट (एचबीटीआई) किया गया। पहली सितंबर, 2016 को उत्तर प्रदेश सरकार ने संस्थान का हरकोर्ट बटलर टेक्निकल यूनिवर्सिटी (एचबीटीयू) के रूप उन्नयन कर दिया।

ह्यूमैनिटीज और सोशल साइंसेज को भी स्थान

एचबीटीयू को मुख्य रूप से चार अलग-अलग स्कूलों इंजीनियरिंग, केमिकल, बेसिक एंड एप्लाइड साइंसेज तथा स्कूल ऑफ ह्यूमैनिटीज एंड सोशल साइंसेज में व्यवस्थित किया गया है । इनके अंतर्गत 13 स्नातक (बीटेक) कार्यक्रम तथा बीबीए, 11 एमटेक कार्यक्रमों के साथ एमसीए, एमबीए के अलावा भौतिकी, रसायन विज्ञान और गणित में एमएससी डिग्री एवं सभी विभागों में पीएचडी कार्यक्रम संचालित हैं । विश्वविद्यालय के सिविल, मैकेनिकल, इलेक्ट्रॉनिक्स और केमिकल इंजीनियरिंग विभाग पीएचडी कार्यक्रमों के लिए गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम केंद्रों के रूप में मान्यता प्राप्त हैं।

आरएंडडी में पहला स्थान नवाचार विनिमय में छलांग

- एचबीटीयू एक उत्कृष्टता केंद्र वाला संस्थान है जिसमें अनुसंधान और विकास (आर एंड डी) तथा इनक्यूबेशन पर विशेष जोर है। विश्वविद्यालय ने आरएंडडी योजनाओं को सफलतापूर्वक पूरा करने का ट्रैक रिकॉर्ड बनाया है। अनुसंधान और एमओयू श्रेणी में बेहतरीन प्रदर्शन करने पर भारतीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क रैंकिंग में एचबीटीयू को सभी राज्य विश्वविद्यालयों में प्रथम स्थान मिला है। संस्थान ने कैंपस में आरएंडडी का उन्नत केंद्र स्थापित करने के लिए जर्मन बहुराष्ट्रीय निगम नार्डिश एनर्जी सिस्टम्स के साथ एमओयू किया है।

केमिकल, पेंट, ऑयल और फूड टेक्नालॉजी में बादशाहत

- एचबीटीयू में हालिया प्लेसमेंट में केमिकल इंजीनियरिंग ने कंप्यूटर साइंस और आईटी इंजीनियरिंग को पछाड़ दिया। केमिकल इंजीनियरिंग के 66 छात्रों को 78 से ज्यादा जॉब ऑफर मिले। दूसरे स्थान पर पेंट, ऑयल और फूड टेक्नोलॉजी में 95 फीसदी और तीसरे नंबर पर इलेक्ट्रिकल और मैकेनिकल ब्रांच में 90 फीसदी छात्रों का प्लेसमेंट हुआ।

बाजार	सेंसेक्स ↑	निफ्टी ↑
बंद हुआ	81,481.86	24,855 .05
बढ़त	81,481.86	+33 .95
प्रतिशत में	0 .18	0 .14

सोना : 98,520 प्रति 10 ग्राम

चांदी : 1,14,000 प्रति किलो

अमृत विचार

बरेली, गुरुवार, 31 जुलाई 2025

www.amritvichar.com

म्यूचुअल फंड उद्योग पर निवेश की बारिश

वित्त वर्ष की पहली तिमाही में औसत निवेश बढ़ा, बड़े-छोटे दोनों तरह के फंड हाउस निवेशकों को जोड़ने में सफल

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। भारतीय म्यूचुअल फंड उद्योग में निवेशकों के औसत निवेश यानी औसत एयूएम प्रति फोलियो में चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही के दौरान उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। एम्फी के आंकड़ों पर किए गए विश्लेषण के मुताबिक, मार्च 2025 में यह आंकड़ा रुपये 2.87 लाख था, जो जून 2025 तक बढ़कर 3.12 लाख हो गया है।

एयूएम प्रति फोलियो में यह बढ़त दर्शाती है कि निवेशकों का भरोसा म्यूचुअल फंड में लगातार बढ़ रहा है और वे उच्च मूल्य की निवेश योजनाओं की ओर आकर्षित हो रहे हैं। जहां कुछ फंड हाउस बड़े निवेशकों को आकर्षित कर रहे हैं, वहीं कई फंड हाउसों में छोटे लेकिन तेजी से बढ़ते निवेशक आधार को जोड़ने की रणनीति दिख रही है। जून 2025 के आंकड़ों के अनुसार, यूनिफी म्यूचअल फंड ने एक बार फिर रुपये 15.72 लाख प्रति फोलियो के औसत एयूएम के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया है। इसके बाद ओल्ड ब्रिज म्यूचअल फंड 6.33 लाख और एसबीआई म्यूचअल फंड रुपये 6.02 लाख के औसत निवेश के साथ दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे हैं।

अन्य प्रमुख फंड हाउसों में एचएसबीसी म्यूचुअल फंड 5.47 लाख, कोटक म्यूचुअल फंड 5.31 लाख, इनवेस्को, बंधन और ट्रस्ट म्यूचअल फंड भी उच्च औसत निवेश स्तर पर कायम हैं। मार्च से जून 2025 के बीच के बदलावों को देखने पर, ओल्ड ब्रिज म्यूचुअल फंड ने रुपये 1.25 लाख की सर्वाधिक वृद्धि दर्ज की। एचएसबीसी म्यूचुअल फंड रुपये 69,423 की बढ़ोतरी के साथ दूसरा स्थान पाया, जबकि ट्रस्ट ने रुपये 58,193 की बढ़त के साथ तीसरा स्थान हासिल किया।

बाजार की स्थिरता से तेज हो सकता फंड निवेश

आर्थिक विशेषज्ञ राजीव सिंह के अनुसार, आने वाली तिमाहियों में अगर बाजार स्थिरता बनाए रखता है, तो म्यूचुअल फंड पर निवेशकों के भरोसे का ट्रेंड और तेज हो सकता है। उनके मुताबिक एंजिल वन म्यूचुअल फंड ने सबसे अधिक 96 .57 फीसदी की वृद्धि दर्ज की है। लेकिन इसका टिकट साइज अभी भी रुपये 31,000 के करीब ही है। ग्रो म्यूचअल फंड, जो युवाओं में तेजी से लोकप्रिय हो रहा है, ने रुपये 4,133 की बढ़ोतरी के साथ 29 .50 फीसदी वृद्धि हासिल की है। इसी तरह यूनिफी म्यूचुअल फंड ने भले ही सबसे ऊंचा औसत टिकट साइज बनाए रखा हो, लेकिन इस तिमाही में इसके औसत एयूएम प्रति फोलियो में रुपये 1 .32 लाख की गिरावट यानी 7 .7 फीसदी की कमी आई है।

लगातार दूसरे दिन तेजी से सेंसेक्स 144 अंक चढ़ा

मुंबई। स्थानीय शेयर बाजार में बुधवार को लगातार दूसरे दिन तेजी रही और बीएसई सेंसेक्स 144 अंक मजबूत बंद हुआ। वहीं, एनएसई निफ्टी 34 अंक के लाभ में रहा। मुख्य रूप से लॉर्सन एंड टुब्रो के शेयर में भारी लिवाली से बाजार में तेजी आई। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 143 .91 अंक यानी 0 .18 प्रतिशत की बढ़त के साथ 81,481 .86 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान, एक समय यह 281 .01 अंक तक चढ़ गया था। पचास शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 33 .95 अंक यानी 0 .14 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24,855 .05 अंक पर बंद हुआ। विश्लेषकों ने कहा कि अमेरिकी व्यापार समझौते को लेकर अनिश्चितता और विदेशी संस्थागत निवेशकों की पूंजी निकासी ने बाजार की तेजी पर अंकुश लगाया। सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में, लार्सन एंड टुब्रो में 4 .87 प्रतिशत की तेजी आई। इसका कारण बुनियादी ढांचा क्षेत्र की प्रमुख कंपनी के शुद्ध लाभ में अच्छी वृद्धि है। टाटा मोटर्स में सबसे ज्यादा 3 .47 प्रतिशत की गिरावट आई। विभिन्न रिपोर्ट में कहा गया है कि वाहन विनिर्माता कंपनी 4 .5 अरब डॉलर के सौदे में इटली की कंपनी की ट्रक इकाई का अधिग्रहण करने के लिए बातचीत कर रही है।

अमेरिका का ऊंचा शुल्क चौंकाने वाला झींगा निर्यात पर पड़ेगा गंभीर असर

- कृषि अर्थशास्त्री अशोक गुलाटी ने कहा- ऊंचा शुल्क लगाने का फैसला बहुत बुरा

नई दिल्ली, एजेंसी

कृषि अर्थशास्त्री अशोक गुलाटी ने कहा है कि अमेरिका के 25 प्रतिशत के ऊंचे शुल्क और जुर्माने से भारत के समुद्री खाद्य निर्यात, विशेष रूप से झींगा मछली के निर्यात पर 'गंभीर' असर पड़ेगा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को भारत पर 25 प्रतिशत का शुल्क और रूस से सैन्य खरीद को लेकर जुर्माना लगाने की घोषणा की है।

यह शुल्क एक अगस्त से लागू होगा। गुलाटी ने कहा कि ट्रंप का सभी भारतीय वस्तुओं पर ऊंचा शुल्क लगाने का फैसला बहुत बुरा और चौंकाने वाला है। उन्होंने कहा कि उन्हें केवल 10-15 प्रतिशत शुल्क की उम्मीद थी। उन्होंने बताया, यह स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि ट्रंप अप्रत्याशित और दंडात्मक रुख वाले हैं। गुलाटी ने कहा कि इस कदम से देश के झींगा निर्यात पर 'गंभीर' असर पड़ेगा तथा कम शुल्क और अमेरिका से करीबी भौगोलिक नजदीकी रखने वाले इक्वाडोर को फायदा होगा। झींगा निर्यात के अलावा, भारत के वस्त्र उद्योग पर उच्च अमेरिकी शुल्क का प्रभाव भी देखने को मिलेगा।

उन्होंने कहा, भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौते से हमें जो बड़ा लाभ मिलता है, वह उच्च अमेरिकी शुल्क के कारण बेअसर हो जाएगा। वित्त वर्ष 2024-25 में भारत का झींगा निर्यात लगभग 4.88 अरब डॉलर पर पहुंच गया, जो कुल समुद्री खाद्य निर्यात का 66 प्रतिशत है।

अमेरिकी शुल्क देखने में गंभीर, लेकिन समझौता करने वाले देशों के मुकाबले भारत की स्थिति खराब नहीं

नई दिल्ली। शोध संस्थान जीटीआरआई ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भारतीय वस्तुओं पर 25 प्रतिशत शुल्क और जुर्माना लगाने की घोषणा भले ही गंभीर लग रही हो, लेकिन भारत की स्थिति अमेरिका के साथ व्यापार समझौते करने वाले देशों से ज्यादा खराब नहीं है। ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) ने कहा कि ब्रिटेन, यूरोपीय संघ, जापान, इंडोनेशिया और वियतनाम अब उच्च शुल्क का सामना कर रहे हैं और बदले में उन्होंने काफी रियायतें दी हैं। इन रियायतों में अमेरिकी कृषि उत्पादों पर शून्य शुल्क, बड़े पैमाने पर निवेश के वादे और अमेरिकी तेल, गैस और हथियारों की खरीद शामिल हैं। जबकि भारत ने ऐसी कोई रियायत नहीं दी है। जीटीआरआई के संस्थापक अजय श्रीवास्तव ने कहा, हालांकि, ट्रंप ने भारतीय वस्तुओं पर 25 प्रतिशत शुल्क और जुर्माना लगाने की घोषणा कठोर लग सकती है, लेकिन करीब से देखने पर पता चलता है कि भारत की स्थिति अमेरिका से समझौते करने वाले देशों से ज्यादा खराब नहीं है।

बिजनेस ब्रीफ

धन की हेराफेरी मामले में प्रतिबंध कायम

नई दिल्ली। सेबी ने बुधवार को धन की हेराफेरी और कॉरपोरेट कामकाज की विफलताओं को लेकर चिंताओं के चलते जेनसोल इंजीनियरिंग और उसके पूर्व निदेशकों- अनमोल सिंह जग्गी व पुनीत सिंह जग्गी को प्रतिभूति बाजारों से प्रतिबंधित करने के अपने अंतरिम आदेश को बरकरार रखा। इसके अलावा, नियामक ने कहा कि इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) यात्रा मंच ब्लूस्मार्ट मोबिलिटी के सह-संस्थापक जग्गी बंधु जेनसोल में निदेशक या प्रमुख प्रबंधकीय पद नहीं ले सकेंगे। यह अंतिम आदेश ऐसे समय में आया है जब कंपनी अदालत द्वारा नियुक्त एक पेशेवर की देखरेख में दिवाला कार्यवाही के तहत है।

एआई से 1.8 करोड़ नौकरियां होंगी प्रभावित

मुंबई। एजेंटिक कृत्रिम मेधा (एआई) का चलन बढ़ने से अगले पांच वर्षों के भीतर विनिर्माण, खुदरा और शिक्षा क्षेत्रों की करीब 1.8 करोड़ नौकरियां प्रभावित हो सकती हैं। बुधवार को जारी एक रिपोर्ट में यह आशंका जताई गई। 'सर्विसनाउ' की रिपोर्ट के मुताबिक, वर्ष 2030 तक एआई से उपजे व्यापक व्यवधान का सर्वाधिक प्रभाव विनिर्माण क्षेत्र पर पड़ेगा जहां 80 लाख नौकरियां प्रभावित होंगी। इसके मुताबिक, अगले पांच साल में खुदरा क्षेत्र में 76 लाख और शिक्षा क्षेत्र में 25 लाख नौकरियों के भी इस बदलाव की चपेट में आने की आशंका है।

वाहन उद्योग को पहले स्थान पर लाना लक्ष्य

नई दिल्ली। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बुधवार को कहा कि सरकार ने वाहन उद्योग में भारत को दुनिया का अग्रणी देश बनाने का लक्ष्य रखा है। गडकरी ने यहां एक कार्यक्रम में कहा कि वाहन क्षेत्र ने अबतक देश में 4 .5 करोड़ लोगों को रोजगार दिया है, जो किसी भी अन्य क्षेत्र की तुलना में सबसे अधिक है। उन्होंने कहा, भारतीय वाहन उद्योग का आकार अब 22 लाख करोड़ रुपये हो गया है। हम सभी का मिशन है कि इस उद्योग को दुनिया में पहले स्थान पर लेकर जाएं।

घटती गई दाल मिलें और महंगा होता गया जायका

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- एक दशक पहले बरेली में थीं 40 से 45 मिलें अब सिर्फ 16 ही कर रहीं दाल की सप्लाई

अमृत विचार: बाजार में जिस तरह दालों की मांग बढ़ रही है, उस तरह से बरेली में दालों की पैदावार नहीं हो रही है। दाल के दाम भी लगातार बढ़ रहे हैं। स्थानीय पैदावार कम होने की वजह से दाल मिलें भी कम होती गईं। कारोबारी बताते हैं कि एक दशक पहले तक जहां जिले में 40 से 45 दाल मिलें हुआ करती थीं लेकिन अब संख्या घटकर 15 से 16 रह गई है। वहीं सालाना होने वाले कारोबार को भी बड़ा झटका लगा है।

कारोबारियों के अनुसार जिला तो दूर मंडल भर में दलहन की खेती न के बराबर है। बरेली के रामगंगा पार वाले कुछ गांवों में सिर्फ मसूर की खेती होती है। मिलों में राजस्थान, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र से कच्चे माल की खरीद कर उसे तैयार कर बेचा जा रहा है। सरकार को इस ओर ध्यान देते हुए किसानों को दलहन की खेती करने को प्रोत्साहित करना चाहिए। कृषि विभाग के अनुसार जिले में दलहन का रकबा साढ़े सात हजार हेक्टेयर ही है।

जहां से माल आता है वहां लग गईं मिलें

दाल का कारोबार बेपटरी होने का एक प्रमुख कारण यह है कि बीते 7 से 8 साल तक कारोबारी राजस्थान, मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र समेत अन्य राज्यों से माल मंगाते थे लेकिन अब वहां भी मिलें स्थापित हो गईं हैं जिसके चलते माल की आपूर्ति भी घटी है। इसी वजह से मिलें भी बंद हुई हैं।

सालाना कारोबार में आई भारी गिरावट

कारोबारियों के अनुसार पांच साल पहले तक जिले में दालों का कारोबार करीब 500 करोड़ तक था लेकिन पिछले तीन साल से 200 से 250 करोड़ तक ही टर्नओवर रहे गया है। जिससे कारोबारियों का भी मोहभंग हो रहा है।

दाल की पैदावार न के बराबर

मंडल में दाल की पैदावार न के बराबर होने से साल दर साल दाल मिलों की संख्या घट रही है। महज 15 से 16 मिलें ही बची हैं। दाल का उत्पादन बढ़ाने के लिए सरकार को किसानों को प्रोत्साहित करने की जरूरत है।

- कैलाश मित्तल

दाल का कारोबार साल दर साल घट रहा है। इसका मुख्य कारण है कि मंडल में दाल का रकबा कम हो गया है। एक दशक पहले तक भी दलहन कारोबार का हाल ठीक था लेकिन अब गिरावट हो रही है।

-नीरज खंडेलवाल

दलहन का कच्चा माल राजस्थान, महाराष्ट्र समेत अन्य राज्यों से मंगाते हैं लेकिन अब इन राज्यों में भी बड़ी संख्या में मिलें स्थापित हो गई है। जिसका असर बरेली मंडल ही नहीं पूरे यूपी पर पड़ा है। कारोबार लगातार प्रभावित हो रहा है।

- संजीव

दालों के थोक मूल्य (प्रति किलो में)

अरहर -	90 से 110
मसूर-	75 से 120
मूंग -	100 से 110
उड़द -	90 से 110
चना -	75 से 80

टाटा मोटर्स अब इटली के इवेको ग्रुप का 38,240 करोड़ में करेगा अधिग्रहण

नई दिल्ली। देश की प्रमुख वाहन विनिर्माता टाटा मोटर्स ने बुधवार को इटली की वाणिज्यिक वाहन कंपनी इवेको ग्रुप एनवी का करीब 3.8 अरब यूरो (लगभग 38,240 करोड़ रुपये) में अधिग्रहण करने की घोषणा की। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि उसके निदेशक मंडल की कार्यकारी समिति ने इवेको ग्रुप की 100 प्रतिशत सामान्य शेयर पूंजी के अधिग्रहण को मंजूरी दे दी है।

यह अधिग्रहण इटली की कंपनी के रक्षा व्यवसाय को छोड़कर पूरी तरह नकद भुगतान के जरिये किया जाएगा। यह अधिग्रहण सभी नियामकीय एवं कानूनी मंजूरियों के अधीन होगा। इस अधिग्रहण के तहत टाटा मोटर्स 2,71,215,400 सामान्य शेयरों के अधिग्रहण के लिए स्वैच्छिक निविदा पेशकश लेकर आएगी। इसमें प्रति शेयर 14.1 यूरो नकद भुगतान का प्रस्ताव है।

भारत में सड़क परियोजनाओं में सुरक्षा मानदंडों का पालन नहीं : आईआरएफ

नई दिल्ली, एजेंसी

- गंभीर सड़क दुर्घटनाओं की बढ़ती संख्या पर जताई चिंता, कहा- चेतावनी संकेतों की कमी, बैरिकेड का अभाव, बिना रोशनी वाले मोड़ देखे गए

अंतर्राष्ट्रीय सड़क महासंघ (आईआरएफ) की भारतीय इकाई ने बुधवार को कहा कि देश में ज्यादातर सड़क परियोजनाएं खराब तरीके से चिह्नित या बिना रोशनी वाले मोड़ जैसे बुनियादी सुरक्षा मानदंडों का पालन किए बिना ही चल रही हैं और इस कारण जानलेवा दुर्घटनाएं होती हैं।

अंतर्राष्ट्रीय सड़क महासंघ (आईआरएफ) ने बयान में पूरे भारत में सड़क निर्माण क्षेत्रों में और उसके आसपास होने वाली मौत और गंभीर सड़क दुर्घटनाओं की बढ़ती संख्या पर चिंता जतायी है। भारतीय इकाई आईआरएफ-आईसी के अध्यक्ष अखिलेश श्रीवास्तव ने कहा, कई निर्माण स्थलों पर, आईआरएफ की भारतीय इकाई ने मोड़ या लेन बंद होने के बारे में पहले से ही चेतावनी संकेतों की कमी, बैरिकेड का अभाव, खराब तरीके से चिह्नित या बिना रोशनी वाले मोड़ देखे हैं। ये बेहद खतरनाक हैं और इसके परिणामस्वरूप खासकर रात में गंभीर दुर्घटनाएं होती हैं। इसके अलावा, उन्होंने कहा कि इन क्षेत्रों में ऐसे किसी व्यक्ति की तैनाती नहीं होती जो बताए कि आगे रास्ता गड़बड़ है। इसके साथ गति नियंत्रण के उपाय भी अपर्याप्त हैं। इसके कारण आमने-सामने की टक्कर, गलत दिशा में गाड़ी चलाने और जानलेवा दुर्घटनाओं में वृद्धि हुई है, जबकि ये सभी घटनाएं रोकी जा सकती हैं। उन्होंने कहा कि बेंगलुरु-चेन्नई एक्सप्रेसवे पर हाल ही में हुई एक दुखद घटना इसका एक अच्छा उदाहरण है। चल रहे सड़क निर्माण कार्य के कारण एक बिना चिन्हित मोड़ के कारण दो वाहनों की आमने-सामने की एक जानलेवा टक्कर हुई। संकेतकों और लेन अलग करने की व्यवस्था की कमी के कारण एक वाहन गलत दिशा में चला गया।

एप्पल ने उत्पादों की खरीद के लिए वीडियो कॉल पर सलाह सेवा शुरू की

नई दिल्ली, एजेंसी

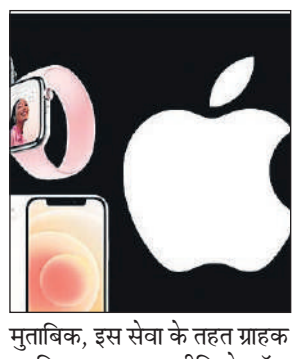

प्रौद्योगिकी कंपनी एप्पल ने भारत में संभावित ग्राहकों के लिए एक वीडियो परामर्श सेवा शुरू की है जिसके माध्यम से एप्पल विशेषज्ञ से जुड़कर उपयुक्त उत्पाद चुनने में व्यक्तिगत सलाह ली जा सकती है। कंपनी ने बुधवार को बयान में कहा कि इस सेवा के जरिये ग्राहक एप्पल के आईफोन 16 एवं अन्य उत्पादों के बारे में जान सकेंगे, मॉडल की तुलना कर सकेंगे और उनकी खरीदारी के वित्तपोषण विकल्पों की जानकारी भी ले सकेंगे।

एप्पल ने कहा कि भारत ऐसा दूसरा देश है जहां पर 'शॉप विद अ स्पेशलिस्ट ओवर वीडियो' सेवा शुरू की गई है। बयान के मुताबिक, इस सेवा के तहत ग्राहक सुरक्षित, एकतरफा वीडियो कॉल के जरिये एप्पल स्टोर टीम के सदस्य से जुड़ेंगे। विशेषज्ञ ग्राहक की जरूरत को ध्यान में रखते हुए उपयुक्त उत्पाद के बारे में सुझाव देंगे। यह सेवा आईओएस और गैर-आईओएस दोनों उपकरणों पर उपलब्ध है और फिलहाल अंग्रेजी भाषा में दी जा रही है।

देश में स्मार्टफोन की बिक्री जून तिमाही में आठ प्रतिशत बढ़ी

नई दिल्ली। भारत का स्मार्टफोन बाजार अप्रैल-जून, 2025 तिमाही में मात्रा के लिहाज से सालाना आधार पर आठ प्रतिशत बढ़ा और मार्च तिमाही की सुस्ती से उबरने में सफल रहा। शोध संस्था काउंटरपॉइंट के मासिक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। काउंटरपॉइंट ने बुधवार को एक रिपोर्ट में कहा कि समीक्षाधीन तिमाही में एप्पल के आईफोन 16 मॉडल की सबसे अधिक बिक्री दर्ज की गई। रिपोर्ट के मुताबिक, आलोच्य तिमाही में भारतीय स्मार्टफोन बाजार बिक्री मात्रा के लिहाज से आठ प्रतिशत की दर से बढ़ा जबकि बिक्री मूल्य के आधार पर यह बढ़ोतरी 18 प्रतिशत की रही।

माइक्रोसॉफ्ट ने नायरा एनर्जी की सभी सेवाएं कीं बहाल

नई दिल्ली। माइक्रोसॉफ्ट कॉर्प ने रूसी पेट्रोलियम कंपनी रोसनेफ्ट समर्थित नायरा एनर्जी की सभी सेवाएं बहाल कर दी हैं। इस कदम के बाद माइक्रोसॉफ्ट के खिलाफ दिल्ली हाईकोर्ट में दायर मुकदमे का निपटारा नायरा एनर्जी के पक्ष में कर दिया गया है। नायरा और माइक्रोसॉफ्ट दोनों कंपनियों ने ईमेल पहुंच एवं अन्य सेवाओं को बहाल किए जाने की पुष्टि की।

- याचिका का निपटारा हुआ, दोनों ही कंपनियों ने की पुष्टि

नायरा ने सेवाओं के एकतरफा निलंबन के खिलाफ उच्च न्यायालय में याचिका दायर की थी। इस पर सुनवाई से ठीक पहले माइक्रोसॉफ्ट ने सेवाएं बहाल कर दीं। नायरा एनर्जी ने बयान में कहा, कंपनी पुष्टि करती है कि उसके परिचालन के लिए महत्वपूर्ण सभी माइक्रोसॉफ्ट सेवाएं पूरी तरह से बहाल कर दी गई हैं और इसकी व्यावसायिक निरंतरता और डेटा अखंडता में कोई व्यवधान नहीं आया है। नायरा, माइक्रोसॉफ्ट कॉरपोरेशन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड की सशुल्क सेवाओं का इस्तेमाल कर रही थी। लेकिन माइक्रोसॉफ्ट ने सोमवार को ये सेवाएं अचानक और एकतरफा ढंग से बंद कर दी थीं।

रूस से कच्चा तेल आयात अमेरिका के शुल्क के बाद फिर सुर्खियों में

वाशिंगटन/नई दिल्ली, एजेंसी

- रूस-यूक्रेन संघर्ष शुरू होने से पहले भारत के आयात में रूस की हिस्सेदारी 0.2% थी

रूस-यूक्रेन युद्ध से पहले सिर्फ़ 0.2 प्रतिशत से बढ़कर अब कुल कच्चे तेल के आयात में 35-40 प्रतिशत तक पहुंचते-पहुंचते रूसी कच्चे तेल पर भारत की निर्भरता बढ़ गई है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा अमेरिका जाने वाले सभी उत्पादों पर 25 प्रतिशत शुल्क और उसके ऊपर जुर्माना लगाने की घोषणा के बाद यह एक नई जांच का विषय बन गया है। भारत ऐतिहासिक रूप से अपना अधिकांश तेल इराक और सऊदी अरब सहित पश्चिम एशिया से खरीदता रहा है।

हालांकि, फरवरी 2022 में रूस द्वारा यूक्रेन पर आक्रमण के बाद स्थिति बदल गई। चीन और अमेरिका के बाद दुनिया के तीसरे सबसे बड़े कच्चे तेल के आयातक भारत ने छूट पर उपलब्ध रूसी तेल खरीदना शुरू कर दिया। पश्चिम में कुछ लोगों ने यूक्रेन पर आक्रमण के लिए रूस को दंडित करने के साधन के रूप में इसे कच्चे तेल की आपूर्ति अस्वीकार कर दिया था। रूस-यूक्रेन संघर्ष शुरू होने से पहले भारत के आयात में रूस की बाजार हिस्सेदारी मात्र 0.2 प्रतिशत थी, लेकिन अब वह इराक और सऊदी अरब को पीछे छोड़कर यह भारत का नंबर एक आपूर्तिकर्ता बन गया है। इसकी हिस्सेदारी एक समय में 40 प्रतिशत तक पहुंच गई थी। इस महीने, रूस ने भारत द्वारा आयातित कुल कच्चे तेल का 36 प्रतिशत आपूर्ति किया, जिसे पेट्रोल और डीज़ल जैसे ईंधनों में परिवर्तित किया जाता है।

बदलाव | रेशमी और सूती धागों से निकलकर अब राखी सोने-चांदी और स्टोन के ब्रेसलेट तक पहुंच गई

बाजारीकरण में अब रक्षासूत्र भी किसी से कम नहीं

नीरज मिश्र, लखनऊ

अमृत विचार: याद कीजिए करीब डेढ़ से दो दशक पहले का वक्त जब रक्षाबंधन पर्व पर बहनें सूती, रेशमी धागों और गजरों से अपने भाइयों की कलाई भरकर उनसे अपनी रक्षा का संकल्प लेती थीं। समय के साथ इसमें बदलाव होता गया। बाजारीकरण के युग में त्योहार पर हावी होते व्यापार ने इनमें व्यापक बदलाव ला दिया है।

साल-दर-साल बढ़ते कारोबार ने राखी बाजार को भी नई स्टाइलिस्ट राखियों से भर दिया है। रेशमी और सूती धागों से निकलकर अब राखी सोने-चांदी और स्टोन के ब्रेसलेट तक पहुंच गई। धनाड्य वर्ग ने सोने-चांदी की राखियों का इस्तेमाल शुरू किया तो मध्यम और छोटे वर्ग के लोग भी पीछे नहीं रहे। स्टोनयुक्त ब्रेसलेट बाजार में लोगों की पसंदीदा राखी बन चुके हैं। कीमत ज्यादा न होने और सालभर कलाई में बंध भरोसे का यह रक्षासूत्र काफी पापुलर हो गए हैं। और तो और रिटर्न गिफ्ट के चलन ने बाजार को और गति दे दी है।

पूरे साल बहन से प्रेम का इजहार

बुलियन के स्टेट हेड अनुराग रस्तोगी कहते हैं कि परंपरागत चीजें भी बाजारीकरण के इस युग में स्टाइलिस्ट रूप ले चुकी हैं। पहले सूती और रेशमी राखियों का चलन था। ऐसा नहीं है कि यह बंद हो गई हैं। अब यह अपग्रेड होकर डिजाइनर रक्षासूत्र के रूप में बाजार में आ गई हैं। बाजारीकरण के इस दौर में यह समय अब 'पूरे साल बहन के प्यार को सहेजने' वाला बन गया है। यही वजह है कि स्टोनयुक्त ब्रेसलेट अब पूरे साल भाईयों की कलाई पर सजे नजर आएंगे।

रिटर्न गिफ्ट बने ठोस चांदी के मेवा और मिष्ठान

बहनें भाई को राखियां बांधकर उनसे रक्षा का संकल्प लेती थीं और भाई उन्हें सगुन के तौर पर कुछ न कुछ देता था। लेकिन अब बहनें भी भाइयों को देने के लिए रिटर्न गिफ्ट खरीद रहीं है। इसमें ढाई से तीन हजार का चांदी का मेवा (काजू, छुहारा, बादाम आदि) ले रही हैं। चौक के कारोबारी सिद्धार्थ और अमृत जैन बताते हैं कि ठोस चांदी की इमरती 10 हजार की है तो सात हजार की जलेबी है। यह अलबेली मिठाईयां भाई सहेज कर रखेंगे। यही नहीं सोने चांदी रत्नजड़ित आकर्षक राखियों भी बाजार में हैं। सोने और चांदी के ब्रेसलेट में चमकते हीरे और स्टोन मध्यम और धनाड्य लोगों की पसंद में है। चांदी की हल्की राखी की कीमत 2,000 से शुरू होकर 10,000 रुपये तक है। वहीं सोने में रत्नजड़ित राखियों की कीमत 25 हजार से एक लाख रुपये तक है।

वैज्ञानिक भी पीछे नहीं, तैयार की सुगंधित राखी

वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान परिषद और राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान के वैज्ञानिकों भी पीछे नहीं हैं। फूलों और पौधों से सुगंधित और पर्यावरण मित्र के तौर पर जैविक राखी तैयार की है। सीएसआईआर-एनबीआरआई के निदेशक डॉ. एके शासनी बताते हैं कि यह राखी फ्लोरल बायोडिग्रेडेबल है जिसकी कीमत ज्यादा नहीं है। महज 50 रुपए में यह उपलब्ध हो जाएगी। फूलों और पौधों से ग्रामीण महिलाओं के हाथों से तैयार इन राखियों को खरीदने के लिए आपको पहले आर्डर बुक करना होगा। बुकिंग के लिए सीएसआईआर-एनबीआरआई के बिक्री अनुभाग पर 0522-2297970 फोन नंबर पर संपर्क किया जा सकता है।

वर्ल्ड ब्रीफ

तेलंगाना: एमबीबीएस छात्र ने आत्महत्या की

करीमनगर (तेलंगाना)। आदिलाबाद स्थित राजीव गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स) में एमबीबीएस द्वितीय वर्ष के एक छात्र ने आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान जयपुर निवासी साहिल चौधरी (22) के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि साहिल दोपहर की कक्षा में शामिल नहीं हुआ था और वह कॉलेज परिसर में स्थित छात्रावास के अपने कमरे में पंखे से लटका हुआ पाया गया। साथी छात्रों ने साहिल को अनुपस्थित पाकर कर्मचारियों को इसकी सूचना दी जिन्होंने उसे अपने कमरे में बेसुध पाया। साहिल के माता-पिता को सूचित कर दिया गया है और मामला दर्ज कर लिया गया है।

थाईलैंड : पटाखों में विस्फोट, नौ की मौत

बैंकॉक। मध्य थाईलैंड में पटाखा कारखाने में बुधवार को हुए विस्फोट में कम से कम नौ लोगों की मौत हो गई। विस्फोट बैंकॉक से लगभग 95 किमी उत्तर-पश्चिम में सुफान बुरी प्रांत में हुआ। विस्फोट का कारण अभी तक ज्ञात नहीं है। हादसे के बाद दो लोगों को गंभीर हालत में अस्पताल ले जाया गया। प्रांतीय सरकार के जनसंपर्क विभाग ने बताया है कि घटना में एक व्यक्ति घायल हुआ है। लापता लोगों की संख्या अभी स्पष्ट नहीं है। घटनास्थल के वीडियो में खेतों में लकड़ी की क्षतिग्रस्त इमारतें दिखाई दे रही हैं। जनवरी 2024 में इसी क्षेत्र में हुई एक ऐसी ही घटना में लगभग 20 लोग मारे गए थे।

बाढ़: दक्षिणी म्यांमार से 2800 लोगों को निकाला

यांगून। म्यांमार के कायिन प्रांत के म्यावड्डी कस्बे में बाढ़ में फंसे 771 घरों के कुल 2,851 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। म्यांमार अग्निशमन सेवा विभाग ने कहा कि भारी बारिश के कारण थाउंग्यिन नदी का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर पहुंच गया जिसके कारण लोगों को सुरक्षित निकाला गया। मौसम एवं जल विज्ञान विभाग के अनुसार आज म्यावड्डी में नदी खतरे के निशान से लगभग 12 फीट ऊपर बह रही है और अगले दिन तक खतरा बना रहने की आशंका है।

इक्वाडोर : सशस्त्र हमले में पांच लोग मरे

क्विटो। इक्वाडोर के प्रशांत तटीय प्रांत मनाबी में मंगलवार तड़के एक तीन मंजिला मकान पर सशस्त्र हमले में पांच लोगों की मौत हो गई। पुलिस को सूचना मिलने के बाद घटनास्थल पर भेजा गया। जांच में पता चला कि हमलावरों ने पीड़ितों पर गोलियां चलाईं। मृतकों में से चार लोगों का आपराधिक रिकॉर्ड था जिनमें अवैध हथियार रखना, डकैती, हत्या और तस्करी शामिल है, पांचवां एक 16 वर्षीय लड़का था। पुलिस ने मनाबी में हिंसा में वृद्धि का कारण मादक पदार्थों की तस्करी, धनशोधन और वसूली पर नियंत्रण के लिए दो गिरोहों के बीच चल रही आपसी लड़ाई को बताया है।

यूएन ने टीआरएफ और पाकिस्तान के आतंकी संबंधों का किया पर्दाफाश

आतंकी संगठन को पाकिस्तानी नेटवर्क से जोड़ा, भारत की कूटनीतिक जीत

न्यूयॉर्क, एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) की एक रिपोर्ट में पहलगाम आतंकी हमले में पाकिस्तान में सक्रिय द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) की भूमिका का स्पष्ट रूप से उल्लेख किया गया है। इसे भारत की एक महत्वपूर्ण कूटनीतिक जीत के रूप में देखा जा रहा है।

परिषद की 1267 प्रतिबंध समिति निगरानी दल (एमटी) रिपोर्ट संयुक्त राष्ट्र की ऐसी पहली रिपोर्ट है जिसमें टीआरएफ को आतंकवादी संगठन बताते हुए इसे सीधे पाकिस्तान के आतंकवादी नेटवर्क से जोड़ा गया है। यह घटनाक्रम इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि इस समिति के सभी फैसलों पर परिषद के सदस्यों की सर्वसम्मति होती है। इस साल 22 अप्रैल को कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 26 पर्यटक मारे गए थे।

इसका रिपोर्ट का असर यह होगा कि संयुक्त राष्ट्र के ढांचे के तहत टीआरएफ की पहचान एक आतंकवादी समूह के रूप में होगी। इससे संयुक्त राष्ट्र के सभी सदस्य देशों पर 1267 व्यवस्था के तहत टीआरएफ और उससे संबंध रखने वाले लोगों या संस्थाओं के खिलाफ संपत्ति की ज़ब्ती, यात्रा, वित्तीय और हथियार बेचने पर रोक सहित दूसरे तरह के प्रतिबंधों को लागू करने की जिम्मेदारी आ जाएगी। रिपोर्ट का दक्षिण एशिया खंड पहलगाम हमले से शुरू होता है। इसमें टीआरएफ के हमले की ज़िम्मेदारी लेने और बाद में उससे मुकरने का ज़िक्र है। इसमें उसके लश्कर-ए-तैयबा से संबंधों का भी बात कही गई है।

रिपोर्ट में कहा गया है, 22 अप्रैल को पांच आतंकियों ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में एक पर्यटन स्थल पर हमला किया। इसमें 26 नागरिक मारे गए। उसी दिन हमले की ज़िम्मेदारी द रेजिस्टेंस फ्रंट यानी टीआरएफ ने ली। भारत ने पाकिस्तान पर आतंकवाद को राजकीय नीति के रूप में इस्तेमाल करने पर लगातार चिंता जताई है और संयुक्त राष्ट्र का टीआरएफ को चिन्हित करना उसकी एक बड़ी कूटनीतिक सफलता है। अमेरिका ने भी इस महीने टीआरएफ को विदेशी आतंकवादी संगठन और वैश्विक आतंकवादी के रूप में सूचीबद्ध किया था।

दुनिया भर में अपमानित हुआ पाकिस्तान, सफल नहीं हुई टीआरएफ का जिक्र दबाने की कोशिश

पाकिस्तान ने रिपोर्ट में आए टीआरएफ के जिक्र को पहले दबाने की कोशिश की थी और उसके विदेश मंत्री इशहाक डार ने पाकिस्तान की संसद में गलत दावा किया कि पहलगाम हमले की निंदा वाले परिषद के बयान में टीआरएफ का उल्लेख उनकी कोशिशों के बाद हटा दिया गया है। पाकिस्तान के लिए यह काफी अपमानजनक है कि एमटी रिपोर्ट में टीआरएफ को शामिल किया गया है और साथ ही क्षेत्रीय आतंकवाद मामले में पाकिस्तान की संलिप्तता को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर देखा गया है। यह रिपोर्ट 2019 के बाद संरा का ऐसा पहला दस्तावेज है जिसमें लश्कर-ए-तैयबा और पाकिस्तान में सक्रिय आतंकी समूहों के साथ टीआरएफ के संबंधों की पुष्टि की गई है।

घटनास्थल की तस्वीर प्रकाशित की दो बार ली जिम्मेदारी

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रतिबंध निगरानी दल ने रिपोर्ट में कहा हा कि (टीआरएफ ने पहलगाम आतंकवादी हमले की दो बार जिम्मेदारी ली थी और घटनास्थल की एक तस्वीर भी प्रकाशित की थी। संयुक्त राष्ट्र दल ने अपनी रिपोर्ट में यह भी कहा कि यह हमला पाकिस्तान स्थित लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के समर्थन के बिना संभव नहीं था। इस्लामिक स्टेट, अल-कायदा और उनसे जुड़े व्यक्तियों एवं संगठनों पर विश्लेषणात्मक समर्थन और प्रतिबंध निगरानी दल की मंगलवार को 36वीं रिपोर्ट में 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले का उल्लेख किया गया है। पहलगाम हमले के बाद 25 अप्रैल को भी संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने एक बयान जारी कर कहा था कि ऐसे घृणित आतंकवादी कृत्य के जिम्मेदार अपराधियों, षडयंत्रकर्ताओं, वित्तपोषकों और प्रायोजकों को न्याय के कटघरे में लाना जरूरी है। हालांकि, तब पाकिस्तान के दबाव में बयान में टीआरएफ का नाम शामिल नहीं किया गया था। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने सोमवार को संसद में कहा कि सुरक्षा परिषद में बयान पर चर्चा के दौरान पाकिस्तान ने टीआरएफ के नाम का किसी भी प्रकार का उल्लेख हटवाने की कोशिश की थी।

वैश्विक स्तर पर बढ़तीं उपलब्धियां

अंतरिक्ष में भारत

भारत की गिनती विश्व की शीर्ष छह अंतरिक्ष शक्तियों में होती है। कम लागत, उच्च तकनीक और स्वदेशी लॉन्चिंग क्षमता की अपनी सबसे बड़ी ताकत के बलबूते भारत को वैश्विक वाणिज्यिक उपग्रह लॉन्च बाजार में तेजी से उभरता खिलाड़ी माना जाता है। वर्ष 2024 तक भारत ने 400 से ज्यादा विदेशी उपग्रह लॉन्च कर चुका है।

अंतरिक्ष में भारत की शुरुआत

- भारत ने अपना अंतरिक्ष अभियान सन् 1962 में शुरू किया था। इसके बाद 1969 में इंडियन स्पेस रिसर्च ऑरगेनाइजेशन यानी इसरो की स्थापना की गई।
- भारत ने आर्यभट्ट नाम का अपना पहला उपग्रह सन् 1975 में सफलतापूर्वक लॉन्च किया था। इस काम में सोवियत संघ ने भारत की महत्वपूर्ण मदद की थी।
- भारत ने पहले स्वदेशी रॉकेट SLV-3 से 1980 में रोहिणी उपग्रह को कक्षा में स्थापित किया गया और स्वदेशी रॉकेट से उपग्रह भेजने वाला चौथा देश बन गया।

शीर्ष छह देशों में शामिल

अमेरिका सबसे आगे है जिसकी एजेंसी नासा मानव अंतरिक्ष यात्रा, मंगल रोवर, जेम्स वेब टेलीस्कोप, चंद्र मिशन जैसी सफलताएं अर्जित कर चुकी है। दूसरे नंबर पर रूस, तीसरे पर चीन है। इसके बाद चौथे नंबर पर यूरोपीय संघ और पांचवें नंबर पर जापान का नाम आता है। भारत छठे नंबर पर है।

निसार

इसरो और नासा

- इसरो की स्थापना सन् 1969 और नासा की स्थापना 1958 में हुई थी।
- वर्ष 2024-25 में इसरो का बजट 13 हजार करोड़ रुपये था, जबकि नासा का बजट 25 बिलियन डॉलर यानी दो लाख करोड़ रुपये से भी ज्यादा था।
- इसरो कोई मानव मिशन लॉन्च नहीं कर पाया है, नासा अब तक दो मानव मिशन लॉन्च कर चुका है।
- इसरो कम संसाधनों में अधिक करके दिखाता है। नासा के पास अधिक संसाधन हैं। नासा ने दो अंतरिक्ष स्टेशन भी स्थापित किए हुए हैं।

प्रमुख अंतरिक्ष उपलब्धियां

- वर्ष 2008 में चंद्रयान-1 लॉन्च किया गया जो भारत का पहला चंद्र मिशन था। इसने चंद्रमा पर पानी की खोज की पुष्टि की।
- वर्ष 2013 में मार्स ऑर्बिटर मिशन यानी मंगलयान लॉन्च कर पहली कोशिश में मंगल की कक्षा में पहुंचने वाला पहला एशियाई देश बना।
- वर्ष 2017 में भारतीय अंतरिक्षक विज्ञानियों ने पीएसएलवी-सी37 मिशन के तहत एक साथ 104 उपग्रह लॉन्च कर विश्व रिकॉर्ड बनाया।
- वर्ष 2019 में चंद्रयान-2 मिशन के तहत लैंडर 'विक्रम' का चंद्रमा पर सॉफ्ट लैंडिंग का प्रयास किया गया। ऑर्बिटर अब भी सक्रिय है।
- वर्ष 2023 में चंद्रयान-3 मिशन के तहत सफल सॉफ्ट लैंडिंग की गई और भारत चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर पहुंचने वाला पहला देश बना।
- वर्ष 2023 में आदित्य-एल 1 सूर्य का अध्ययन करने वाला पहला मिशन था। 2024 में पहला पोलरिमेट्री आधारित एक्स-रे मिशन भी लॉन्च हुआ।

भारत की भावी अंतरिक्ष योजनाएं

पहला मानवयुक्त मिशन गगनयान 2025 और चंद्रयान-4 नाम से चंद्र सैंपल रिटर्न मिशन 2030 के आसपास संभावित है। भारत 2035 तक अपना स्पेस स्टेशन भी स्थापित करने की योजना पर भी काम कर रहा है। इसके अलावा, शुक्र मिशन, मंगलयान-2, नाविक नाम से अपना जीपीएस सिस्टम, पुन: प्रयोज्य रॉकेट के साथ प्राइवेट सेक्टर को बढ़ावा देना भारत की प्रमुख अंतरिक्ष योजनाओं में शामिल है।

चीन सबसे तेज

चीन ने बहुत कम समय में अत्यधिक उपलब्धियां हासिल की हैं। इनमें मानव मिशन, चंद्रमा पर रोवर और सैंपल रिटर्न और खुद का स्पेस स्टेशन स्थापित करना शामिल है।

गिरफ्तार ननों की याचिका पर सुनवाई से अदालत का इन्कार

दुर्ग। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले की सत्र अदालत ने बुधवार को कहा कि उसे राज्य में मानव तस्करी और धर्मांतरण के आरोप में गिरफ्तार दो कैथोलिक नन की जमानत याचिका पर सुनवाई करने का अधिकार नहीं है। अदालत ने याचिका का निपटारा करते हुए कहा कि आरोपी राहत के लिए विशेष अदालत का रुख कर सकते हैं।

नन प्रीति मेरी और वंदना फ्रांसिस को सुकमन मंडावी के साथ 25 जुलाई को छत्तीसगढ़ के दुर्ग रेलवे स्टेशन पर जीआरपी ने बजरंग दल के एक पदाधिकारी की शिकायत पर गिरफ्तार किया था जिसने उन पर आदिवासी बहुल नारायणपुर ज़िले की तीन महिलाओं का धर्मांतरण और तस्करी करने का आरोप लगाया था। ननों के अधिवक्ता राजकुमार तिवारी ने बताया कि सत्र अदालत ने उनकी जमानत याचिका का निपटारा करते हुए कहा कि उसके पास बीएनएस की धारा 143 (मानव तस्करी) के तहत मामलों की सुनवाई का अधिकार नहीं है तथा उन्हें आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए एनआईए अदालत जाना पड़ सकता है।

ब्रिटेन: अंतर्राष्ट्रीय दमन रिपोर्ट में भारत समेत 12 देशों का नाम

लंदन, एजेंसी

- समुदायों-लोगों को धमकाने व चुप कराने की कोशिश करने का दावा

ब्रिटिश संसदीय समिति ने बुधवार को चेतावनी दी कि विदेशी सरकारें ब्रिटेन में व्यक्तियों और समुदायों को 'चुप कराने एवं धमकाने के प्रयासों में तेजी से आगे बढ़ रही हैं।' संयुक्त मानवाधिकार समिति (जेसीएचआर) की 'ब्रिटेन में अंतरराष्ट्रीय दमन' (टीएनआर) रिपोर्ट में भारत का नाम उन 12 देशों में शामिल है जिनके खिलाफ अंतरराष्ट्रीय दमन के सबूत मिले हैं।

भारत की ओर से इस रिपोर्ट पर तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की गई है। जेसीएचआर में संसद के विभिन्न दलों के सदस्य शामिल हैं तथा इसका कार्य ब्रिटेन में मानवाधिकारों से संबंधित मामलों की जांच करना है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि समिति को विश्वसनीय साक्ष्य प्राप्त हुए हैं कि कई देश ब्रिटेन की धरती पर इस तरह के दमनकारी कार्यों में संलिप्त हैं, जिसका लक्षित लोगों पर गंभीर प्रभाव पड़ा है। उनमें डर पैदा किया गया है, उनकी अभिव्यक्ति और आवागमन की स्वतंत्रता को सीमित किया गया है तथा उनकी सुरक्षा की भावना को कमजोर किया गया है।

भारत और यूएई रक्षा संबंधों को बढ़ाने को लेकर सहमत

नई दिल्ली। भारत और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने बुधवार को यहां एक महत्वपूर्ण द्विपक्षीय रक्षा बैठक की, जिसमें दोनों पक्षों ने रक्षा संबंधों को और अधिक बढ़ाने पर सहमति व्यक्त की।

अधिकारियों के मुताबिक इस बैठक की सह-अध्यक्षता रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह और यूएई के रक्षा अवर सचिव लेफ्टिनेंट जनरल इब्राहिम नासिर एम अल अलावी ने की। लेफ्टिनेंट जनरल अलावी भारत की दो-दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर आए यूएई के एक उच्च-स्तरीय रक्षा प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं। इस बैठक में दोनों देशों ने अपने रक्षा संबंधों को व्यापार, निवेश और सामाजिक संबंधों जैसे क्षेत्रों की तरह मजबूत करने पर सहमति जताई। भारत के रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि भारत और यूएई ने पहली बार सचिव स्तर पर आयोजित 13वीं भारत-यूएई संयुक्त रक्षा सहयोग समिति की बैठक के दौरान द्विपक्षीय रक्षा सहयोग को मजबूत करने की प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

आपका आचरण भरोसेमंद नहीं, जांच समिति के सामने पेश ही क्यों हुए: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने नकदी बरामदगी मामले में आंतरिक जांच समिति की रिपोर्ट को अमान्य करार देने का अनुरोध करने वाले जस्टिस यशवंत वर्मा के आचरण को विश्वसनीय न बताते हुए बुधवार को उनसे तीखे सवाल पूछे। समिति की रिपोर्ट में जस्टिस वर्मा को कदाचार का दोषी पाया गया था। शीर्ष अदालत ने उनसे पूछा कि वह समिति के समक्ष क्यों पेश हुए और उसे वहीं चुनौती क्यों नहीं दी। शीर्ष अदालत ने याचिका पर फैसला सुरक्षित रख लिया।

अदालत ने जस्टिस वर्मा से कहा कि उन्हें समिति की रिपोर्ट के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहले आना चाहिए था। जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस एजी मसीह की पीठ ने कहा कि अगर सीजेआई के सामने यह मानने के लिए कोई दस्तावेज है कि किसी जज ने कदाचार किया है तो वह राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को सूचित कर सकते हैं। आगे बढ़ना या नहीं बढ़ना, राजनीतिक निर्णय से तय होगा। लेकिन न्यायपालिका को समाज को यह संदेश देना है कि प्रक्रिया का पालन किया गया है।

जस्टिस वर्मा की ओर से कपिल सिब्बल ने कहा कि उन्हें हटाने की आंतरिक जांच समिति की सिफारिश असंवैधानिक है। ऐसी सिफारिश से खतरनाक मिसाल कायम होगी। उन्होंने कहा कि जस्टिस वर्मा पहले सुप्रीम कोर्ट इसलिए नहीं आए क्योंकि टेप जारी होने से उनकी छवि खराब हो चुकी थी। कोर्ट ने जस्टिस वर्मा पर प्राथमिकी दर्ज करने का अनुरोध करने वाले वकील मैथ्यूज जे. नेदुम्परा से भी पूछा कि क्या उन्होंने पहले पुलिस से औपचारिक शिकायत की है।

- कैश कांड में फंसे जस्टिस वर्मा से पूछे तीखे सवाल, फैसला सुरक्षित

वीडियो जारी करने से प्रक्रिया त्रुटिपूर्ण नहीं

उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा की इस दलील से सहमति जताई कि उनके आवास पर मिली जली हुई नोटों की गड्डियों का वीडियो शीर्ष अदालत की वेबसाइट पर अपलोड नहीं किया जाना चाहिए था। हालांकि, न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति एजी मसीह की पीठ ने कहा कि सिर्फ इसलिए कि वीडियो वेबसाइट पर जारी हो गए हैं, इसका मतलब यह नहीं है कि प्रक्रिया त्रुटिपूर्ण हो गई और न्यायमूर्ति वर्मा बिना किसी दंड के निकल सकते हैं।

बिना चेतावनी दिए हाईवे पर कार में अचानक ब्रेक लगाना लापरवाही

नई दिल्ली, एजेंसी

- सुप्रीम कोर्ट ने इंजीनियरिंग छात्र की याचिका पर सुनाया फैसला

सुप्रीम कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा है कि अगर कोई कार चालक बिना किसी चेतावनी के हाईवे पर अचानक ब्रेक लगाता है, तो उसे सड़क दुर्घटना की स्थिति में लापरवाही माना जा सकता है।

न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया और न्यायमूर्ति अरविंद कुमार की पीठ ने कहा कि किसी चालक द्वारा राजमार्ग के बीच में अचानक वाहन रोकना, चाहे वह व्यक्तिगत आपातस्थिति के कारण ही क्यों न हुआ हो, उचित नहीं ठहराया जा सकता क्योंकि यह सड़क पर चल रहे अन्य लोगों के लिए खतरा हो सकता है। पीठ के लिए फैसला लिखने वाले न्यायमूर्ति धूलिया ने कहा, राजमार्ग पर वाहनों की तेज गति अपेक्षित है और यदि कोई चालक अपना वाहन रोकना चाहता है तो उसकी जिम्मेदारी है कि वह पीछे चल रहे अन्य वाहनों को चेतावनी या संकेत दे। यह फैसला इंजीनियरिंग के छात्र एस. मोहम्मद हकीम की याचिका पर आया, जिनका बायां पैर सात जनवरी, 2017 को कोयंबटूर में एक सड़क दुर्घटना के बाद काटना पड़ा था।

एयरलाइन कंपनियों के 23 ऑडिट में 263 खामियां

मुंबई, एजेंसी

नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने बुधवार को कहा कि पिछले एक साल में आठ घरेलू एयरलाइन कंपनियों के 23 ऑडिट के दौरान 263 खामियां मिली हैं। इनमें से कुछ ऐसी खामियां हैं जिनमें तत्काल सुधारात्मक कार्रवाई की जरूरत है। हालांकि, डीजीसीए ने कहा कि एयर इंडिया के ऑडिट के दौरान सामने आई खामियों की पृष्ठभूमि में, व्यापक परिचालन वाली एयरलाइंस के लिए ऑडिट निष्कर्षों या खामियों की अधिक संख्या पूरी तरह सामान्य है।

आंकड़ों के अनुसार, पिछले एक साल में टाटा समूह के स्वामित्व वाली एयर इंडिया, साथ ही अब विलय हो चुकी विस्तारा और एयर इंडिया एक्सप्रेस के साथ कुल 93 ऑडिट निष्कर्ष सामने आए हैं। इन निष्कर्षों में 19 स्तर-1 उल्लंघन शामिल थे जिन्हें गंभीर सुरक्षा जोखिम माना जाता है और जिनके लिए हवाई संचालक द्वारा तत्काल सुधारात्मक कार्रवाई की आवश्यकता होती है। डीजीसीए को विभिन्न मामलों में लगभग 100 उल्लंघनों और टिप्पणियों का पता चलने की बात भी कही गई है।

- डीजीसीए ने जारी किए साल भर के आंकड़े, 19 गंभीर सुरक्षा जोखिम के मामले इस बीच मिले

एक-एक एयरलाइन के विमानों में कई-कई खामियां

डीजीसीए के आंकड़ों से पता चला कि पिछले एक वर्ष में इंडिगो के साथ 23, स्पाइसजेट के साथ 14, अलायंस एयर के साथ 57, क्विक जेट के साथ 35, घोडावत स्टार के साथ 41 और पूर्ववर्ती विस्तारा के साथ 17 ऑडिट निष्कर्ष सामने आए। जिन निष्कर्षों को गंभीर जोखिम माना जाता है और जिनके लिए तत्काल सुधारात्मक कार्रवाई की आवश्यकता होती है, उन्हें स्तर-1 के रूप में वर्गीकृत किया जाता है, जबकि स्तर-2 की चूक में गैर-अनुपालन शामिल है। वैश्विक स्तर पर, विमानन नियामकों को प्रमुख एयरलाइन कंपनियों के साथ उनके उपक्रमों की विविधता और गहनता के कारण इस तरह की नियमित स्थिति का सामना करना पड़ता है। ऐसे अवलोकन उनके संचालन की व्यापकता और गहराई को दर्शाते हैं।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 31 जुलाई, गुरुवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-श्रावण, पक्ष-शुक्ल पक्ष, सप्तमी 1 अगस्त 04.58 तक तत्पश्चात अष्टमी।

आज का पंचांग

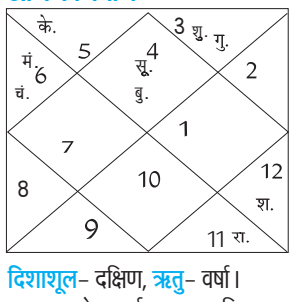

दिशाशूल- दक्षिण, ऋतु- वर्षा। चन्द्रबल-मेष, कर्क, कन्या, वृश्चिक, धनु, मीन।

ताराबल-भरणी, रोहिणी, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, स्वाति, विशाखा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती। नक्षत्र-चित्रा 1 अगस्त 12.41 तक तत्पश्चात स्वाती।

मेष — आज बच्चों के करियर की चिंता हो सकती है। बुद्धिमान लोगों की संगत आपके लिए लाभकारी होगी। कार्यक्षेत्र में काम की अधिकता के बावजूद आप काफी अच्छा प्रदर्शन करेंगे। परिवार में शांति का वातावरण रहेगा। आप परिजनों के साथ घूमने भी जा सकते हैं।

वृष — आज आपका मन अध्यात्मिक कार्यों में लगेगा। आपकी छवि लोगों के बीच एक उदार और परोपकारी व्यक्ति के रूप में निर्मित हो रही है। इसका सीधा लाभ आपको कार्यक्षेत्र में भी प्राप्त होगा। परिस्थितियां धीरे-धीरे आपके पक्ष में होंगी।

मिथुन — आज आत्मविश्वास में कमी महसूस होगी। बिना मांगे किसी को सलाह देने के कारण अपमान हो सकता है। जॉब में अधिकारियों की सलाह लेना लाभकारी होगा। आपका मन इधर-उधर की बातों में लगा रहेगा।

कर्क — आज अपने स्वास्थ्य का ध्यान अवश्य रखें। आपकी कोई बात निकटस्थ लोगों को व्यथित कर सकती है। कार्यक्षेत्र में आपको नई चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। प्रेमी जन के साथ संवादहीनता के कारण बात बिगड़ सकती है।

सिंह — आज आपके सभी काम समय पर पूरे होने से आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। पैतृक व्यवसाय में आय बढ़ेगी। पति-पत्नी एक-दूसरे की भावनाओं का सम्मान करेंगे। परिवार में सुख-समृद्धि बढ़ेगी। जीवनसाथी को कुछ उपहार दे सकते हैं।

कन्या — आज आप अत्यन्त ऊर्जावान महसूस करेंगे। स्वादिष्ट भोजन का आनंद लेंगे। इंटरव्यू आदि में सफलता मिल सकती है। कोर्ट-कचहरी के मामलों में आपको सफलता मिलेगी। आपकी तर्क-शक्ति की लोग प्रशंसा करेंगे।

तुला — आज किसी बड़े कार्य को लेकर फाइनेंस की समस्या हल होगी। धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन कर सकते हैं। उच्च शैक्षणिक संस्थानों में प्रवेश लेना चाह रहे हैं तो दिन अत्यंत शुभ है। भविष्य को लेकर योजना बनाते समय मित्रों और परिजनों से परामर्श लेना शुभ होगा।

वृश्चिक — आज सरकारी सेवा से जुड़े लोगों को उच्च पद मिल सकता है। अहंकारी प्रवृत्ति के लोगों को आलोचना झेलनी पड़ सकती है। ब्लडप्रेशर और वातरोगियों को परेशानी होने की संभावना है। माता का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। लंबी दूरी की यात्रा न करें।

धनु — आत जीवनसाथी के साथ आप काफी अच्छा समय बितायेंगे। दिन आपके लिए काफी अच्छा है बस आपके खर्चों पर नियंत्रण रखें। अनेक दिनों से चली आ रही समस्या दूर होगी। कई पुरानी यादें एकदम से आपके सामने उभर के आयेंगी।

मकर — आज आपकी आर्थिक स्थिति बहुत अच्छी रहेगी। व्यवसाय में लाभ होगा। पड़ोसी आपकी काफी मदद करना चाहेंगे। अपनी उपलब्धियों पर गर्व होगा। आप जिस काम को बहुत आसान समझते हैं वही आपको काफी परेशान कर सकता है।

कुंभ — आज आपका सामाजिक दायरा बढ़ेगा। घर में मेहमानों का आगमन होने से आप प्रसन्न रहेंगे। व्यवसाय में आप बड़ा और साहसिक निर्णय ले सकते हैं। धन के लेन-देन से आपको लाभ मिलेगा। लोग आपसे काफी अपेक्षायें रखे हुए हैं, जिन्हें आप पूरा भी करेंगे।

मीन — आज नया कार्य आरम्भ करने के लिए दिन शुभ नहीं है। कार्यक्षेत्र में आपको अधिक मेहनत करनी पड़ेगी। धर्म-कर्म के प्रति आपका रुझान कम हो सकता है। शारीरिक और मानसिक थकान हो सकती है। राजनीति से जुड़े लोगों को कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ेगा।

सुडोकू-55

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

					4			5
2	9			6		3		
	3				7			
		5					7	
1		2				4		3
	6					8	9	
		9		4				
8		1					3	4
7			2					

सुडोकू - 54 का हल

5	1	4	9	7	2	6	8	3
3	7	2	4	8	6	1	5	9
9	8	6	5	3	1	2	7	4
1	9	5	3	2	8	4	6	7
7	2	3	1	6	4	8	9	5
6	4	8	7	9	5	3	2	1
2	5	9	8	1	3	7	4	6
4	6	1	2	5	7	9	3	8
8	3	7	6	4	9	5	1	2

ऑटोमोबाइल प्रेमी होने के नाते मुझे लगा कि बीमा को बेवजह जटिल बनाया गया। एको की ग्राहक-केंद्रित सोच वैसा ही है जैसा देश चाहता है। मैं ऐसे ब्रांड से जुड़ रहा हूं जो भरोसे और बदलाव पर काम कर रहा है
-एमएस धोनी, पूर्व भारतीय क्रिकेटर

स्टेडियम

बरेली, गुरुवार, 31 जुलाई 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

डब्ल्यूसीएल: पाकिस्तान संग नहीं खेलेगा भारत

बर्मिंघम। भारत ने गुरुवार को विश्व चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स (डब्ल्यूसीएल) के सेमीफाइनल में पाकिस्तान के खिलाफ खेलने से इनकार कर दिया। टीम ने पहलगाम हमले के बाद पड़ोसी देश के साथ किसी भी द्विपक्षीय खेल संबंध के खिलाफ देश के रुख का हवाला दिया है। शिखर धवन, इरफान पठान, हरभजन सिंह, युवराज सिंह, सुरेश रैना जैसे दिग्गज खिलाड़ियों की मौजूदगी वाली भारतीय टीम पहले ही आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान के खिलाफ नहीं खेलने की इच्छा जता चुकी है।

सीएएफए नेशंस : भारत ताजिकिस्तान में भिड़ंत

नई दिल्ली। भारत को सीएएफए नेशंस कप फुटबॉल टूर्नामेंट के ग्रुप बी में रखा गया है जहां उसका पहला मुकाबला 29 अगस्त को दुशांबे में मेजबान ताजिकिस्तान से होगा। इस ग्रुप की अन्य दो टीम ईरान और अफगानिस्तान हैं। आठ सितंबर तक चलने वाला यह मध्य एशियाई क्षेत्रीय टूर्नामेंट, एएफसी एशियाई कप 2027 क्वालीफायर फाइनल राउंड से पहले भारत के लिए तैयारी का काम करेगा। भारत ग्रुप चरण के अपने अगले दो मैच एक सितंबर को ईरान और चार सितंबर को अफगानिस्तान के खिलाफ खेलेगा।

महिला फुटबॉल : ब्राजील कोपा के फाइनल में पहुंचा

क्विटो (इक्वाडोर)। चार बार के चैंपियन ब्राजील ने पहले आधे घंटे में तीन गोल करके उरुग्वे को 5-1 से हराकर पांचवीं बार कोपा अमेरिका फेमिनिना महिला फुटबॉल टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश किया। अमांडा गुटिएरेस ने 11वें मिनट में ब्राजील की तरफ से पहला गोल किया। इसके दो मिनट बाद जियोवाना क्विरोज़ ने बढ़त दोगुनी कर दी जबकि स्टार खिलाड़ी मार्टा ने 27वें मिनट में गोल करके ब्राजील की जीत सुनिश्चित कर दी।

तैराकी : शोआन 200 मीटर में 38वें स्थान पर

सिंगापुर। भारतीय तैराक शोआन गांगुली विश्व तैराकी चैंपियनशिप के चौथे दिन पुरुषों की 200 मीटर मेडली में 38वें स्थान पर रहे। कर्नाटक के 20 वर्ष के गांगुली अपनी हीट में 2:05.40 सेकंड का समय निकालकर आठवें स्थान पर रहे और कुल 38वें स्थान पर समाप्त किया। इससे वह 16 तैराकों के सेमीफाइनल में जगह नहीं बना सके।

एलएसजी के गेंदबाजी कोच बने भरत अरुण

लखनऊ। हाल में कोलकाता नाइट राइडर्स से अलग हुए पूर्व भारतीय गेंदबाजी कोच भरत अरुण को लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) ने इसी पद पर टीम से जोड़ा है। हालांकि अभी तक आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। फ्रेंचाइजी के सूत्र ने बताया, अरुण एलएसजी में शामिल हो गए हैं और जल्द ही घोषणा होने की उम्मीद है। अरुण केकेआर से जुड़े थे लेकिन 2025 में टीम के आठवें स्थान पर रहने के बाद फ्रेंचाइजी अपने कोचिंग स्टाफ में बदलाव कर रही है।

40 मुक्केबाज एशियाई चैंपियनशिप में शामिल

नई दिल्ली। भारत ने बैंकॉक में बुधवार से शुरू हो रही एशियाई अंडर 19 और 22 मुक्केबाजी चैंपियनशिप के लिए 40 सदस्यीय टीम भेजी है। टूर्नामेंट में 26 देशों के 396 मुक्केबाज भाग लेंगे। एशियाई मुक्केबाजी इसका आयोजन विश्व मुक्केबाजी और थाईलैंड मुक्केबाजी संघ के साथ मिलकर कर रही है। इसमें दो आयुवर्ग अंडर 19 और 22 में स्पर्धायें होंगी। महिला और पुरुष मुक्केबाज ओलंपिक मुक्केबाजी नियमों के तहत खेलेंगे। भारतीय टीम की अगुवाई तीन बार के एशियाई चैंपियन और दो बार के राष्ट्रीय चैंपियन विश्वनाथ सुरेश करेंगे।

प्रतिबंध पूरा कर टेलर जिम्बाब्वे टीम में लौटे

हरारे। ब्रेंडन टेलर ने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के भ्रष्टाचार रोधी और डोपिंग रोधी नियमों के उल्लंघन पर लगे साढ़े तीन साल के निलंबन को पूरा करने के बाद जिम्बाब्वे टेस्ट टीम में वापसी कर ली है। टेलर (39 वर्ष) को जनवरी 2022 में एक भारतीय व्यवसायी द्वारा 2019 में स्पॉट फिक्सिंग के लिए संपर्क किए जाने की सूचना समय पर नहीं देने पर प्रतिबंधित किया गया था। उन्हें बुलावायो के क्वींस स्पोर्ट्स क्लब में 7 से 11 अगस्त तक न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाले दूसरे टेस्ट मैच के लिए जिम्बाब्वे टीम में शामिल किया गया है।

भारत के सामने शृंखला बराबर करने का लक्ष्य

बुमराह की अनुपस्थिति में भारतीय टीम से पूरी ताकत लगाने की उम्मीद

- बेन स्टोक्स और जोफ्रा आर्चर अंतिम टेस्ट मैच में नहीं होंगे शामिल

लंदन, एजेंसी

भारतीय टीम के लिए ब्रिटेन दौरा शृंखला में बराबरी के साथ समाप्त करने की संभावनाएं बढ़ गई हैं क्योंकि इंग्लैंड के करिश्माई कप्तान बेन स्टोक्स और तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर गुरुवार से शुरू होने वाले पांचवें और अंतिम टेस्ट मैच में उपलब्ध नहीं होंगे। कप्तान स्टोक्स पिछले दो टेस्ट मैचों में गेंदबाजी करते हुए दाहिने कंधे की मांसपेशियों में खिंचाव से बाहर हो गए हैं जबकि चार साल बाद टेस्ट क्रिकेट में वापसी करने वाले आर्चर को लगातार दो मैचों में खेलने के बोझ के बाद आराम दिया गया है।

तेज गेंदबाज ब्रायडन कार्स और बाएं हाथ के स्पिनर लियाम डॉसन को भी आराम दिया गया है। कुछ खिलाड़ी ऐसे होते हैं जिनकी मौजूदगी ही अंतर पैदा कर देती है और इंग्लैंड के कप्तान स्टोक्स ऐसे ही खिलाड़ी हैं जिन्होंने शृंखला में 304 रन बनाने के साथ 17 विकेट झटके हैं। कार्यवाहक कप्तान ओली पोप के लिए यह कड़ी चुनौती होगी क्योंकि जसप्रीत बुमराह की अनुपस्थिति में भारतीय टीम से पूरी ताकत लगाने की उम्मीद है।

भारत ने ओल्ड ट्रैफर्ड में खेले गए चौथे टेस्ट मैच को ड्रॉ कराकर पांच मैच की शृंखला को जीवंत रखा है। वह पांचवें मैच में शृंखला बराबर करने के लक्ष्य के साथ मैदान पर उतरेगा। वहीं अभी 2-1 से आगे चल रहा इंग्लैंड शृंखला जीतने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेगा। खचाखच भरे स्टेडियम में खेली जा रही यह शृंखला टेस्ट क्रिकेट के लिए भी एक आदर्श विज्ञापन रही है, जिसमें सभी चार मैच पांचवें दिन के अंतिम सत्र तक चले। इस बीच दोनों टीम के खिलाड़ियों के बीच कुछ नोक झोंक भी हुई जिससे शृंखला रोचक बन गई। चाहे वह लॉर्ड्स में समय बर्बाद कर रहे जैक क्रॉली के खिलाफ शुभमन गिल का तीखा हमला हो या रविंद्र जडेजा का चौथे टेस्ट के अंतिम दिन स्टोक्स की नाराजगी के बावजूद मैच रद्द करने से इनकार करना हो, दोनों टीम ने एक दूसरे पर हावी होने में कसर नहीं छोड़ी है। ओवल में भी ऐसा देखने को मिल सकता है। भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने क्यूरेटर ली फोर्टिस के साथ बहस करके माहौल भी तैयार कर दिया है। भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने अभी तक अपनी कप्तानी और बल्लेबाजी दोनों से प्रभावित किया है। उम्मीद है कि अंतिम मैच रोमांचक होगा क्योंकि भारत के पास इंग्लैंड पर करारा प्रहार करने का मौका है जिसका गेंदबाजी आक्रमण अंतिम एकादश में किसी विशेषज्ञ स्पिनर के नहीं होने से पूरी तरह बदल जाएगा।

ओवल की पिच को समझने वाले दो खिलाड़ी गुस एटकिंसन और जैमी ओवरटन, क्रिस वोक्स और जोश टंग के साथ गेंदबाजी करेंगे। वोक्स ऐसे गेंदबाज हैं जो पांचवें टेस्ट तक समान प्रदर्शन कर रहे हैं, ऐसे में इंग्लैंड ने जैकब बेथेल के रूप में विशेषज्ञ हिटर को शामिल करके अपनी गेंदबाजी शैली जारी रखने के संकेत दिए हैं। गिल ने शृंखला में अब तक 722 रन बनाए हैं और वह एक शृंखला में किसी भारतीय द्वारा सर्वाधिक रन बनाने के सुनील गावस्कर के रिकार्ड से 52 रन पीछे हैं। यही नहीं उन्हें टेस्ट शृंखला में भारतीय कप्तान द्वारा सर्वाधिक रन (732) बनाने के गावस्कर के रिकार्ड (1978-79 बनाम वेस्टइंडीज) को तोड़ने के लिए 11 रन और चाहिए।

भारत-इंग्लैंड के बीच लंदन में होने वाले पांचवें टेस्ट मैच से पहले अभ्यास सत्र में शामिल भारतीय खिलाड़ी। एजेंसी

इंग्लैंड : जैक क्रॉली, बेन डकेट, ओली पोप (कप्तान), जो रूट, हैरी ब्रुक, जैकब बेथे, जैमी स्मिथ (विकेटकीपर), क्रिस वोक्स, गुस एटकिंसन, जैमी ओवरटन, जोश टंग।

भारत : शुभमन गिल (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, साई सुदर्शन, अभिमन्यु ईश्वरन, करुण नायर, रवींद्र जडेजा, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), वाशिंगटन सुंदर, शार्दुल ठाकुर, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, आकाश दीप, कुलदीप यादव, अंशुल कंबोज, अर्शदीप सिंह, एन जगदीसन (विकेटकीपर)

मैच दोपहर 3:30 बजे।

मैदान पर उतरना जोखिम भरा : स्टोक्स

बेन स्टोक्स ने भारत के खिलाफ शुरुआती चार टेस्ट मैच में इंग्लैंड के लिए महत्वपूर्ण ओवरों में गेंदबाजी करते हुए अपने चोटिल शरीर की परवाह नहीं की लेकिन उनका कहना है कि शृंखला में आखिरी बार मैदान पर उतरना काफी जोखिम भरा होता। स्टोक्स ओवल में पांचवें और अंतिम टेस्ट में हिस्सा नहीं लेंगे। जोफ्रा आर्चर और संभवत: जसप्रीत बुमराह की अनुपस्थिति भी इस रोमांचक मुकाबले की चमक को कम कर देगी। आखिरकार लॉर्ड्स और मैनचेस्टर में लंबे स्पेल डालने का स्टोक्स के दाहिने कंधे पर बुरा असर पड़ा, जिससे उनकी मांसपेशियों में चोट लग गई। स्टोक्स ओवल में अपनी भागीदारी को लेकर काफी उत्साहित थे लेकिन स्कैन से पता चला कि स्टोक्स इस मुकाबले का हिस्सा नहीं बन पाएंगे। स्टोक्स ने कहा, यह जोखिम-लाभ का आकलन करने का मामला है और जोखिम इतना अधिक था कि इसे मौजूदा स्थिति से और अधिक नुकसान नहीं पहुंचाया जा सकता। मैं ऐसा नहीं चाहता था और मैं अपने खिलाड़ी को ऐसे जोखिम में डालने की उम्मीद नहीं करता।

आकाशदीप ले सकते हैं बुमराह की जगह

भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का कार्यभार प्रबंधन के तहत इंग्लैंड के खिलाफ गुरुवार से ओवल में शुरू होने वाले टेस्ट मैच से बाहर रहना तय है और आकाशदीप उनकी जगह अंतिम एकादश में शामिल हो सकते हैं। एक रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। दुनिया के नंबर एक गेंदबाज 31 वर्षीय बुमराह ओल्ड ट्रैफर्ड में खेले गए चौथे टेस्ट मैच में लय में नहीं दिखे, जहां उन्हें अपनी गति पर संघर्ष करना पड़ा और वे सफलता हासिल करने में असफल रहे। ईएसपीएनक्रिकइन्फो के अनुसार, भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की मेडिकल टीम ने बुमराह को बता दिया है कि यह फैसला उनकी पीठ को चोट से बचाने और भविष्य को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। कमर में दर्द से चौथे टेस्ट से बाहर रहे आकाश दीप को अंतिम एकादश में बुमराह की जगह शामिल हो सकता है। मुख्य कोच गौतम गंभीर ने कहा था कि टीम संयोजन के बारे में कोई निर्णय नहीं लिया गया है और बुमराह सहित सभी गेंदबाज फिट हैं। गंभीर ने कहा था, हमने आखिरी टेस्ट के लिए टीम संयोजन पर कोई बातचीत नहीं की है। जसप्रीत बुमराह खेलेंगे या नहीं, इस पर अभी कोई फैसला नहीं हुआ है।

पांचवें टेस्ट में इंग्लैंड की कमान संभालेंगे पोप

चोटिल कप्तान बेन स्टोक्स और तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर भारत के खिलाफ टेस्ट में नहीं खेलेंगे और इंग्लैंड ने निर्णायक टेस्ट में अपनी एकादश में तीन बदलाव किए हैं। मेजबान टीम शृंखला में 2-1 से आगे है। स्टोक्स की गैर मौजूदगी में ओली पोप इंग्लैंड की कमान संभालेंगे। तेज गेंदबाज ब्रायडन कार्स भी आखिरी टेस्ट से बाहर रहेंगे। इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड ने बुधवार को कहा, कप्तान स्टोक्स दाहिने कंधे की चोट के कारण बाहर हैं। स्पिनर लियाम डॉसन, तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर और ब्रायडन कार्स भी नहीं खेलेंगे। इंग्लैंड ने जैकब बेथेल, सर्रे के गेंदबाज गुस एटकिंसन और जैमी ओवरटन, नॉटिंघमशर के तेज गेंदबाज जोश टंग को टीम में शामिल किया है।

टेस्ट मैचों के बीच तीन दिन का अंतर काफी कम : स्टोक्स और गिल

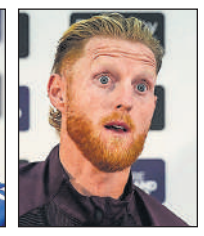

बेन स्टोक्स और शुभमन गिल ने बुधवार को टेस्ट मैचों के बीच लंबे अंतर की मांग करते हुए कहा कि पांच टेस्ट मैचों की शृंखला में गेंदबाजों के भारी कार्यभार को देखते हुए दो मैचों के बीच तीन दिन का ब्रेक कम है। लीड्स में पहले टेस्ट और लॉर्ड्स पर तीसरे टेस्ट के बाद एक सप्ताह का अंतर था, लेकिन दूसरे और तीसरे तथा चौथे और पांचवें मैच के बीच सिर्फ तीन दिन का अंतर रहा। इससे खिलाड़ियों को रिकवरी का अधिक समय नहीं मिला। स्टोक्स दाहिने कंधे की चोट से पांचवां टेस्ट नहीं खेल पाएंगे। भारत भी कुछ तेज गेंदबाजों की चोट से जूझ रहा है। टेस्ट से पूर्व स्टोक्स ने कहा, शृंखला में मैचों के बीच अंतर बेहतर हो सकता था। दो मैचों में आठ और नौ दिन और बाकी दो में तीन दिन का अंतर। सब मिलाकर पांच-पांच दिन का अंतर रहने से निरंतरता रहती। उन्होंने कहा, दोनों टीमों के लिए यह कठिन रहा है। गेंदबाजों को काफी ओवर डालने होते हैं। एक बार तो आठ नौ दिन का ब्रेक मिल रहा है और फिर तीन दिन का। हर मैच के बीच चार या पांच दिन का अंतर हो सकता था। भारतीय कप्तान गिल ने कहा कि सभी मैच पांच दिन तक चले लिहाजा खिलाड़ियों के लिए रिकवरी मुश्किल थी। उन्होंने कहा, शृंखला में अहम बात यह थी कि सभी मैच पांच दिन तक चले। पांच दिन ही नहीं बल्कि पांचवें दिन के आखिरी सत्र तक। मुझे याद नहीं कि ऐसी कोई शृंखला रही हो, जिसमें सभी चार टेस्ट मैच आखिर तक खिंचे हो। यह काफी कठिन था। उन्होंने कहा, दोनों टीमें जब इतना कठिन क्रिकेट खेल रहीं हों तो तीन दिन का अंतर काफी कम है। हमें यह भी समझना चाहिए कि हर मैच के बाद पांच या छह दिन का ब्रेक होने से दौरा बहुत लंबा हो जाता। दोनों बोर्ड ने यही सोचकर फैसला लिया होगा।

जडेजा नंबर एक टेस्ट हरफनमौला अभिषेक टी-20 में शीर्ष पर काबिज

दुबई, एजेंसी

रविंद्र जडेजा ने टेस्ट क्रिकेट में दुनिया के नंबर एक हरफनमौला के रूप में अपनी स्थिति मजबूत कर ली है जबकि अभिषेक शर्मा पहली बार टी-20 रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचे। आईसीसी की ताजा रैंकिंग में जडेजा के पास 117 रेटिंग अंकों की बढ़त है जबकि बांग्लादेश के मेहदी हसन मिराज दूसरे स्थान पर हैं।

दूसरी ओर टी-20 रैंकिंग में एक साल से शीर्ष पर काबिज ऑस्ट्रेलिया के ट्रेविस हेड को पछाड़कर अभिषेक शर्मा शीर्ष पर पहुंचे हैं। शर्मा के 829 रेटिंग अंक हैं जबकि हेड 814 अंक के साथ दूसरे स्थान पर हैं। आईसीसी ने कहा, जडेजा ने 107 रन की नाबाद पारी और चार विकेट लेकर हरफनमौलाओं की रैंकिंग में बढ़त बनाई है। उसने 13 रेटिंग अंक पाए हैं और कुल 422 अंक के साथ वह बांग्लादेश के मेहदी हसन मिराज से 117 अंक आगे हैं। साथ ही बल्लेबाजों की रैंकिंग में वह पांच पायदान चढ़कर 29वें और गेंदबाजों में एक पायदान चढ़कर 14वें स्थान पर हैं। वॉशिंगटन सुंदर आठ पायदान चढ़कर 65वें स्थान पर हैं, जिन्होंने जडेजा के साथ पांचवें विकेट के लिए 203 रन की साझेदारी करके मैनचेस्टर टेस्ट ड्रॉ कराया था। टेस्ट क्रिकेट में जो रूट शीर्ष बल्लेबाज हैं जबकि न्यूजीलैंड के केन विलियमसन दूसरे और इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स तीसरे स्थान पर है। चार साल बाद टेस्ट टीम में वापसी करने वाले गेंदबाज जोफ्रा आर्चर 38 पायदान चढ़कर 63वें स्थान पर हैं। क्रिस वोक्स एक पायदान ऊपर 23वें और इंग्लैंड के बेन डकेट दसवें और जाक क्रॉली 43वें स्थान पर हैं।

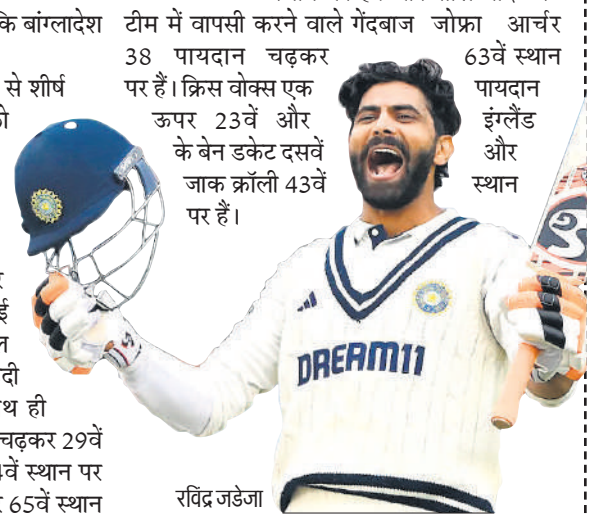

रविंद्र जडेजा

लक्ष्य, आयुष, तरुण व रक्षिता दूसरे दौर में

मकाऊ ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट

मकाऊ, एजेंसी

भारत के लक्ष्य सेन, आयुष शेट्टी और तरूण मन्नेपल्ली ने मकाऊ ओपन बीडब्ल्यूएफ सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के पुरुष वर्ग के दूसरे दौर में प्रवेश किया। लक्ष्य ने कोरिया के जियोन हियोक जिन को 21-8, 21-14 से हराया। वहीं 31वें नंबर के खिलाड़ी शेट्टी ने 66वीं रैंकिंग वाले चीनी ताइपै के हुआंग यू केइ को 21-10, 21-11 से हराकर बाहर भेजा।

लक्ष्य का सामना इंडोनेशिया के चिको औरा द्वि वार्दोयो व रित्विक संजीवी सतीश कुमार के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगा।वहीं तरुण की टक्कर हांगकांग के ली चियुक यू से होगी। महिला एकल में रक्षिता रामराज एकमात्र भारतीय रहीं जिन्होंने दूसरे दौर में जगह बनाई। उन्होंने थाईलैंड की पोर्नपिचा चोएकीवोंग को 18-21 21-17 22-20 से मात दी। मिश्रित युगल में ध्रुव कपिला और तनिषा क्रैस्टो की जोड़ी ने थाईलैंड के रत्चपोल मक्कासितोर्न और नट्टामोन लाइसुआन को 21-10, 21-15 से हराया।

वहीं पुरुष युगल में पी कृष्णामूर्ति रॉय और एस प्रतीक की जोड़ी ने डी कोनाथोयूजाम व अमान मोहम्मद की हमवतन जोड़ी को मात देकर दूसरे दौर में प्रवेश किया। एचएस प्रणय को इंडोनेशिया के योहानेस एस मार्शेलिनो के हाथों 21-18, 15-21, 15-21 से हार मिली।। पुरुष एकल में सतीश कुमार करुणाकरण का सफर समाप्त हो गया। उन्हें प्री-क्वार्टर फाइनल में मलेशिया के जस्टिन होह से हार मिली। रित्विक संजीवी सतीश कुमार चिको से हार गए। मिश्रित युगल में थांग्रांगिनी हेमा नागेंद्र बाबू और प्रिया कोनजेंगबाम थाईलैंड की फुवानाट होर्बनलुइकिट और फुंगफा कोर्पथाम्माकिट से हार गईं। आयुष अग्रवाल और श्रुति मिश्रा भी शुरुआती दौर में इंडोनेशिया के रेहान नौफल कुशरजंतो और ग्लोरिया इमानुएल विदजाजा से हारकर बाहर हो गए। रोहन कपूर और रुथविका शिवानी गाडे की जोड़ी चीनी ताइपे के वू गुआन झुन और ली चिया सिन से 37 मिनट चले मुकाबले में से हार गई।

महिला एकल: उन्नति और अनुपमा हारीं

महिला एकल में उन्नति हुड्डा को डेनमार्क की जूली डवाल जाकोबसन ने 16-21, 21-19, 21-17 से मात दी। अनुपमा उपाध्याय को जापान की रिको गुंजी ने 21-16, 21-10 से हराया। शंकर सुब्रहमण्यन और आकर्षि कश्यप को पहले दौर में चीन के हू जे अन और जापान की नोजोमी ओकुहारा ने हराया। किरण जॉर्ज हांगकांग के एंग का लोंग एंगस से हार गए। अनमोल खरब को थाईलैंड के बुसानन ओंगबामरूंगफन ने हराया। तसनीम मीर को चेन यू फेइ ने मात दी।

नेशनल बैंक ओपन | एंड्रीस्कू के चोट के कारण हटने पर एंड्रीवा तीसरे दौर में, पाओलिनी और नवारो हारीं

गॉफ की जीत, फर्नांडीज पहले दौर में बाहर

मॉन्ट्रियल, एजेंसी

शीर्ष वरीयता प्राप्त कोको गॉफ ने तीन सेट तक चल कड़े मुकाबले में जीत दर्ज करके नेशनल बैंक ओपन डब्ल्यूटीए टेनिस टूर्नामेंट के अगले दौर में जगह बनाई, लेकिन पिछले सप्ताह डीसी ओपन का खिताब जीतने वाली स्थानीय खिलाड़ी लेयला फर्नांडीज पहले दौर में बाहर हो गई।

फर्नांडीज को ऑस्ट्रेलिया की माया जॉइंट ने केवल एक घंटे 15 मिनट में 6-4, 6-1 से हरा दिया। विश्व की 24वें नंबर की इस खिलाड़ी ने रविवार को वाशिंगटन में अपने करियर का चौथा डब्ल्यूटीए खिताब जीता था और वह मॉन्ट्रियल में कोर्ट पर वापसी से पहले अतिरिक्त आराम की उम्मीद कर रही थीं। इसलिए उन्होंने हार के बाद इस टूर्नामेंट के कार्यक्रम की आलोचना भी की।

गॉफ ने हमवतन अमेरिकी डेनियल कोलिन्स के खिलाफ 23 डबल-फॉल्ट किए लेकिन वह आखिर में 7-5, 4-6, 7-6 (2) से जीत हासिल करने में सफल रही, जो फ्रेंच ओपन फाइनल के बाद उनकी पहली जीत है। चौथी वरीयता प्राप्त मीरा एंड्रीवा ने बियांका एंड्रीस्कू के टखने में चोट लगने के कारण मैच से हट जाने से तीसरे दौर में जगह बनाई। सातवीं वरीयता प्राप्त जैस्मीन पाओलिनी को तीसरे सेट के टाईब्रेकर में जापान की आओई इतो से हार का सामना करना पड़ा, जबकि आठवीं वरीयता प्राप्त एम्मा नवारो ने रेबेका मैरिनो को 6-1, 6-2 से हराया।

मुसेट्टी और रूण भी पहुंचे अगले दौर में

टोरंटो। तीसरी वरीयता प्राप्त लोरेंजो मुसेट्टी और पांचवीं वरीयता प्राप्त होल्गर रूण ने जीत दर्ज करके नेशनल बैंक ओपन टेनिस टूर्नामेंट के अगले दौर में जगह बनाई। मुसेट्टी ने ऑस्ट्रेलियाई क्वालीफायर जेम्स डकवर्थ को 7-5, 6-1 से, जबकि रूण ने जियोवानी एमपेट्शी पेरीकार्ड को 7-6 (7), 6-3 से हराया। इस टूर्नामेंट में सभी वरीयता प्राप्त खिलाड़ियों को पहले दौर में बाई मिली थी। विश्व के नंबर एक खिलाड़ी यानिक सिनर, दूसरे नंबर के कार्लोस अल्काराज़, पांचवें जैक ड्रेपर और छठे नोवाक जोकोविच अमेरिकी ओपन की तैयारी में इस प्रतियोगिता में भाग नहीं ले रहे हैं। कैस्पर रूड, करेन खाचानोव, फ्रांसिस्को सेरुंडोलो और गत विजेता एलेक्सी पोपिरिन भी अपने मैच जीतने में सफल रहे।

वरीयता प्राप्त जैस्मीन पाओलिनी को तीसरे सेट के टाईब्रेकर में जापान की आओई इतो से हार का सामना करना पड़ा, जबकि आठवीं वरीयता प्राप्त एम्मा नवारो ने रेबेका मैरिनो को 6-1, 6-2 से हराया।

कोको गॉफ

भारतीय अंडर-19 टीम की घोषणा

मुंबई। भारत ने साल के अंत में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली अंडर-19 शृंखला के लिए कप्तान आयुष म्हात्रे, उप कप्तान विहान मल्होत्रा और सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी सहित कई प्रमुख खिलाड़ियों को टीम में बरकरार रखा है। ये खिलाड़ी इंग्लैंड के सफल दौरे से लौटे हैं। ऑस्ट्रेलियाई अंडर-19 टीम के खिलाफ भारत तीन एकदिवसीय और चार दिवसीय दो मैच खेलेगा, जिसकी शुरुआत 21 सितंबर को सीमित ओवरों के मैच से होगी। यह दौरा 10 अक्टूबर को समाप्त होगा।

बीसीसीआई के सचिव देवजीत सैकिया ने बुधवार को कहा, जूनियर चयन समिति ने सितंबर में होने वाले ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए अंडर-19 टीम का चयन किया है। भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया की अंडर-19 टीम के खिलाफ तीन एकदिवसीय और दो बहु दिवसीय मैच खेलेगी। भारतीय टीम हाल ही में इंग्लैंड दौरे से लौटी है जहां उसने एकदिवसीय मैचों में मेजबान टीम को 3-2 से हराया, जबकि दो टेस्ट मैच ड्रॉ रहे।

महिला एथलीट्स को कराना होगा जेंडर टेस्ट

- जेंडर टेस्ट के बिना नहीं मिलेगा वर्ल्ड चैंपियनशिप में प्रवेश
- एक सितंबर 2025 से लागू होगा नया नियम
- एसआरवाई जीन टेस्ट से होगी बायोलॉजिकल पहचान

मोनाको,एजेंसी

वर्ल्ड एथलेटिक्स ने महिला वर्ग में प्रतिस्पर्धा की निष्पक्षता बनाए रखने के उद्देश्य से ऐतिहासिक फैसला लिया है। बुधवार को वर्ल्ड एथलेटिक्स काउंसिल ने घोषणा की कि सभी महिला एथलीट्स को जीवन में अब एक बार जेंडर टेस्ट कराना होगा। इसके लिए एसआरवाई जीन टेस्ट लॉन्च किया गया है, जो ये तय करेगा कि कोई खिलाड़ी बायोलॉजिकल रूप से महिला है या नहीं।

यह नियम एक सितंबर 2025 से लागू होगा। इसके बाद जो भी महिला एथलीट यह टेस्ट नहीं कराएगी, वह वर्ल्ड एथलेटिक्स के रैंकिंग प्रतियोगिताओं या वर्ल्ड चैंपियनशिप जैसे वैश्विक टूर्नामेंट में भाग नहीं ले सकेगी। सबसे पहले इस नियम का प्रभाव 13 सितंबर 2025 से टोक्यो में होने वाली वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप में दिखेगा, जहां केवल उन्हीं महिला खिलाड़ियों को भाग लेने की अनुमति होगी, जिन्होंने यह टेस्ट पास किया हो। इसका उद्देश्य उन खिलाड़ियों पर अंकुश लगाना है, जिन्होंने बीते वर्षों में लिंग परिवर्तन (जेंडर चेंज) कर प्रतिस्पर्धा की है। एसआरवाई जीन टेस्ट, जो गाल से स्वैब या रक्त के नमूने से होगा, केवल एक बार कराना जरूरी होगा।

वर्ल्ड एथलेटिक्स के अध्यक्ष सेबास्टियन कोए ने बताया कि हम महिला खेलों की गरिमा और निष्पक्षता की रक्षा करना चाहते हैं। यदि कोई महिला प्रतिस्पर्धा करती है, तो उसे यह विश्वास होना चाहिए कि वह जैविक असमानता के बिना प्रतिस्पर्धा कर रही है। बायोलॉजिकल जेंडर की पुष्टि महत्वपूर्ण कदम है।